वनस्थली विद्यापीठ

संस्कृत, दर्शन एवं वैदिक अध्ययन विभाग

पाठ्यमण्डल बैठक–कार्यवाही विवरण–2018–19

दिनांक 29 दिसम्बर, 2018 को दोपहर 03:00 बजे विद्या मन्दिर के समिति–कक्ष में संस्कृत, दर्शन एवं वैदिक अध्ययन विभाग के पाठ्यमण्डल की बैठक सम्पन्न हुई, जिसका प्रमुख विवरण प्रस्तुत है–

उपस्थिति

1.	प्रो. अनीता जैन	–	संयोजिका
2	प्रो. भारती पाण्डेय	–	आभ्यन्तर सदस्य (अनुपस्थित)
3.	डॉ. अंजना शर्मा	–	आभ्यन्तर सदस्य
4.	डॉ. अल्पना शर्मा	–	आभ्यन्तर सदस्य
5.	डॉ. चूडामणि त्रिवेदी	–	आभ्यन्तर सदस्य
6.	डॉ. विनीता पाण्डेय	–	आभ्यन्तर सदस्य
7.	डॉ. योगेश शर्मा	–	आभ्यन्तर सदस्य
8.	डॉ. भेषराज शर्मा	–	आभ्यन्तर सदस्य
9.	डॉ. त्रिलोक चन्द अवस्थी	–	आभ्यन्तर सदस्य
10	प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा	–	बाह्य सदस्य

बाह्य सदस्य प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा बैठक में सम्मिलित हुए। संयोजिका ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। तदनन्तर कार्यसूची के प्रत्येक बिन्दु पर विचार–विमर्श प्रारम्भ हुआ।

नोटः– प्रो॰ भारती पाण्डेय (आभ्यन्तर सदस्य) Meeting में सम्मिलित नहीं हो सकी।

पाठ्यमण्डल समिति की संयोजिका प्रो॰ अनीता जैन, अध्यक्ष, संस्कृत, दर्शन एवं वैदिक अध्ययन विभाग द्वारा समिति के सभी सदस्यों का स्वागत किया गया।

1. उपस्थित सभी सदस्यों ने पाठ्यमण्डल की 27 अप्रैल, 2016 को सम्पन्न हुई बैठक की कार्यवाही की सम्पुष्टि की।
2. विचार–विमर्शपूर्वक परीक्षक– सूची का गठन एवं अनुमोदन किया।
3. समिति के द्वारा संस्कृत अध्ययन, परीक्षा योजना एवं वर्तमान पाठ्यक्रम का समीक्षण किया गया। तत्पश्चात् विभिन्न प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रमों में कुछ संशोधन किए गए। जो इस प्रकार हैं–

3 I बी. ए. (संस्कृत)

i	प्रथम समसत्र (दिसम्बर, 2019)	यथावत
ii	द्वितीय समसत्र (अप्रैल/मई, 2020)	यथावत
iii	तृतीय समसत्र (दिसम्बर , 2020)	यथावत
iv	चतुर्थ समसत्र (अप्रैल/मई, 2021)	यथावत
v	पंचम समसत्र (दिसम्बर , 2021)	परिवर्तन[a]
vi	षष्ठ समसत्र (अप्रैल/मई, 2022)	परिवर्तन[b]

- समिति के द्वारा बी. ए. कार्यक्रम के सभी प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम एवं निर्गमों Learning Outcomes) का समालोचन किया गया।

- बी. ए. पंचम समसत्र (दिसम्बर 2021) पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित उद्देश्यों, निर्गमों, संस्तुत पुस्तकों एवं E- Resources की समिति के द्वारा अनुशंसा की गई।

(a)

- बी. ए. पंचम समसत्र के प्रश्नपत्र (SANS 301) शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण की प्रथम अन्विति में कौटिलीय अर्थशास्त्र के स्थान पर शुक्रनीति के प्रथम अध्याय के प्रथम 60 श्लोकों को सम्मिलित किया गया, कौटिलीय अर्थशास्त्र का अंश एम. ए. (प्रथम समसत्र) में भी रखा गया है। इसके अतिमरिक्त ओर भी नवीन ज्ञान छात्राओं को प्राप्त हो इसलिए शुक्रनीति का प्रस्ताव रखा गया। समिति ने उसका अनुमोदन किया। बी. ए. पंचम समसत्र में विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम को जोड़ा गया।

(b)

- बी. ए. षष्ठ समसत्र में विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम को जोड़ा गया।

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह
शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण भाग–1
शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण भाग–2
भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय
प्राचीन भारतीय संस्थाएँ
आयुर्वेद एवं वनस्पति विज्ञान
वैदिक शिक्षा साहित्य

- शेष पाठ्यक्रम यथावत।

1. कार्यक्रम निर्गम (Program Outcomes)
2. बी. ए. के सभी प्रश्न पत्रों की सूची संलग्नक – 1 में दिये गये हैं।
1. बी. ए. का पुनरालोचित पाठ्यक्रम निर्गम, संस्तुत पुस्तकें एवं e– resources की सूची संलग्नक – 2 में दिये गये हैं।

3 II. M. A. Examination:-

I	प्रथम समसत्र (दिसम्बर, 2019)	यथावत्
ii	द्वितीय समसत्र (अप्रैल/मई, 2020)	यथावत्
iii	तृतीय समसत्र (दिसम्बर , 2019)	संशोधित[a]
iv	चतुर्थ समसत्र (अप्रैल/मई, 2020)	संशोधित[b]

समिति के द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर चल रही नवीन प्रवृत्तियों एवं पद्धतियों पर विमर्श किया गया। एवं समिति के द्वारा स्वाध्यायाधारित पाठ्य सामग्री विकसित करने का परामर्श दिया।

3 II एम. ए. (संस्कृत)

- समिति के द्वारा एम•ए. कार्यक्रम के सभी प्रश्नपत्रों के उद्देश्य पाठ्यक्रम एवं निर्गमों Learning Outcomes)का समालोचन किया गया।
- समिति ने अनुशंसा की कि एम. ए. के सभी प्रश्न–पत्रों का निर्माण संस्कृत भाषा में हो।

(a)

- एम. ए. तृतीय समसत्र के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत एक विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम एवं एक स्वाध्यायाघारित चयनित पाठ्यक्रम (Reading Electives) को विमर्शपूर्वक सम्मिलित किया गया। इस विचार के अन्तर्गत समिति का यह प्रस्ताव था कि अध्ययन का क्षेत्र नवाचारमूलक, अनुप्रयोगात्मक एवं समकालीन रूप से प्रासंगिक हो ।

(b) (i)

- एम. ए. चतुर्थ समसत्र में एक मुक्त चयनित पाठ्यक्रम एवं एक स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम (Reading Electives) को विमर्शपूर्वक सम्मिलित किया गया। इस विचार के अन्तर्गत समिति का यह प्रस्ताव था कि अध्ययन का क्षेत्र नवाचारमूलक, अनुप्रयोगात्मक एवं समकालीन रूप से प्रासंगिक हो ।

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह
आधुनिक संस्कृत साहित्य, भाग–1
आधुनिक संस्कृत साहित्य, भाग–2
अभिनव काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास
उपनिषद् साहित्य
संस्कृत साहित्य की आधुनिक विधाएँ
संस्कृत रेडियो रूपक
भारतीय भाषा – चिन्तन
संस्कृत साहित्य और पर्यावरणविज्ञान
भारत में स्त्री शिक्षा

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह
संस्कृत नाट्य व सिनेमा
संस्कृत पत्रकारिता
संस्कृत में कला–चिन्तन
पौराणिक भौगोलिक – चिन्तन
भारतीय लिपि – विज्ञान

- शेष पाठ्यक्रम यथावत।

(b) (ii)

- एम. ए. पाठ्यक्रम अप्रैल/मई 2021 में चल रहे **"संस्कृतवाक्प्रयोगपरीक्षा"** प्रश्न–पत्र के स्थान पर **"परियोजना कार्य"** को निर्धारित किया गया। जिसके क्रैडिट (अंकभार) हटाए गये प्रश्न–पत्र (संस्कृत वाक्प्रयोगपरीक्षा) के अंक भार के समान होंगे। समिति ने 'परियोजना कार्य' का अनुमोदन किया। एम. ए. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत समिति के द्वारा यह पाया गया कि विद्यार्थियों में स्नातकोत्तर स्तर पर शोधात्मक दृष्टिकोण भी विकसित किया जाना चाहिए। जिससे उनमे विषय के प्रति मौलिक समझ बने एवं उनके द्वारा समाज में उसकी उपयोगिता पर भी विचार किया जा सके। अतः समिति के द्वारा परियोजना कार्य का प्रस्ताव रखा गया।

- शेष पाठ्यक्रम यथावत।

I	प्रथम समसत्र (दिसम्बर, 2019)	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम संशोधित
ii	द्वितीय समसत्र (अप्रैल/मई, 2020)	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम संशोधित
iii	तृतीय समसत्र	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम संशोधित

- कार्यक्रम निर्गम (Program Outcomes)
- एम. ए. के सभी प्रश्न पत्रों की सूची

कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 1 में दिये गये हैं।

3 एम. फिल. (संस्कृत)

समिति के द्वारा एम. फिल. कार्यक्रम के सभी प्रश्नपत्रों के उद्देश्य, पाठ्यक्रम एवं निर्गमों Learning Outcomes)का समालोचन किया गया।

- एम फिल /एम फिल पी एच॰ डी॰ एकीकृत कार्यक्रम का पुनर्गठन किया ।
- एम फिल संस्कृत कार्यक्रम को दो समसत्रों में विभक्त किया गया। एम फिल प्रथम समसत्र में 26 अंकभार के चार प्रश्न–पत्र तथा एम फिल द्वितीय समसत्र में 26 अंकभार के लघुशोध प्रबन्ध सहित सेमीनार तथा दो स्वाध्यायाधारित पाठ्यक्रम जोड़े गये। स्वाध्यायाधारित पाठ्यक्रम समूह की सूची निम्न प्रकार है–

स्वाध्यायाधारित पाठ्यक्रम समूह
उपनिषद् साहित्य का सामान्य अध्ययन

संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन
साहित्यशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन
वेद, व्याकरण एवं दर्शनशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन
पुराण एवं धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन
वैज्ञानिक एवं नीतिशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन

- एम. फिल. के सभी प्रश्न पत्रों की सूची

  कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 1 में दिये गये हैं।

  एम. फिल का पुनरालोचित पाठ्यक्रम निर्गम, संस्तुत पुस्तकें एवं e – resources की सूची कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 2 में दिये गये हैं।

संस्कृत प्रमाण पत्र परीक्षा वर्ष 2020

संस्कृत प्रमाण पत्र परीक्षा वर्ष 2020 के पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित उद्देश्यों, निर्गमों, संस्तुत पुस्तकों एवं e – resources का समालोचन किया गया।

पाठ्यक्रम यथावत।

- कार्यक्रम निर्गम (Program OutComes)
- संस्कृत प्रमाण पत्र के सभी प्रश्न पत्रों की सूची

  कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 1 में दिये गये हैं।
- संस्कृत प्रमाण पत्र का पुनरालोचित पाठ्यक्रम निर्गम, संस्तुत पुस्तकें एवं e – resources की सूची

  कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 2 में दिये गये हैं।

2. संस्कृत उपाधि पत्र परीक्षा वर्ष 2020

संस्कृत उपाधि पत्र परीक्षा वर्ष 2020 के पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित उद्देश्यों, निर्गमों, संस्तुत पुस्तकों एवं e – resources का समालोचन किया गया।

- पाठ्यक्रम यथावत।
- कार्यक्रम निर्गम (Program OutComes)
- संस्कृत उपाधि पत्र के सभी प्रश्न पत्रों की सूची

कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 1 में दिये गये हैं।

- संस्कृत उपाधि पत्र का पुनरालोचित पाठ्यक्रम निर्गम, संस्तुत पुस्तकें एवं e – resources की सूची

कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 2 में दिये गये हैं।

3. विशिष्ट उपाधि पत्र परीक्षा वर्ष 2020

विशिष्ट उपाधि पत्र परीक्षा वर्ष 2020 के पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित उद्देश्यों, निर्गमों, संस्तुत पुस्तकों एवं e – resources का समालोचन किया गया। पाठ्यक्रम यथावत

- कार्यक्रम निर्गम (Program OutComes)
  विशिष्ट उपाधि पत्र परीक्षा के सभी प्रश्न पत्रों की सूची

कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 1 में दिये गये हैं।

- विशिष्ट उपाधि पत्र परीक्षा का पुनरालोचित पाठ्यक्रम निर्गम, संस्तुत पुस्तकें एवं e – resources की सूची

कार्यक्रम निर्गम संलग्नक – 2 में दिये गये हैं।

4. सभी प्रतिवेदनों का समस्त सदस्यों ने अवलोकन किया, प्रतिवेदन सन्तोषप्रद पाये गये।

5. पाठ्यक्रमानुकूल एवं स्तरीय सम्बद्ध प्रश्नपत्रों के मूल्यांकनपूर्वक निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए–

- प्रश्नों पत्रों मे सतत परिवर्तन होता रहता है
- इस परिवर्तन में चार विधियों का प्रयोग किया गयाः–
  (क) वर्णनात्मक
  (ख) विश्लेषणात्मक
  (ग) समीक्षात्मक
  (घ) सूचनात्मक

अन्त में संयोजिका द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

Annexure-1

NAME OF THE PROGRAMME: BA

PROGRAM EDUCATIONAL OBJECTIVCES

संस्कृत वाङ्मय को भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रामाणिक प्रलेख के रूप में देखा जाता है। इसमें वेद, व्याकरण, भाषाशास्त्र, दर्शनशास्त्र, काव्यशास्त्र एवं काव्यादि विषयाधारित ऐसी अनेक विमर्शात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धतियॉं हैं, जिनका सम्बन्ध मानवीय जीवन शैली एवं व्यक्तित्व–विकास से है। इसलिए यह आवश्यक है कि भारतीय ज्ञान परम्परा एवं सांस्कृतिक विरासतीय तत्वों से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए, जिससे वे भविष्य में प्राप्त अवसरों का आत्मानुसंधानपूर्वक स्वयं के जीवन में उपयोग कर सकें।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अन्तः अनुशासनात्मक पद्धति एवं बहुआयामी उपागमों के साथ संस्कृत पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

- भाषा संरचना का बोध कराकर अर्थावबोध एवं मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास ।
- वैदिक जीवन दृष्टि के अनुरूप धर्म अनुमोदित अर्थदृष्टि का विकास ।
- काव्यशास्त्र , धर्मशास्त्र, पुराण एवं इतिहास आदि के क्रमबद्ध चिंतन से अनुप्रयोगात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास।
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्यों का अवबोध।
- नाट्य विधा के प्राचीन एवं आधुनिक स्वरूप के अवबोध से अभिमंचन कौशल का विकास।
- अनुवाद एवं रचना कौशल की योग्यता का विकास।

कार्यक्रम निर्गम (Program Outcomes)

PO1. संस्कृत ज्ञान परम्परा – वेद, व्याकरण, साहित्य एवं संस्कृति विषयक चिन्तन के आधार पर भारतीय ज्ञान परम्परा का अवबोध।

PO2. योजनापरक दृष्टिकोण – साहित्य एवं व्याकरण आदि के अध्ययन से काव्यात्मक एवं व्यावहारिक विषयों में योजनापरक दृष्टि का विकास

PO3. समस्या विश्लेषण – साहित्य व्याकरण एवं संस्कृति विषयक सिद्धान्तों की व्याख्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास एवं व्यावहारिक समस्याओं को पहचानकर उनका समाधान करने की क्षमता का विकास।

PO4. नवाचारमूलक दृष्टि – साहित्य की आधुनिक विधाओं, लघुकथा, उपन्यास, नायिका प्रधान नाट्य आदि एवं नवीन व्याख्या पद्धतियों के अनुप्रयोग की क्षमता का विकास।

PO5. नेतृत्व कौशल – शिक्षा के सभी संसाधनों के अध्ययन, विश्लेषण एवं विवेचनोपरान्त विद्यार्थियों में कुशल नेतृत्व क्षमता का विकास।

PO6. व्यावसायिक पहचान – संस्कृत के विविध विधात्मक ज्ञान का तकनीकी संसाधनों के समुचित उपयोग एवं प्रभावशाली सम्प्रेषण क्षमता से विद्यार्थी की व्यावसायिक पहचान सम्बन्धी विशिष्टता में अभिवृद्धि।

PO7. संस्कृत एवं नैतिकता – धर्मशास्त्र एवं नीतिशास्त्रीय विचारमूलक ग्रन्थों एवं नाट्यादि प्राचीन एवं आधुनिक विधाओं का चिन्तन एवं विश्लेषण करने से व उदात्त आदर्श चरित्रों की अनुकरणात्मक प्रवृत्ति से विद्यार्थियों में नैतिकता का संवर्द्धन।

PO8. सम्प्रेषण कौशल – उच्चारणशास्त्र, दर्शनशास्त्र एवं साहित्यशास्त्रीय सिद्धान्तों के आधार पर विषय उपस्थापन एवं विश्लेषण करने की क्षमता का विकास।

PO9. संस्कृत और समाज – वेद धर्मशास्त्र एवं साहित्यगत समाज एवं संस्कृति के परिशीलन से तात्कालिक सामाजिक मूल्यों का वर्तमान मूल्यों से तुलनात्मक विश्लेषण एवं समन्वयात्मक दृष्टि बोध द्वारा विद्यार्थी के व्यक्तित्व में सामाजिक संकल्पना का विकास।

PO10. पर्यावरण जागरूकता – संस्कृत की प्रकृति एवं विकास–पद्धति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से सिंचित संस्कृत साहित्य में परिलक्षित प्रकृति–प्रेम, जैसे उदात्त समन्वयात्मक

दृष्टिबोध द्वारा विद्यार्थी में पर्यावरण–चेतना एवं उसके महत्व के प्रति संवेदनशील समझ का विकास।

PO11.जीवनपर्यन्त शिक्षा – संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं में सर्वत्र दृष्टिगत जीवन–मूल्यों जैसे – आध्यात्मिक, सामाजिक, नैतिक, धार्मिक, आर्थिक आदि मूल्यों का अवबोध कर और उन्हें आचरण में समन्वित कर विद्यार्थी अपने जीवन में व्यावहारिक अनुप्रयोग सम्बन्धी कुशलता में अभिवृद्धि कर सकेगा।

Existing

बी.ए. (प्रथम समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 102	*आधुनिक नाट्य एवं व्याकरण*	4	0	0	4
SANS 103	प्राचीन नाट्य एवं छन्द	4	0	0	4

बी.ए. (द्वितीय समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 101	आर्ष काव्य, निबन्ध एवं व्याकरण	4	0	0	4
SANS 104	पुराण, स्मृति साहित्य एवं व्याकरण	4	0	0	4

बी.ए. (तृतीय समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 202	आधुनिक काव्य, व्याकरण एवं निबन्ध	4	0	0	4
SANS 204	प्राचीन काव्य एवं अलंकार	4	0	0	4

बी.ए. (चतुर्थ समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 201	आधुनिक गद्य साहित्य एवं व्याकरण	4	0	0	4
SANS 203	प्राचीन गद्य, चम्पू एवं अनुवाद	4	0	0	4

Proposed

बी.ए. (प्रथम समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 102	*आधुनिक नाट्य एवं व्याकरण*	4	0	0	4
SANS 103	प्राचीन नाट्य एवं छन्द	4	0	0	4

बी.ए. (द्वितीय समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 101	आर्ष काव्य, निबन्ध एवं व्याकरण	4	0	0	4
SANS 104	पुराण, स्मृति साहित्य एवं व्याकरण	4	0	0	4

बी.ए. (तृतीय समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 202	आधुनिक काव्य, व्याकरण एवं निबन्ध	4	0	0	4
SANS 204	प्राचीन काव्य एवं अलंकार	4	0	0	4

बी.ए. (चतुर्थ समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 201	आधुनिक गद्य साहित्य एवं व्याकरण	4	0	0	4
SANS 203	प्राचीन गद्य, चम्पू एवं अनुवाद	4	0	0	4

बी.ए. (पंचम समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 301	शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण भाग–1	4	0	0	4
SANS 303	वैदिक साहित्य एवं निबन्ध	4	0	0	4

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
	चयनित अध्ययन – 1	4	0	0	4
SANS 303	वैदिक साहित्य एवं निबन्ध	4	0	0	4

बी.ए. (षष्ठ समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 304	वैदिक साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं अनुवाद	4	0	0	4
SANS 302	शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण भाग–2	4	0	0	4

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह					
SANS 301	शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण भाग–1	4	0	0	4
SANS 302	शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण भाग–2	4	0	0	4
SANS	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय	4	0	0	4
SANS	प्राचीन भारतीय संस्थाएँ	4	0	0	4
SANS	आयुर्वेद एवं वनस्पति विज्ञान	4	0	0	4
SANS	वैदिक शिक्षा साहित्य	4	0	0	4

बी.ए. (षष्ठ समसत्र)

Course Code	*Course Name*	L	T	P	C
SANS 304	वैदिक साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं अनुवाद	4	0	0	4
	चयनित अध्ययन–2	4	0	0	4

Annexure-1
3.2

NAME OF THE PROGRAM: MA
SANSKRIT
PROGRAMM EDUCATIONAL OBJECTIVCES

संस्कृत वाङ्मय को भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रामाणिक प्रलेख के रूप में देखा जाता है। इसमें वेद, व्याकरण, भाषाशास्त्र, दर्शनशास्त्र, काव्यशास्त्र एवं काव्यादि विषयाधारित ऐसी अनेक विमर्शात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धतियॉ हैं, जिनका सम्बन्ध मानवीय जीवन शैली एवं व्यक्तित्व–विकास से है। इसलिए यह आवश्यक है कि भारतीय ज्ञान परम्परा एवं सांस्कृतिक विरासतीय तत्वों से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए, जिससे वे भविष्य में प्राप्त अवसरों का आत्मानुसंधानपूर्वक स्वयं के जीवन में उपयोग कर सकें।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अन्तः अनुशासनात्मक पद्धति एवं बहुआयामी उपागमों के साथ संस्कृत पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

1 भारतीय साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं शास्त्रीय चिन्तन की परम्परा से अवगत कराना।

2.संस्कृत वाङ्मय के वेद, व्याकरण, काव्यशास्त्र, कलाशास्त्र, भाषाशास्त्र, तर्कशास्त्र, धर्मशास्त्र, पुराण एवं इतिहास सम्बन्धी चिन्तन का अवबोध कराना।

3.भारतीय दर्शन की विविध शाखाओं के स्वरूप से परिचित कराकर तात्त्विक विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।

4.वैदिक साहित्य एवं शास्त्र साहित्य का ज्ञान कराकर सर्वतोभद्र विकास करना।

5.प्राचीन एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य का अवबोध कराकर सौन्दर्यबोध की भावना विकसित करना।

6.संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का प्रतिपादन कर काव्यशास्त्रीय

तत्त्वों के मूल्यांकन एवं विश्लेषण की अभिक्षमता का विकास करना।

7.संस्कृत भाषायी कौशल का विकास कर, संस्कृत वाग्व्यवहार की क्षमता के साथ मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता विकसित करना।

कार्यक्रम निर्गम (Program Outcomes)

PO1: संस्कृत ज्ञान परम्परा – वेद, दर्शन, काव्य एवं कलाशास्त्रीय चिंतन के आधार पर भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति विषयक समझ का विकास ।

PO2: योजनापरक दृष्टिकोण – भाषा सम्बन्धी समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता का विकास, दार्शनिक, साहित्यिक एवं व्यवहारिक विषयों पर मीमांसात्मक क्षमता का विकास

PO3: समस्या–विश्लेषण – प्रामाणिक एवं शोधपूर्ण ज्ञानोन्मुख प्रवृत्ति, सूत्र, व्याख्या, भाष्य, समीक्षा, पूर्वपक्ष, उत्तरपक्ष एवं मीमांसा आदि पद्धतियों से काव्य, दर्शन एवं संस्कृति सम्बन्धी सिद्धान्तों की व्याख्यात्मक, विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास एवं विमर्शात्मक संश्लेषण से निष्कर्षात्मक दृष्टि का विकास।

व्युत्पत्ति, निर्वचन, तर्क, विषयप्रवर्तन मूलक पद्धतियों द्वारा साहित्य, दर्शन एवं समाज सम्बन्धी समस्याओं के समाधान करने की क्षमता का विकास।

PO4: नवाचारमूलक दृष्टि – संस्कृत की आधुनिक विधाओं (लघुकथा, उपन्यास, डायरी, गजल, गीत, प्रगीत आदि) एवं उत्तर आधुनिकतावादी, संरचना एवं उत्तर संरचनावादी व्याख्या पद्धतियों के अनुप्रयोग की क्षमता का विकास।

संस्कृत वाङ्मय में वर्णित नवाचारमूलक नवीन शोधात्मक प्रवृत्तियों एवं पद्धतियों से परिचय।

PO5: नेतृत्व–कौशल – शिक्षा के सभी संसाधनों के अध्ययन, विश्लेषण , विवेचनोपरान्त छात्राओं में कौशल विकसित करके नेतृत्व क्षमता का विकास।

PO6: व्यावसायिक पहचान – संस्कृत वाङ्;मय के अन्तर्गत वेद वेदांग, दर्शनशास्त्र , साहित्य आदि के अध्ययन से उच्च प्रशासनिक सेवाओं , अध्यापक,व्यवस्थापिका,अनुवादक आदि से संबंधित रोजगार की प्राप्ति।

PO7: संस्कृत एवं नैतिकता – शिक्षा के चार सोपानों (आगम, स्वाध्याय, परिचर्चा एवं व्यवहार) के माध्यम से सामाजिक, नैतिक व व्यवहारिक मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं लाकोपयोगी दृष्टिकोण का विकास। विविध संस्कृत ग्रन्थों (साहित्य, कथा साहित्य, नाट्यशास्त्र, काव्य ग्रन्थ) के अध्यापन द्वारा सामाजिक सांस्कृतिक राजनीति सम्बन्धी विविध मूल्यों का विकास

PO8: संम्प्रेषण कौशल – संस्कृत भाषायी कौशलों का विकास करके, संस्कृत वाग्व्यवहार की क्षमता के साथ मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास।

PO9: संस्कृत और समाज – संस्कृत ग्रन्थों में निहित मूल्यों की शिक्षा के माध्यम से समाज में छात्राओं द्वारा उनका प्रचार प्रसार संस्कृत शिक्षा के माध्यम से विविध पदों पर आसीन होकर समाज में संस्कृत की पहचान बनाना।

PO10: पर्यावरण जागरूकता – ऋग्वेदादि ग्रन्थों में वर्णित पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों के प्रतिपादन से पर्यावरण के प्रति चेतना का विकास। संस्कृत साहित्य में उल्लिखित पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय भौगोलिक संदर्भों से भूगोल एवं पर्यावरण से सम्बद्ध ज्ञानात्मक एवं उपचारात्मक प्रवृत्ति का विकास ।

PO11: जीवनपर्यन्त शिक्षा – संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं में सर्वत्र दृष्टिगत जीवन–मूल्यों जैसे – आध्यात्मिक, सामाजिक, नैतिक, धार्मिक, आर्थिक आदि मूल्यों का अवबोध कर और उन्हें आचरण में समन्वित कर विद्यार्थी अपने जीवन में व्यावहारिक अनुप्रयोग सम्बन्धी कुशलता में अभिवृद्धि कर सकेगा।

एम. ए. प्रथम समसत्र

Existing

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 401	भारतीय दर्शन भाग–1	5	0	0	5
SANS 403	भाषा शास्त्र एवं व्याकरण	5	0	0	5
SANS 404	धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं वैज्ञानिकशास्त्र	5	0	0	5
SANS 405	प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग–1	5	0	0	5
SANS 407	वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति	5	0	0	5
Total Credits					**25**

एम. ए द्वितीय समसत्र

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 402	भारतीय दर्शन भाग–2	5	0	0	5
SANS 406	प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग–2	5	0	0	5
SANS 408	वैदिक साहित्य एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS 409	व्याकरणशास्त्र एवं अनुवाद	5	0	0	5
CS 421	संगणक (कम्प्यूटर) सैद्धान्तिक	3	0	0	3
CS 421L	संगणक (कम्प्यूटर) प्रायोगिक	0	0	4	2
Total Credits					**25**

एम. ए. प्रथम समसत्र

Proposed

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 401	भारतीय दर्शन भाग–1	5	0	0	5
SANS 403	भाषा शास्त्र एवं व्याकरण	5	0	0	5
SANS 404	धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं वैज्ञानिकशास्त्र	5	0	0	5
SANS 405	प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग–1	5	0	0	5
SANS 407	वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति	5	0	0	5
Total Credits					**25**

एम. ए द्वितीय समसत्र

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 402	भारतीय दर्शन भाग–2	5	0	0	5
SANS 406	प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग–2	5	0	0	5
SANS 408	वैदिक साहित्य एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS 409	व्याकरणशास्त्र एवं अनुवाद	5	0	0	5
CS 421	संगणक (कम्प्यूटर) सैद्धान्तिक	3	0	0	3
CS 421L	संगणक (कम्प्यूटर) प्रायोगिक	0	0	4	2
Total Credits					**25**

एम. ए तृतीय समसत्र

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 501	आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग–1	5	0	0	5
SANS 504	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5
SANS 505	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS 506	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–1	5	0	0	5
SANS 510.	संस्कृत व्याकरणम्	5	0	0	5
Total Credits					**25**

एम. ए तृतीय समसत्र

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 504	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5
SANS 505	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS 506	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–1	5	0	0	5
SANS 510.	संस्कृत व्याकरणम्	5	0	0	5
SANS	विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम	5	0	0	5
SANS	स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम–1	0	0	0	2
Total Credits					**27**

एम. ए. चतुर्थ समसत्र

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 502	आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग–2	5	0	0	5
SANS 503	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं अलंकार	5	0	0	5
SANS 507	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–2	5	0	0	5
SANS508	संस्कृत निबन्धों व्याकरणंच	5	0	0	5
~~SANS509~~	~~संस्कृत वाक्प्रयोग परीक्षा~~	~~5~~	~~0~~	~~0~~	~~5~~
Total Credits					**25**

एम. ए. चतुर्थ समसत्र

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 503	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं अलंकार	5	0	0	5
SANS 507	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–2	5	0	0	5
SANS 508	संस्कृत निबन्धों व्याकरणंच	5	0	0	5
SANS	संस्कृत परियोजना	0	0	10	5
	चयनित पाठ्यक्रम (मुक्त चयनित)	5	0	0	5
	स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्क्रम–2	0	0	0	2
Total Credits					**27**

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह					
SANS 501	आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग–1	5	0	0	5
SANS 502	आधुनिक संस्कृत साहित्य, भाग–2	5	0	0	5
SANS	अभिनव काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS	उपनिषद् साहित्य	5	0	0	5
SANS	संस्कृत साहित्य की आधुनिक विधाएँ	5	0	0	5
SANS	संस्कृत रेडियो रूपक	5	0	0	5
SANS	संस्कृत भाषा चिन्तन	5	0	0	5
SANS	संस्कृत साहित्य और पर्यावरणविज्ञान	5	0	0	5
SANS	प्राचीन भारत में स्त्री शिक्षा	5	0	0	5

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह					
SANS	संस्कृत नाट्य व सिनेमा	0	0	0	2
SANS	संस्कृत पत्रकारिता	0	0	0	2
SANS	संस्कृत में कला–चिन्तन	0	0	0	2
SANS	पौराणिक भौगोलिक – चिन्तन	0	0	0	2
SANS	भारतीय लिपि – विज्ञान	0	0	0	2

Annexure-1

NAME OF THE PROGRAM: MASTER OF PHILOSOPHY
SANSKRIT
PROGRAM EDUCATIONAL OBJECTIVCES

संस्कृत वाङ्मय को भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रामाणिक प्रलेख के रूप में देखा जाता है। इसमें वेद, व्याकरण, भाषाशास्त्र, दर्शनशास्त्र, काव्यशास्त्र एवं काव्यादि विषयाधारित ऐसी अनेक विमर्शात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धतियॉ हैं, जिनका सम्बन्ध मानवीय जीवन शैली एवं व्यक्तित्व–विकास से है। इसलिए यह आवश्यक है कि भारतीय ज्ञान परम्परा एवं सांस्कृतिक विरासतीय तत्वों से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए, जिससे वे भविष्य में प्राप्त अवसरों का आत्मानुसंधानपूर्वक स्वयं के जीवन में उपयोग कर सकें।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अन्तः अनुशासनात्मक पद्धति एवं बहुआयामी उपागमों के साथ संस्कृत पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

1 .शोधात्मक दृष्टि एवं अभिरुचि जागृत करना।

2. संस्कृत शोधप्रविधि एवं शोध सर्वेक्षण कौशल को विकसित करना।

3. संस्कृत वाङ्मय में नवाचार मूलक नवीन शोधात्मक प्रवृतियों एवं पद्धतियों से परिचित कराना।

4. सांदर्भिक अर्थग्रहण एवं मौलिक चिन्तन को अभिव्यक्त करने की क्षमता उत्पन्न करना।

5. अनुप्रयोगात्मक चिन्तन एवं स्वाध्याय कौशल विकसित करना।

कार्यक्रम निर्गम (Program Outcomes)

PO1: संस्कृत ज्ञान परम्परा – वेद, दर्शन, काव्य एवं कलाशास्त्रीय चिंतन के आधार पर भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति विषयक समझ का विकास ।

PO2: योजनापरक दृष्टिकोण – भाषा सम्बन्धी समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता का विकास, दार्शनिक, साहित्यिक एवं व्यवहारिक विषयों पर मीमांसात्मक क्षमता का विकास

PO3: समस्या–विश्लेषण – प्रामाणिक एवं शोधपूर्ण ज्ञानोन्मुख प्रवृत्ति, सूत्र, व्याख्या, भाष्य, समीक्षा, पूर्वपक्ष, उत्तरपक्ष एवं मीमांसा आदि पद्धतियों से काव्य, दर्शन एवं संस्कृति सम्बन्धी सिद्धान्तों की व्याख्यात्मक, विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास एवं विमर्शात्मक संश्लेषण से निष्कर्षात्मक दृष्टि का विकास।

व्युत्पत्ति, निर्वचन, तर्क, विषयप्रवर्तन मूलक पद्धतियों द्वारा साहित्य, दर्शन एवं समाज सम्बन्धी समस्याओं के समाधान करने की क्षमता का विकास।

PO4: नवाचारमूलक दृष्टि – संस्कृत की आधुनिक विधाओं (लघुकथा, उपन्यास, डायरी, गजल, गीत, प्रगीत आदि) एवं उत्तर आधुनिकतावादी, संरचना एवं उत्तर संरचनावादी व्याख्या पद्धतियों के अनुप्रयोग की क्षमता का विकास।

संस्कृत वाङ्मय में वर्णित नवाचारमूलक नवीन शोधात्मक प्रवृत्तियों एवं पद्धतियों से परिचय।

PO5: नेतृत्व–कौशल – शिक्षा के सभी संसाधनों के अध्ययन, विश्लेषण , विवेचनोपरान्त छात्राओं में कौशल विकसित करके नेतृत्व क्षमता का विकास।

PO6: व्यावसायिक पहचान – संस्कृत वाङ्;मय के अन्तर्गत वेद वेदांग, दर्शनशास्त्र , साहित्य आदि के अध्ययन से उच्च प्रशासनिक सेवाओं , अध्यापक,व्यवस्थापिका,अनुवादक आदि से संबंधित रोजगार की प्राप्ति।

PO7: संस्कृत एवं नैतिकता – शिक्षा के चार सोपानों (आगम, स्वाध्याय, परिचर्चा एवं व्यवहार) के माध्यम से सामाजिक, नैतिक व व्यवहारिक मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं लाकोपयोगी दृष्टिकोण का विकास। विविध संस्कृत ग्रन्थों (साहित्य, कथा साहित्य, नाट्यशास्त्र, काव्य ग्रन्थ) के अध्यापन द्वारा सामाजिक सांस्कृतिक राजनीति सम्बन्धी विविध मूल्यों का विकास

PO8: संम्प्रेषण कौशल – संस्कृत भाषायी कौशलों का विकास करके, संस्कृत वाग्व्यवहार की क्षमता के साथ मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास।

PO9: संस्कृत और समाज – संस्कृत ग्रन्थों में निहित मूल्यों की शिक्षा के माध्यम से समाज में छात्राओं द्वारा उनका प्रचार प्रसार संस्कृत शिक्षा के माध्यम से विविध पदों पर आसीन होकर समाज में संस्कृत की पहचान बनाना।

PO10: पर्यावरण जागरूकता – ऋग्वेदादि ग्रन्थों में वर्णित पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों के प्रतिपादन से पर्यावरण के प्रति चेतना का विकास। संस्कृत साहित्य में उल्लिखित पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय भौगोलिक संदर्भों से भूगोल एवं पर्यावरण से सम्बद्ध ज्ञानात्मक एवं उपचारात्मक प्रवृत्ति का विकास ।

PO11: जीवनपर्यन्त शिक्षा – संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं में सर्वत्र दृष्टिगत जीवन–मूल्यों जैसे – आध्यात्मिक, सामाजिक, नैतिक, धार्मिक, आर्थिक आदि मूल्यों का अवबोध कर और उन्हें आचरण में समन्वित कर विद्यार्थी अपने जीवन में व्यावहारिक अनुप्रयोग सम्बन्धी कुशलता में अभिवृद्धि कर सकेगा।

Curriculum Structure

Master of Arts (Sanskrit)

First Year

Semester - I

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 401	भारतीय दर्शन भाग–1	5	0	0	5
SANS 403	भाषा शास्त्र एवं व्याकरण	5	0	0	5
SANS 404	धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं वैज्ञानिकशास्त्र	5	0	0	5
SANS 405	प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग–1	5	0	0	5
SANS 407	वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति	5	0	0	5
	Semester Wise Total:	**25**	**0**	**0**	**25**

Semester - II

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 402	भारतीय दर्शन भाग–2	5	0	0	5
SANS 406	प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग–2	5	0	0	5
SANS 408	वैदिक साहित्य एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS 409	व्याकरणशास्त्र एवं अनुवाद	5	0	0	5
CS 421	संगणक (कम्प्यूटर) सैद्धान्तिक	3	0	0	3
CS 421L	संगणक (कम्प्यूटर) प्रायोगिक	0	0	4	2
	Semester Wise Total:	**25**	**0**	**4**	**25**

Second Year

Semester - III

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 504	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5
SANS 505	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS 506	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–1	5	0	0	5
SANS 510.	संस्कृत व्याकरणम्	5	0	0	5
SANS	विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम	5	0	0	5
SANS	स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम–1	0	0	0	2
	Semester Wise Total:	**25**	**0**	**0**	**27**

Semester - IV

Course Code	Course Name	L	T	P	C
SANS 503	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं अलंकार	5	0	0	5
SANS 507	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–2	5	0	0	5
SANS 508	संस्कृत निबन्धों व्याकरणंच	5	0	0	5
SANS	संस्कृत परियोजना	0	0	10	5
	चयनित पाठ्यक्रम (मुक्त चयनित)	5	0	0	5
	स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम–2	0	0	0	2
	Semester Wise Total:	**20**	**0**	**10**	**27**

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह		**L**	**T**	**P**	**C**
SANS 501	आधुनिक संस्कृत साहित्य, भाग–1	5	0	0	5
SANS 502	आधुनिक संस्कृत साहित्य, भाग–2	5	0	0	5
SANS	अभिनव काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS	उपनिषद् साहित्य	5	0	0	5
SANS	आधुनिक संस्कृत विधा/संस्कृत साहित्य की	5	0	0	5
SANS	संस्कृत रेडियो रूपक	5	0	0	5
SANS	भारतीय भाषा – चिन्तन	5	0	0	5
SANS	संस्कृत साहित्य और पर्यावरणविज्ञान	5	0	0	5
SANS	भारत में स्त्री शिक्षा	5	0	0	5

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह		**L**	**T**	**P**	**C**
SANS	संस्कृत नाट्य व सिनेमा	0	0	0	2
SANS	संस्कृत पत्रकारिता	0	0	0	2
SANS	संस्कृत में कला–चिन्तन	0	0	0	2
SANS	पौराणिक भौगोलिक – चिन्तन	0	0	0	2
SANS	भारतीय लिपि – विज्ञान	0	0	0	2

Master of Philosophy (Sanskrit)

एम.फिल. (संस्कृत)

Semester - I					
Course Code	**Course Name**	**L**	**T**	**P**	**C**
SANS 604	संस्कृत शोध प्रविधि एवं शोध सर्वेक्षण	4	0	0	4
SANS 608	शिक्षक, शिक्षण एवं उच्च शिक्षा	4	0	0	4
SANS 601	धर्म दर्शन और संस्कृति	4	0	0	4
SANS 607P	सत्रावधि पत्र	0	0	24	12
	स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 1	0	0	0	2
		12	**0**	**24**	**26**

Semester - II					
Course Code	**Course Name**	**L**	**T**	**P**	**C**
SANS 701D	लघु शोध–प्रबंध	0	0	36	18
	सेमिनार	0	0	8	4
	स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 2	0	0	0	2
	स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 3	0	0	0	2
		0	**0**	**44**	**26**

स्वाध्यायाधारित पाठ्यक्रम समूह		**L**	**T**	**P**	**C**
	उपनिषद् साहित्य का सामान्य अध्ययन	0	0	0	2
	संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन	0	0	0	2
	साहित्यशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन	0	0	0	2
	वेद, व्याकरण एवं दर्शनशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन	0	0	0	2
	पुराण एवं धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन	0	0	0	2
	वैज्ञानिक एवं नीतिशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन	0	0	0	2

बी.ए. (संस्कृत) प्रथम समसत्र

प्राचीन नाट्य एवं छन्द

S. No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 103**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • अभिमंचन कौशल का विकास। • सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास।	**अन्विति 1** प्राचीन नाट्य अभिज्ञानशाकुन्तलम्–1,2,4 अंक कालिदास **अन्विति 2** प्राचीन नाट्य अभिज्ञानशाकुन्तलम्–5,6 (प्रवेशक तक), 7 अंक कालिदास **अन्विति 3** निर्धारित नाटक के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न **अन्विति 4** छन्दोज्ञान (अभिज्ञानशाकुन्तलम् से लक्षणोदाहरण सहित) **अन्विति 5** नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास **निर्धारित पाठ्यपुस्तक :–** 1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कालिदास **संस्तुत पुस्तकें** (इतिहास व छन्दोज्ञान के लिए) :– 1. संस्कृत–साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय 2. संस्कृत–साहित्य की रूपरेखा – चन्द्रशेखर पाण्डेय व नानूराम व्यास 3. संस्कृत–साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ० रामजी	**संस्तुत पुस्तकें** 1. उपाध्याय, बलदेव, (1958), *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* वाराणसी, काशी हिन्दू विश्वविद्याल 2. पाण्डेय, चन्द्रशेखर, व्यास, नानूराम, (2014), *संस्कृत साहित्य की रूपरेखा,* कानपुर, साहित्य निकेतन 3. गैरोला, वाचस्पति, (1960), *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन व्यास, भोलाशंकर, (1965), *भारतीय साहित्य की रूपरेखा,* वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 4. शास्त्री नेमीचन्द, (1972), *महाकवि भास,* भोपाल, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी 5. कालिदास *अभिज्ञानशाकुन्तलम्,* व्या. बाबूराम त्रिपाठी, (1985) इलाहाबाद, रतन प्रकाशन मन्दिर 6. कालिदास, *अभिज्ञानशाकुन्तलम्, (व्या.)* द्विवेदी शिवबालक, द्विवेदी जयपुर, (2004) हंसा प्रकाशन, 7. कालिदास *अभिज्ञानशाकुन्तलम , (व्या.)* मालवीय	यथावत

			उपाध्याय 4. संस्कृत–साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – वाचस्पति गैरोला 5. भारतीय साहित्य की रूपरेखा – भोलाशंकर व्यास 6. संस्कृत–सुकवि समीक्षा – बलदेव उपाध्याय 7. महाकवि भास – डॉ० नेमीचन्द शास्त्री	सुधाकर, (2002), वाराणसी, कृष्णदास अकादमी **E-Resources-** *अभिज्ञानशाकुन्तलम्*– वसुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, *'अभिज्ञानशाकुन्तलम्'* • **https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485570/page/n1** • **रामदेव झा, शकुन्तला नाटक : एक अध्ययन** • **https://archive.org/details/ShakuntalaNatakEkAdhyayanACriticalStudyOfAbhigyanShakuntalamInMaithiliByDrRamdeoJha** • **नवकिशोरकार शास्त्री, 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्'** • **https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.325943/page/n1** • **Mawatagama pemananada, 'The Role Of Verse in Abhijnanasakuntala, Act-1** **https://www.jstor.org/stable/26264710?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=abhijnanasakuntala&searchUri=%2Faction**	

				• **Vinaya M. Kshirsagar, 'Use of Rituals-Motifs by Kalidasa'** https://www.jstor.org/stable/42936441?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=abhijnanasakuntala&searchUri=%2Faction • बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • निन्दी पुंज, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1	

आधुनिक नाट्य एवं व्याकरण

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 102**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • व्याकरणबोध से भाषा–संरचना को समझना। • शुद्धोच्चारण, पठन व अर्थावबोध सम्बन्धी कौशल का विकास करने के साथ–साथ विश्लेषण क्षमता का विकास हो सकेगा।	**प्रथम अन्विति** – आधुनिक नाट्य, आम्रपालीः डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्रा आधुनिक नाट्य – आम्रपाली : डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्रा **द्वितीय अन्विति**– निर्धारित नाट्य ग्रन्थ के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध एक प्रश्न या दो टिप्पणी **तृतीय अन्विति** –व्याकरण (लघु–सिद्धान्त–कौमुदी) संज्ञा प्रकरण **चतुर्थ अन्विति** –व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) अच् सन्धि प्रकरण **पंचम अन्विति** –व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) सन्धि प्रकरण से प्रयोग सिद्धि निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :– 1. आम्रपाली : डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्रा, वाणी	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. मिश्रा, मिथिलेश कुमारी (1989) *आम्रपालीः* पटना, वाणी वाटिका प्रकाशन. 2. मिश्रा, मिथिलेश कुमारी *आम्रपाली, (*व्या.)डोली जैन (2016), जयपुर, सरस्वती पब्लिकेशन। 3. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* व्या. महेशसिंह कुशवाहा भाग 1 व 2 (2010) वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन। 4. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* शास्त्रीधरानन्द (टीकाकार) 5. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* सदाशिव (सुधा व्याख्या) 6. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* झा रामचन्द्र (इन्दुमती व्याख्या) 7. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* व्या. कपिल देव	यथावत

			वाटिका प्रकाशन, पटना संस्तुत पुस्तकें (व्याकरण के लिए) :– 1.लघुसिद्धान्तकौमुदी–भैमी व्याख्या–श्री भीमसेन शास्त्री 2.लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री महेश सिंह कुशवाहा 3.लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री	द्विवेदी (2002) संस्कृत व्याकरण एवं लघुसिद्धान्तकौमुदी वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन **E-Resources** Sukumari Bhattacharji, 'Sanskrit Drama and the absence of tragedy' • https://www.jstor.org/stable/23334390?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=abhijnanasakuntala&searchUri=%2Faction • नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1 Nindi Punj, 'Glimpses of Indian heritage Varadaraja Raman V.' https://archive.org/details/GlimpsesOfIndianHeritageVaradarajaRamanV./page/n13	

द्वितीय समसत्र

आर्ष काव्य, निबन्ध एवं अनुवाद

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 101**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • राष्ट्रीय चेतना का विकास। • नैतिक मूल्यों का विकास। • व्याकरण के अन्तर्गत संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण का अवबोध। • रामायण एवं महाभारतकालीन भारतीय संस्कृति का ज्ञान।	अन्विति 1 रामायणम् (आदिकविः वाल्मीकिः) बालकाण्ड के प्रथम सर्ग के 1 से 100 तक श्लोक अन्विति 2 महाभारतम् (महर्षिः व्यासः) उद्योगपर्व का 131 वाँ अध्याय (विदुलोपाख्यान का प्रथम अध्याय) अन्विति 3 रामायण एवं महाभारत के प्रतिपाद्य सम्बन्धी प्रश्न अन्विति 4 निबन्ध अन्विति 5 अनुवाद **निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :–** 1. वाल्मीकि रामायण के बालकाण्ड का प्रथम सर्ग 2. विदुलोपाख्यानम् (133 वाँ अध्याय) प्रथम अध्याय **संस्तुत पुस्तकें :–** 1. मूल रामायणम् (वाल्मीकिः) व्या. श्रीकृष्ण मणि त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी 2. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी– तारणीश झा 3. अनुवादकर्ता–चारुदेव शास्त्री 4. संस्कृत निबन्ध कौमुदी–बाबूराम त्रिपाठी	**संस्तुत पुस्तकें :–** 1. उपाध्याय, बलदेव, (1958), *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* वाराणसी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय 2. पाण्डेय चन्द्रशेखर, व्यास, नानूराम,*(2014) संस्कृत साहित्य की रूपरेखा,* कानपुर, साहित्य निकेतन 3. उपाध्याय रामजी, (1972), *संस्कृत साहित्य की रूपरेखा,* इलाहाबाद कटरा रोड 4. गैरोला वाचस्पति, *(1960) संस्कृत साहित्य का इतिहास,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन 5. व्यास भोलाशंकर, (1965*),भारतीय साहित्य की रूपरेखा,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन 6. शास्त्री नेमीचन्द, (1972), *महाकवि भास,* भोपाल, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी **E-Resources** • बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5	यथावत

			5. संस्कृत व्याकरण, रचना और निबन्ध– रामजी उपाध्याय	• निन्दी पुंज, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1 • वासुदेव पोद्दार, 'रामायण–महाभारत (काल, इतिहास, सिद्धान्त)' https://archive.org/details/RamayanaMahabharatKalItihasSiddhantVasudevPoddar • साहित्य दर्पण, सत्यव्रत सिंह https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.326843	

पुराण, स्मृति साहित्य एवं व्याकरण

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 104**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • ज्ञान के व्यावहारिक प्रयोग की क्षमता का विकास । • संस्कृत व्याकरण प्रयोग की योग्यता का विकास। • साहित्यगत विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता का विकास।	अन्विति प्रथम– पुराण– श्रीमद्भागवतमहापुराण एकादश स्कन्ध का 23 वाँ अध्याय अन्विति द्वितीय– स्मृति– याज्ञवल्क्यस्मृतिः आचाराध्याय का छठा प्रकरण (स्नातक धर्म प्रकरण) अन्विति तृतीय– श्रीमद्भागवत महापुराण एवं याज्ञवल्क्य स्मृति से प्रतिपाद्य सम्बन्धी प्रश्न या टिप्पणियाँ अन्विति चतुर्थ– व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) हल्सन्धिप्रकरण अन्विति पंचम– व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी) विसग सन्धिप्रकरण	संस्तुत पुस्तकें– 1. शास्त्री, गोविन्द (1968), *श्रीमद्भागवत् महापुराणः* वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन. 2. शर्मा, कमलनयन (2004), *याज्ञवल्क्यस्मृति (*आचाराध्याय, स्नातकधर्मप्रकरण) जयपुर : जगदीश संस्कृत पुस्तकालय. उमेश चन्द्र पाण्डे, *'याज्ञवल्क्यस्मृतिः'* वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* ब्या. महेशसिंह कुशवाहा भाग 1 व 2 (2010) वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन। 3. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* ब्या. कपिल एवं द्विवेदी (2002)संस्कृत व्याकरण एवं लघुसिद्धान्तकौमुदी वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन	यथावत

			निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :– 1. श्रीमद्भागवतमहापुराणम्, एकादश स्कन्ध, 23 वाँ अध्याय 2. याज्ञवल्क्य स्मृतिः आचाराध्याय– स्नातक धर्म प्रकरण 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी– भैमी व्याख्या, श्री भीमसेन शास्त्री 4. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री महेशसिंह कुशवाहा 5. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री	*E – Resources--* https://archive.org/details/YajnavalkyaSmritiKashiSktGranthamala178HindiTikaUmeshChandraPandeyChowkhambaSanskritSansthan/page/n1 • Bhim Shanker Rai, 'Authenticity of the Yajnavalkyasmriti' https://www.jstor.org/stable/44144076?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=yajnavalkya&searchUri=%2Faction • Dharmendra Kumar, 'Leading System in Yajnavalkyasmriti' https://www.jstor.org/stable/44145453?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=yajnavalkya&searchUri=%2Faction	

तृतीय समसत्र

आधुनिक काव्य, व्याकरण एवं निबन्ध

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 202**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • काव्यसर्जना के सौन्दर्यबोध एवं भाव को जाग्रत कर मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास । • भाषा–शुद्धि एवं भाषण कौशल	अन्विति प्रथम– आधुनिक काव्य संग्रह–डॉ. श्रीमती वनमाला भवालकर – पाठ संख्या 1, 3 अन्विति द्वितीय– आधुनिक काव्य संग्रह–डॉ. श्रीमती वनमाला भवालकर – पाठ संख्या 1, 3 आधुनिक काव्य संग्रह–डॉ. श्रीमती वनमाला भवालकर – पाठ संख्या 5, 7 अन्विति तृतीय– प्रथम एवं द्वितीय अन्विति के निर्धारित अंश के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न अन्वितिचतुर्थ– व्याकरण–अजन्त शब्द लघु सिद्धान्तकौमुदी के नामिक प्रकरण से ही सूत्रों की व्याख्या एवं निम्नाकिंत शब्दों के रूपों की सिद्धि पूछी जायेगी – 1. अजन्त पुल्लिंग शब्द – राम, सर्व, हरि 2. अजन्त स्त्रीलिंग शब्द – रमा, मति 3. अजन्त नपुंसकलिंग शब्द – ज्ञान, दधि अन्विति पंचम– निबन्ध लघुनिबन्ध लगभग 20 पंक्तियों का एक संस्कृत–निबन्ध परोपकारः, सत्संगति,	संस्तुत पुस्तकें– 1. भवालकर, वनमाला, (1985), आधुनिक संस्कृत काव्यम्, इलाहबाद 2. कौर, परमजीत (1991), संस्कृत निबन्ध सुरभि, दिल्ली, ईस्टर्न बुक लिंकर्स। 3. द्विवेदी, कपिलदेव (1985), रचनानुवादकौमुदी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन। 4. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भीमसेन शास्त्री (2000), दिल्ली, भैमी प्रकाशन। **E-Resources** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास	यथावत

		की योग्यता का विकास।	उद्यम, विद्या, विचारात्मक अथवा विवरणात्मक विषयों पर पूछा जायेगा । निर्धारित पाठ्यपुस्तकें – 1. भवालकर, वनमाला, (1985), आधुनिक संस्कृतकाव्यम्, इलाहाबाद। बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास	https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1 • नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1 • कपिलदेव द्विवेदी, प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी https://archive.org/details/PrarambhikRachanaAnuvadKaumudiKDDwivedi1978_20180228 • कपिलदेव द्विवेदी, प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी https://archive.org/details/PraudhaRachanaAnuvadKaumudiKDDwivedi1955	

प्राचीन काव्य एवं अलंकार

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 204**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • काव्योचित भाव व कल्पना सौन्दर्य सम्बन्धी योग्यता का विकास। • अलंकारों को पहचानना। • मूल्यों का ज्ञान।	अन्विति प्रथम – किरातार्जुनीयम्' (भारवि) प्रथम सर्ग अन्विति ,द्वितीय– श्रीमद्भगवद्गीता (व्यास) 16 वाँ एवं 17 वाँ अध्याय। अन्विति तृतीय– किरातार्जुनीयम्' व श्रीमद्भगवद्गीता के निर्धारित अंश के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न अन्विति चतुर्थ – अलंकार लक्षणोदाहरण (काव्यदीपिका अष्टम शिखा) भेदोपभेदरहित निम्नांकित 20 अलंकार ही पाठयक्रम में निर्धारित हैं– अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, व्यतिरेक, सन्देह, भ्रान्तिमान, अर्थान्तरन्यास, अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति, समासोक्ति, विरोध, निदर्शना, तुल्ययोगिता। अन्विति पंचम– काव्य का इतिहास – रामायण, महाभारत, महाकाव्य, गीतिकाव्य, ऐतिहासिक काव्य पाठ्यपुस्तकें – पद्य किरातार्जुनीयम् – भारवि (प्रथम सर्ग मात्र) पपद्य श्रीमद्भगवद्गीता 16वाँ, 17वाँ अध्याय पपपद्य काव्यदीपिका – अष्टमशिखा कान्ति चन्द्रभट्टाचार्य द्वारा संकलित अलंकारों के लक्षणोदाहरण।	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. उपाध्याय बलदेव, (1958), *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* 1958, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 3. पाण्डेय, चन्द्रशेखर, व्यास, नानूराम, *संस्कृत साहित्य की रूपरेखा,* कानपुर, साहित्य निकेतन 4. उपाध्याय, रामजी, (1972), *संस्कृत साहित्य की रूपरेखा,* इलाहाबाद किताब महल 5. गैरोला वाचस्पति, (1960), *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन 6. व्यास, भोलाशंकर, (1965), *भारतीय साहित्य की रूपरेखा,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 7. शास्त्री नेमिचन्द, (1972) *महाकवि भास,* भोपाल हिन्दी ग्रन्थ अकादमी E- Sources- बलदेव उपाध्याय, *संस्कृत साहित्य का इतिहास*	यथावत

			पअद्ध संस्कृत साहित्य का इतिहास – प्रथम व द्वितीय समसत्र में निर्धारित पुस्तकें।	https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1	

चतुर्थ समसत्र

आधुनिक गद्य साहित्य एवं व्याकरण

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 201**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • गद्यशैली में सौन्दर्यबोध की मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास। • 2. साहित्यबोध एवं व्यावहारिक प्रयोग की योग्यता का विकास।	**अन्विति :** (i) उपन्यास साहित्य – द्वा सुपर्णा – पूर्वार्द्ध (ii) उपन्यास साहित्य – द्वा सुपर्णा – उत्तरार्द्ध (iii) निर्धारित उपन्यास के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न (iv) **व्याकरण – हलन्त शब्द** लघु सिद्धान्तकौमुदी के नामिक प्रकरण से ही सूत्रों की व्याख्या एवं निम्नाकिंत शब्दों के रूपों की सिद्धि पूछी जायेगी – 1. हलन्त पुल्लिंग शब्द – युष्मद्, अस्मद् 2. हलन्त स्त्रीलिंग शब्द – अप् 3. हलन्त नपुंसकलिंग शब्द – अहन् (v) **व्याकरण – सर्वनाम शब्द** इदम्, यद्, एतद्, अदस्, भवत्, एक, द्वि, त्रि, चतुर् – शब्दों के सभी लिंगों की रूप सिद्धि व सूत्र व्याख्या **निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :–** द्वा सुपर्णा – रामजी उपाध्याय **संस्तुत पुस्तकें :–** व्याकरण व रचना के लिए पुस्तकें पूर्व परीक्षाओं के पाठ्यक्रम की भॉति	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. उपाध्याय, रामजी, (2010), *द्वासुपर्णा,* वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन। 2. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* भीमसेन शास्त्री, (2000), *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* दिल्ली, भैमी प्रकाशन। **E-Resources** नरेन्द्रशर्मा, *'लघुसिद्धान्त कौमुदी'* https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1 • Nindi Punj, 'Glimpses of Indian heritage Varadaraja Raman V.' https://archive.org/details/GlimpsesOfIndianHeritageVaradarajaRamanV./page/n13	यथावत्

प्राचीन गद्य, चम्पू एवं अनुवाद

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 203**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • शुद्ध लेखन एवं पठन कौशल का विकास। • ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अवबोध।	**अन्विति :** (i) प्राचीन गद्य, शुकनासोपदेश बाणभट्ट (ii) चम्पूसाहित्य चम्पूभारतम् अनन्त भट्ट (प्रथम स्तवक, कथारम्भ – या खलुपुरा' से पाण्डव सौन्दर्य वर्णन – सोऽपि किं पंचधाऽभूत् तक) (iii) शुकनासोपदेश व चम्पूभारतम् के निर्धारित अंश के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न (iv) संस्कृत गद्य, चम्पू व कथा साहित्य का इतिहास। (v) अनुवाद (i) हिन्दी से संस्कृत में। (ii) संस्कृत से हिन्दी में। **संस्तुत पुस्तकें :–** (i) शुकनासोपदेश (बाणभट्ट) (ii) चम्पूभारतम् (अनन्त भट्ट) (iii) रचनानुवाद कौमुदी – तारिणीश झा	संस्तुत पुस्तके– बाणभट्ट, शुकनासोपदेश, व्या. पंत मोहनदेव, (2015), दिल्ली, मोतीलाल महर्षि बनारसी दास। अनन्त,भट्ट, व्या. नाराधण सूरी, बाजीराव श्रीखण्ड़, (1915), बाम्बे दी गुजराती प्रिटिंग प्रेस। E- Resources- नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1 • , 'Glimpses of Indian heritage Varadaraja Raman V.' https://archive.org/details/GlimpsesOfIndianHeritageVaradarajaRamanV./page/n13 • बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • निन्दी पुंज, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1	यथावत्

पंचम समसत्र

वैदिक साहित्य एवं निबन्ध

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 303**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • वैदिक छन्दों का ज्ञान। • ऋग्वैदिक सूक्तों का अवबोध ।	अन्विति प्रथम– वैदिक साहित्य – ऋग्वेद के निम्नांकित सूक्त पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं – वरूण सूक्त 1.25, सूर्य सूक्त 1.115, विष्णु सूक्त 1.154 अन्विति द्वितीय– ऋग्वेद के निम्नांकित सूक्त पाठ्यक्रम में निर्धारित है – इन्द्र सूक्त 2.12, उषस् सूक्त 3.61, हिरण्यगर्भ सूक्त 10.121 अन्विति तृतीय– देवताओं के स्वरूप एवं सूक्त के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न अन्विति चतुर्थ–वैदिक साहित्य के इतिहास की रूप रेखा वेद संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् व वेदांगों के सम्बन्ध में सामान्य परिचयात्मक प्रश्न अन्विति पंचम– निबन्ध– संस्कृत भाषा,	**संस्तुत पुस्तकें –** 1. उपाध्याय बलदेव, (1998), *वैदिक साहित्य और वाराणसी,* संस्कृति शारदा संस्थान, पाण्डेय, देवेन्द्र नाथ, (2006), *वैदिक सूक्त संग्रह,* जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय। 2. त्रिवेदी. रामगोविन्द, (1968) *वैदिक साहित्य का इतिहास,* वाराणसी 3. द्विवेदी कपिल देव (2008) *'निबंधशतकम्, वाराणसी,* विश्वविद्यालय प्रकाशन 4. मैक्समूलर (1966) *ऋग्वेद संहिता सायण भाष्य सहित* वाराणसी चौखम्बा 5. शास्त्री हरिदत्त, कुमार कृष्ण 1988, *त्रक्सूक्तसंग्रह* मेरठ साहित्य भण्डार E- Resources- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.3	यथावत्

			भारतीय–संस्कृति, भारतीय–समाज में नारी, प्रिय कवि आदि सामान्य विवेचनात्मक विषयों पर एक निबन्ध लगभग तीन सौ शब्दों में निर्धारित पाठ्यपुस्तकें : 1. ऋग्वेद–सौरभ : मूलचन्द्र शर्मा अथवा वैदिक व्याख्या–विवेचन रामगोपाल अथवा वेदचयनम्–विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी **संस्तुत पुस्तकें :** 1. वैदिक साहित्य – रामगोविन्द शुक्ल 2. वैदिक और वेदांग साहित्य की रूपरेखा – रामेश्वर प्रसाद सिंह 3. वैदिक वाङ्मय का इतिहास – रमाकान्त शास्त्री 4. वैदिक साहित्य की रूपरेखा – हंसराज अग्रवाल 5. वैदिक साहित्य का इतिहास – राममूर्ति शर्मा 6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – बलदेव उपाध्याय 7. वैदिक साहित्य का इतिहास – कृष्णलाल 8. वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी 9. वैदिक साहित्य का इतिहास – कर्णसिंह 10. संस्कृत निबन्ध शतकम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी	27677/page/n5 • संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1 • बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816	

विषयाधारित चयनित अध्ययन –1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		पाठ्क्रम के निर्गम पाठ्याधारित चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		पाठ्याधारित चयनित अध्ययन – 1	पाठ्याधारित चयनित समुह की सूची षष्ठ समसत्र के बाद दी गई है।

षष्ठ समसत्र

वैदिक साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं अनुवाद

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 304**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों की ज्ञानसम्पदा से मौलिक चिन्तन एवं व्यावहारिक प्रयोग की क्षमता का विकास। • सांस्कृतिक मूल्यों का विकास।	**अन्विति 1.** वैदिक साहित्य – ब्राह्मण एवं आरण्यक ऐतरेय ब्राह्मण 33.3, शतपथ ब्राह्मण 1.8.1 (1 से 11 कण्डिका तक), तैत्तिरीय आरण्यक 2.10 व 6.63 **अन्विति 2.** बृहदारण्यकोपनिषद् 2.4, 3.8 छान्दोग्योपनिषद् 5.1 **अन्विति 3.** ब्राह्मण, आरण्यक व उपनिषद् के पाठ्यांशों के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न **अन्विति 4.** संस्कृति और सभ्यता का तात्पर्य, संस्कृति और सभ्यता में अन्तर, भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ :वर्णाश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ चतुष्टय, संस्कार **अन्विति 5.** अनुवाद (i) हिन्दी से संस्कृत में (ii) संस्कृत से हिन्दी में **निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :** 1. ऐतरेय ब्राह्मण 2. शतपथ ब्राह्मण 3. तैत्तिरीय ब्राह्मण	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. आप्टे, गणेश विनायक (1931) *ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ रत्नावली* पूना, आनन्दाश्रम । 2. शास्त्री, ए. चिन्नस्वामी (2013) *शतपथ ब्राह्मण* , वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय। 3. शास्त्री, नारायण (1935) *तैत्तिरीय ब्राह्मण* पूना आनन्दाश्रम । 4. झा तारिणीश (1985) *संस्कृतरचनानुवादकौमुदी*, लखनऊ। 5. सिंह जालिम, बाबूराम बहादुर (2010) *छान्दोग्योपनिषद्,* वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, 6. *बृहदारण्यकोपनिषद्* (1985) गोरखपुर गीताप्रेस। 7. *तैत्तिरीय आरण्यक* फड़के 'बाबा शास्त्री' पूना आनन्दाश्रम । 8. ऐतरेय महीदास (2006) *सायण भाष्य सहित ऐतरेय ब्राह्मण,* तरा पब्लिकेशन, वाराणसी। 9. *तैत्तिरीयारण्यकम्,* पाठक जमुना (2017), वाराणसी, आयुर्वैदिक पब्लिकेशन । 10. आप्टे, गणेश विनायक (1931) *ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ रत्नावली* पूना *आनन्दाश्रम* । 11. शास्त्री, ए. चिन्नस्वामी (2013) *शतपथ ब्राह्मण* , वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय। 12. शास्त्री, नारायण (1935) *तैत्तिरीय, ब्राह्मण* पूना, आनन्दाश्रम ।	यथावत्

			4. बृहदारण्यकोपनिषद् 5. छान्दोग्योपनिषद् **संस्कृत पुस्तकें :** 1. भारतीय संस्कृति – शिवदत्त ज्ञानी 2. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व – सत्यनारायण पाण्डेय 3. भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति – पी. के. आचार्य 4. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी – तारिणीश झा (47 से 66 अभ्यास तक अनुवाद के लिए)	13. झा, तारिणीश (1985) संस्कृतरचनानुवादकौमुदी, लखनऊ। 14. थ्संह, जालिम, बाबूराम, बहादुर (2010) *छान्दोग्योपनिषद्*, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, 15. *बृहदारण्यकोपनिषद्* (1985) गोरखपुर, गीताप्रेस। 16. *तैत्तिरीय, आरण्यक* फड़के 'बाबा शास्त्री' पूना, आनन्दाश्रम । 17. ऐतरेय महीदास (2006) *सायण भाष्य सहित ऐतरेय ब्राह्मण*, तरा पब्लिकेशन, वाराणसी। 18. *तैत्तिरीयारण्यकम्*, जमुना पाठक (2017), वाराणसी, आयुर्वैदिक पब्लिकेशन। *E- Resources-* • राम शर्मा आचार्य, 108 उपनिषद् https://archive.org/details/HindiBook108UpanishadsPart1brahmaVidyaKhanadaPt.ShriramSharmaAcharya • राजवीर शास्त्री, उपनिषद भाष्य https://archive.org/details/UpanishadBhasya • बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • , संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1	

विषयाधारित चयनित अध्ययन –2

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		पाठ्क्रम के निर्गम पाठ्याधारित चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		पाठ्याधारित चयनित अध्ययन – 2	पाठ्याधारित चयनित समुह की सूची षष्ठ समसत्र के बाद दी गई है।

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह सूची

शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण, भाग–1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 301**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • शुद्ध उच्चारण व पठन की योग्यता का विकास । • राजनैतिक मूल्यों एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी चेतना का विकास। • रचना कौशल का विकास।	अन्विति 1. ~~अर्थशास्त्र–कौटिल्य (1–4 प्रकरण में 1 से 8 अध्याय तक अर्थात् 'विद्यासमुद्देशः' से 'अमात्यों की नियुक्ति' तक)~~ अन्विति 2. आयुर्वेदशास्त्र–कौमारभृत्यम् (अष्टम अध्याय) दन्तोद्भेद– प्रकरण अन्विति 3. प्रथम एवं द्वितीय अन्वितियों के निर्धारित अंश के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न अन्विति 4. व्याकरण –लघुसिद्धान्त कौमुदी भ्वादिगण–भू धातु अन्विति 5. व्याकरण –लघुसिद्धान्त कौमुदी भ्वादिगण–एध् धातु **निर्धारित पुस्तकें:–** 1. अर्थशास्त्र–कौटिल्य 2. कौमारभृत्यम् (डॉ. रघुवीर प्रसाद त्रिवेदी) 3. लघुसिद्धान्त कौमुदी (वरदराज)	**अन्विति 1. शुक्रनीति (प्रथम अध्याय–श्लोक संख्या 1–60 तक** अन्विति 2. आयुर्वेदशास्त्र–कौमारभृत्यम् (अष्टम अध्याय) दन्तोद्भेद– प्रकरण अन्विति 3. प्रथम एवं द्वितीय अन्वितियों के निर्धारित अंश के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न अन्विति 4. व्याकरण –लघुसिद्धान्त कौमुदी भ्वादिगण–भू धातु अन्विति 5. व्याकरण –लघुसिद्धान्त कौमुदी भ्वादिगण–एध् धातु **संस्तुत पुस्तकें–** 1. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी* व्या. भाटिया कान्ता, (2017), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन। 2. शुक्राचार्य, *शुक्रनीति* (व्या.) जगदीश चन्द्र मिश्र, (2019), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 3. शुक्राचार्य, *शुक्रनीति,* (व्या.) श्री ब्रह्मशंकर मिश्र, (1999) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान 4. त्रिवेदी, रघुवीर प्रसाद (2000), *कौमारभृत्यम्,* वाराणसी,	

				चौखम्बा संस्कृत संस्थान 5. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी* व्या. भीमसेन शास्त्री (2007), दिल्ली, भैमी प्रकाशन 6. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी* व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2010) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय E- Resources- नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1 • , 'Glimpses of Indian heritage Varadaraja Raman V.' https://archive.org/details/GlimpsesOfIndianHeritageVaradarajaRamanV./page/n13 • **पी.वी.काणे, 'धर्मशास्त्र का इतिहास'** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.496396/page/n5 • **लघुसिद्धान्त कौमुदी–** भीमसेन शास्त्री, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' *https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485702/page/n1*	

शास्त्र साहित्य एवं व्याकरण, भाग–2

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 302**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • भाषा–संरचना को समझना एवं शुद्ध उच्चारण, पठन व अर्थावबोध सम्बन्धी कौशल का परिष्कार। • व्याकरण का मौखिक एवं लेखन अभिव्यक्ति में प्रयोग। • काव्यशास्त्र एवं नाटयशास्त्रीय तत्वों का बोध एवं उनके अनुप्रयोग की क्षमता का विकास।	**अन्विति प्रथम–** काव्यशास्त्र–काव्यादर्श : दण्डी (प्रथम परिच्छेद–प्रारम्भ से 51वीं कारिका तक) **अन्विति द्वितीय–** नाट्यशास्त्र– काव्यदीपिकाः कान्तिचन्द्र विद्यारत्न (चतुर्थ शिखा मात्र–दृश्यश्रव्यत्वभेदेन काव्यप्रभेदनम्) **अन्विति तृतीय–** प्रथम एवं द्वितीय अन्वितियों के निर्धारित अंश के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध दो प्रश्न **अन्विति चतुर्थ–** व्याकरण (आख्यात प्रकरण) – लघुसिद्धान्तकौमुदी अदादिगण – अद् धातु जुहोत्यादिगण – हु धातु दिवादिगण – दिव्, धातु स्वादिगण – षुञ् धातु तुदादिगण – तुद् धातु **अन्विति पंचम–** व्याकरण (आख्यात प्रकरण) – लघुसिद्धान्तकौमुदी रुधादिगण – रुध् धातु तनादिगण – तन् धातु क्र्यादिगण – क्री धातु चुरादिगण – चुर् धातु **निर्धारित पुस्तकें**	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. दण्डी, *काव्यादर्श,* व्या. शास्त्री रंगाचार्य रेड्डी, (1938) पूना, भण्डारकर आरिएन्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट 2. दण्डी, *काव्यादर्श,* व्या. श्रीरामचन्द्र मिश्र (2000), वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 3. भट्टाचार्य, कान्तिचन्द्र, *काव्यदीपिका,* (2008), परमेश्वरानन्द शर्मा , नई दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास। 4. भट्टाचार्य, कान्तिचन्द्र, *काव्यदीपिका,* व्या. श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, (2011), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 4. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* व्या. भीमसेन शास्त्री (2007), दिल्ली, भैमी प्रकाशन 5. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी,* व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2010) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय 6. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी* व्या. कान्ता भाटिया, (2017), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन E-Resources- नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी	यथावत्

			1. काव्यादर्श : दण्डी 2. काव्यदीपिकाः कान्तिचन्द्र विद्यारत्न 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज)	https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1 • 'Glimpses of Indian heritage Varadaraja Raman V.' https://archive.org/details/GlimpsesOfIndianHeritageVaradarajaRamanV./page/n13 • बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1 • **लघुसिद्धान्त कौमुदी–** भीमसेन शास्त्री, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' *https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485702/page/n1*	

भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS**	• दार्शनिक चिन्तन की मूलभूत अवधारणाओं सम्बन्धी समझ का विकास। • आध्यात्मिक चिन्तन में प्रवृत्ति का विकास। • तार्किक विश्लेषण की क्षमता में वृद्धि।		**प्रथम** – दर्शन का अर्थ एवं विशेषतायें • दर्शन का योगदान **द्वितीय** – प्रस्थानत्रयी का स्वरूप– • उपनिषद् साहित्य का सामान्य परिचय **तृतीय** – ब्रह्मसूत्र एवं श्रीमद्भगवद्गीता • ब्रह्मसूत्र का सामान्य परिचय • श्रीमद्भगवद्गीता का सामान्य परिचय **चतुर्थ** – तर्क संग्रह **पञ्चम** – प्रतिपाद्य अंश से सम्बद्ध प्रश्न **संस्तुत पुस्तकें–** • अन्नम्भट्ट, तर्कसंग्रह, व्या. दयानन्द भार्गव (1971) दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास। • दासगुप्त, सुरेन्द्र नाथ, (2011) भारतीय दर्शन का इतिहास जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।	

				• मिश्र, उमेश, (1975) भारतीय दर्शन, लखनऊ, उत्तरप्रदेश, संस्कृत संस्थान। • अन्नम्भट्ट, तर्कसंग्रह, व्या. डा. नरेन्द्र कुमार शर्मा, (2011), जयपुर, हंसा प्रकाशन। • त्रिपाठी, आचार्य केदारनाथ, (1985) तर्कसंग्रह, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास। • ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्, व्या. स्वामी श्रीहनुमानदासजी षट्शास्त्री (2010), वाराणसी, चौखम्भा विद्याभवन। • ऋषि, उमाशंकर, (2016), सर्वदर्शनसंग्रह, वाराणसी, चौखम्बा, विद्याभवन।	

प्राचीन भारतीय संस्थाएँ

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 602**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • सम्बन्धित संस्थाओं के स्वरूप एवं उनकी गतिविधियों का बोध। • सांस्कृतिक समन्वय एवं आध्यात्मिकता का विकास ।		**प्रथम अन्विति** –सामाजिक संस्थाएँ - प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था, वर्णाश्रमव्यवस्था, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति, विवाह, षोडश–संस्कारादि। **द्वितीय अन्विति** राजनैतिक संस्थाएँ - प्राचीन भारतीय राजसत्ता, राजतंत्र, राज्य के आय स्रोत, शासन पद्धति, सम्पत्तिविभाजन, राज्य के सप्ताङ्ग आदि। **तृतीय अन्विति** आर्थिक संस्थाएँ - प्राचीन भारतीय अर्थ–व्यवस्था के प्रमुख पक्ष। **चतुर्थ अन्विति** न्यायिक संस्थाएँ - प्राचीन भारतीय न्याय–व्यवस्था। **पंचम अन्विति** शैक्षिक संस्थाएँ - शिक्षा स्वरूप, व्यवस्था, संस्थान, शिक्षक, शिक्षार्थी, स्त्री शिक्षा, प्राचीन भारतीय साहित्य के काल निर्धारण की समस्याएँ और उनके समाधान **संस्तुत पुस्तकें –** 1. वर्मा रामचन्द्र *मनुस्मृति* (2000) नई दिल्ली विद्या विहार। 2. कौटिल्य, *कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्* (व्या॰) वाचस्पति गैरोला, (2009) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवनं 3. History of Dharamsastra, P.V. Kane 4. Indian Polity, K.P. Jayaswal 5. Political Institution in Ancient India, R.S. Sharma	

				6. Slavery in Ancient India, D.R. Chanana 7. Judicial Studies in Ancient India Law, Ludwig Slernbach 8. Chronology of India – C.M. Dutt 9. Ancient Indian Chronology, Sengupta 10. Chronology of India, Mankad **E-Resources** *भारतीय जीवन और संस्कृति,* नरेन्द्र शर्मा https://archive.org/details/BhartiyaJivanAurSanskriti	

आयुर्वेद एवं वनस्पति विज्ञान

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS**	• आयुर्वेद में निहित औषधीय ज्ञान से परिचय। • स्वास्थ्य के प्रति चेतना में वृद्धि। • वृक्षचिकित्सा की विविध प्रविधियों का ज्ञान।		**अन्विति प्रथम** – आयुर्वेद का संक्षिप्त इतिहास आयुर्वेद परिच्छेदः आचार्य परिच्छेदः **द्वितीय अन्विति**– काश्यप संहिता– सूत्र स्थानम् लेहाध्यायः **तृतीय अन्विति** – वृक्षायुर्वेद का संक्षिप्त इतिहास **चतुर्थ अन्विति**– वृक्षायुर्वेद–सुरपाल पद्य 35 से 292 तक वृक्षारोपण हेतु भूमि चयन, वृक्षारोपण विधि, सिंचन विधि, रोग, एवं उपचार। **पंचम अन्विति**– काश्यप संहिता एवं वृक्षायुर्वेद के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध दो प्रश्न। **संस्तुत पुस्तकें–** • आयुर्वेद महाकोशः अर्थात् आयुर्वेदीय शब्दकोशः संस्कृत – संस्कृत द्वितीयः खण्डः जय कृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला (संख्या–1) • आचार्य प्रियव्रत शर्मा, (1975) चौखम्भा ओरियन्टालिया वाराणसी। • आयुर्वेद का बृहत् इतिहास (हिन्दी समिति ग्रन्थमाला –33) अत्रिदेव	

				विद्यालंकार प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग उत्तरप्रदेश। • *संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद* – सम्पादक– डॉ. मोनिका एवं डॉ. दीपमाला गहलोत (2018) जोधपुर • , शर्मा हेमराज *(काश्यप संहिता वृद्धाजीवकीयं तन्त्रं वा)* (काशी संस्कृत ग्रन्थमाला) 154 विद्योतिनि हिन्दी व्याख्या) राजस्थानी ग्रंथागार • गर्ग गोपाल शरण *वनौषधि रत्नाकर* (चतुर्थ भाग) • काश्यप संहिता (वृद्धजीवकीयं तन्त्रम वा) • मिश्र योगेश चन्द्र काश*यप संहिता का सांस्कृतिक मूल्यांकन* (कृष्णदास आयुर्वेद सीरीज) चौखम्भ कृष्णदास अकादमी वाराणसी संस्करण 2001 • जुगनू, डॉ. श्रीकृष्ण, (2010), *वृक्षायुर्वेदः* सुरपालमुखी, वाराणसी, चौखम्भा संस्कृत सीरीज। E-Resources- • Aayurveda https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.170332/page/n5 • Aayurveda Siksha https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.64073/page/n19	

वैदिक शिक्षा साहित्य

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		• वैदिक वाङ्मय में शुद्धोच्चारण की कुशलता का विकास। • वैदिक शिक्षा साहित्य एवं उसकी उपयोगिता की समझ का विकास।		**प्रथम अन्विति** –वैदिक शिक्षा साहित्य का सामान्य परिचय **द्वितीय अन्विति**–पाणिनीय शिक्षा **तृतीय अन्विति**– याज्ञल्क्य शिक्षा (वर्णप्रकरण) **चतुर्थ अन्विति**–याज्ञल्क्य शिक्षा– वर्णोच्चार विधि, पदाधिकार **पंचम अन्विति**– सम्बन्धित प्रश्न **संस्तुत पुस्तकें–** • झा, नरेश, (2014), याज्ञवल्क्यशिक्षा, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन। • पाणिनी, व्या. द्विजेन्द्रनाथ मिश्र, (2011), पाणिनीयशिक्षा, जयपुर, हंसा प्रकाशन। • विक्रमजीत, (2014), वर्णोच्चारण शिक्षाशास्त्र, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी। • त्रिपाठी रामप्रसाद, (1989), शिक्षासंग्रह, वाराणसी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत	

				विश्व विद्यालय। E-Resources- • Siksha sangrah https://archive.org/details/shikshasamgraha • Paniniya Siksha https://sanskritdocuments.org/doc_z_misc_major_works/pANinIyashikShA.pdf • Sanskrit Sahitya ka Itihaas https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677	

एम. ए. प्रथम समसत्र

भारतीय दर्शन, भाग – 1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 401**	1 पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। . दार्शनिक बोधपूर्वक मौलिक चिन्तन की क्षमता उत्पन्न होगी। • भारतीय दर्शन का बोध।	प्रथम खण्ड : सांख्यकारिका; (ईश्वरङ्कष्ण) – (व्याख्या) (v) 1 से 35वीं कारिका पर्यन्त (c) 36वीं कारिका से ग्रन्थ समाप्तिपर्यन्त द्वितीय खण्ड : अर्थसंग्रह; (लौगाक्षिभास्कर) – (व्याख्या) (v) उपोद्घात से परिसंख्या विधि पर्यन्त। (c) नामधेय से अर्थवाद तक। तृतीय खण्ड : (v) सांख्यकारिका से समीक्षात्मक प्रश्न (c) अर्थसंग्रह से समीक्षात्मक प्रश्न सहायक पुस्तकें :– 1. सांख्ययोगदर्शन – उमेश मिश्र 2. सांख्यकारिकाः (युक्ति दीपिका सहित) – रमाशंकर त्रिपाठी 3. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय 4. भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र 5. भारतीय दर्शन – नन्दकिशोर देवराज 6. Introduction to Indian Philosophy :	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. ईश्वरकृष्ण, *सांख्यकारिका,* व्या. विमला कर्णाटक, (1997), दिल्ली, चौखम्बा ओरियन्टालिक केन्द्र। 2. ईश्वरकृष्ण, *सांख्यकारिका,* थानेशचन्द्र उप्रेती, (1990), वाराणसी, चौखम्बा, संस्कृत, प्रतिष्ठान। 3. मिश्र, वाचस्पति, *सांख्यतत्त्वकौमुदी,* गजानन शास्त्री, (1998), वाराणसी, चौखम्बा, संस्कृत संस्थान। 4. भास्कर, लौंगाक्षी, मिश्र, *अर्थसंग्रह,* कामरेश्वरनाथ, (1979), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन। 5. उपाध्याय, बलदेव, (1960), *भारतीय दर्शन,* वाराणसी। 6. मिश्र, उमेश, (1964), *भारतीय दर्शन,* उत्तरप्रदेश। 1. हिरियन्ना एम. (1973), *भारतीय दर्शन की रूपरेखा,* दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। 2. गुप्त, सुरेन्द्रनाथ दास, (1989), *भारतीय दर्शन का इतिहास,* जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।	

			Dutta and Chatterjee 7. भारतीय दर्शन की रूपरेखा – एम. हिरियन्ना – अनुवा. गोवर्धन भट्ट 8. दर्शनशास्त्रस्येतिहासः – शशिबाला गाड़ 9. अर्थसंग्रहः ;श्री लौगाक्षिभास्करद्ध – सम्पा. एवं व्याख्याकार – प्रो. वाचस्पति उपाध्याय 10. अर्थसंग्रहः (श्री लौगाक्षिभास्कर) – सम्पा. एवं व्याख्याकार – डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा 11. The Arthsangrah of Laugakshibhaskar - Edited - A.B. Gajendragadkar & R.D. Karmarkar. 12. सांख्यकारिका – ब्रजमोहन चतुर्वेदी 13. सांख्यतत्त्वकामुदी – ओम प्रकाश पाण्डेय 14. मीमांसा दर्शन – दुर्गाधर झा	E-Resources नन्द किशोर देवराज– *भारतीय दर्शन(ऐतिहासिक और समीक्षात्मक विवेचन)* https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273682/page/n1 एन.के.देवराज– *भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास* https://archive.org/details/Bhartiya.Darshan.Sastra.Ka.Itihas_201801 प. रामस्वरुप, 'वेदान्तसारः' https://archive.org/details/VedantasaraOfSadanandaHindiTikaRamSwarupSharmaVenkateswaraSteamPress1900 S. Radhakrishnan, 'the vedanta philosophy and the doctrine of maya' https://www.jstor.org/stable/2376777?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=upanishad&searchUri=% • वाचस्पति मिश्र, 'सांख्यकारिका' https://archive.org/details/sankhyakarika_1931	

				• p.chenna reddy, 'kundakundacharya and his contribution to jain philosophy' https://www.jstor.org/stable/44144074?seq=1#page_scan_tab_contents • Y. Krishan, ' Nitya and naimittika karmas in the purva mimamsa' • https://www.jstor.org/stable/41694413?seq=1#page_scan_tab_contentsJ. L. Shaw, 'conditions for understanding the meaning of a sentence: the nyaya and the advaita vedanta' https://www.jstor.org/stable/23493454?seq=1/subjects. • Krishna S. Arjunwadkar, 'A rational approach to vedanta' https://www.jstor.org/stable/41702172?seq=1/subjects	

भाषा शास्त्र एवं व्याकरण

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 403**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • व्याकरण बोध से शुद्ध उच्चारण–अर्थावबोध सम्बन्धी कौशल अर्जित करना। • संस्कृत साहित्य को सुगमतापूर्वक समझने की योग्यता का विकास। • पद–संरचना सम्बन्धी सूक्ष्मताओं का ज्ञान।	प्रथम खण्ड : भाषाशास्त्र भाषा की उत्पत्ति, भाषा की प्रकृति, भाषाओं का वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषायें। द्वितीय खण्ड : उच्चारण संस्थान, ध्वनियाँ – स्वर एवं व्यंजन ध्वनि वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, ध्वनि–नियम एवं अर्थविज्ञान तृतीय खण्ड : व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रक्रिया भाग सोदाहरणसूत्रों की व्याख्या एवं प्रयोगसिद्धि (v) णिजन्तप्रक्रिया से कण्ड्वादि तक (c) आत्मनेपद प्रक्रिया से लकारार्थ प्रक्रिया तक सहायक पुस्तकें :– 1. तुलनात्मक भाषा विज्ञान – मंगलदेव शास्त्री 2. भाषा–विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी 3. वाग्विज्ञान – सीताराम चतुर्वेदी 4. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्रनाथ शास्त्री 5. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं रचनात्मक परिचय – देवीदत्त 6. संस्कृतभाषाविज्ञानम् – रामाधीन चतुर्वेदी 7. भाषाविज्ञान – डॉ. कर्णसिंह 8. Sanskrit Language- T. Burrow 9. Linguistic Introduction to Comparative Philosophy - P. D. Gune	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. शास्त्री, मंगलदेव (1962), *तुलनात्मक भाषा विज्ञान*, प्रयाग, इण्डियन प्रेस 2. तिवारी, भोलानाथ (1967) *भाषा विज्ञान*, इलाहाबाद, किताब महल, 3. पाण्डेय, लक्ष्मीकांत (1988) *भाषा विज्ञान*, कानपुर, ग्रन्थम प्रकाशन, 4 मैक्समूलर (1978) *भाषा विज्ञान*, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 5 वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी*, व्या. भीमसेन शास्त्री (2007), दिल्ली, भैमी प्रकाशन 6 वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी*, व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2010) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय 7. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी* व्या. कान्ता भाटिया, (2017), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन *E- Resources-*	यथावत्

			10. Linguistic Introdution to Sanskrit - B. K. Ghosh 11. Elements of the Science of Language - I. J. S. Tara Porwala 12. भाषा विज्ञान – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी 13. लघुसिद्धान्तकामुदी–भैमी व्याख्या भाग–2 – भीमसेन शास्त्री 14. लघुसिद्धान्तकामुदी भाग–1–2 – महेश सिंह कुशवाहा	• *भोलानाथ तिवारी, 'भाषाविज्ञान'* https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.442347/page/n1 • रामेश्वर दयाल अग्रवाल, ' भाषाविज्ञान के सिद्धान्त' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.307727/page/n1 • युधिष्ठिर मीमांसक. 'संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास' भाग–1 https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.402475 भाग–2 https://archive.org/details/SanskritVyakaranShastraKaIthasPartII Yudhishthir Mimansak भाग–3 https://archive.org/details/SanskritVyakaranShastraKaIthasPartIIIYudhishthir Mimansak_201806	

धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं वैज्ञानिक शास्त्र

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 404**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • संस्कृत शास्त्रों के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त कर मौलिक चिन्तन एवं प्रयोग की क्षमता का विकास। • शारीरिक एवं मानसिक विकास।स्वास्थ्य के प्रति चेतनात्मक दृष्टि।	प्रथम खण्ड : धर्मशास्त्र (अ) मनुस्मृति (7वाँ अध्याय 1 से 100 श्लोक) दो व्याख्या या एक प्रश्न (ब) धर्मशास्त्र का इतिहास – दो प्रश्न द्वितीय खण्ड : अर्थशास्त्र एवं नीतिशास्त्र का इतिहास (अ) अर्थशास्त्र ;काटिल्य 1–4 प्रकरण में 2–8 अध्याय विद्यासमुद्देशः से अमात्यों की नियुक्ति प्रकरण–दो व्याख्या या एक प्रश्न (ब) नीतिशास्त्र का इतिहास–दो प्रश्न तृतीय खण्ड : वैज्ञानिक शास्त्र (क) आयुर्वेदशास्त्र ;चरकसंहिता–सूत्रस्थानदीर्घाञ्जीविताध्याय ;श्लोक 41 से 67 तक – दो व्याख्या या एक प्रश्न (ख) गणित शास्त्र का सामान्य परिचय – एक प्रश्न (ग) ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय – एक प्रश्न **संस्तुत पुस्तकें–** 1. मनुस्मृति 2. अर्थशास्त्र ;काटिल्य	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. मनु, *मनुस्मृति* व्या. गजानन शास्त्री, मुसलगँवकर वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 1. कौटिल्य, *अर्थशास्त्र* व्या. वाचस्पति गैरोला, (2009) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 2. चरक, *चरक संहिता* व्या. , ब्रह्मानन्द, त्रिपाठी (2013) वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन *E- Resources--* • तुलसीराम स्वामिना, 'मनुस्मृति' https://archive.org/details/HindiBookManusmriti • दर्शनानन्द सरस्वती, मनुस्मृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.407245 • सुरेन्द्र कुमार, 'मनु और उनकी मनुस्मृति' https://archive.org/details/ManuAurUnkiManuSmritiSurendraKumar/page/n1 • जीवानन्द विद्यासागर, 'धर्मशास्त्र संग्रह' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406530 • पी.वी.काणे, 'धर्मशास्त्र का इतिहास'	यथावत्

			3. चरकसंहिता सहायक पुस्तकें– 1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास–बलदेव उपाध्याय 2. संस्कृत साहित्य का वृहद् इतिहास–ब्रह्मानन्द त्रिपाठी 3. History of Sanskrit Literature-A.B. Kieth 4. Science and the Vedas-Ed. Ishwar Bhai Patel	https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.496396/page/n5 • Sohan lal meena, 'Relationship between state and dharma in manusmriti' https://www.jstor.org/stable/41856150?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=manusmriti&searchUri=%2 • उदयवीर शास्त्री, 'कौटिल्य अर्थशास्त्र' https://archive.org/details/KautilyaKaArthshastra-Hindi-Kautilya • प्राणनाथ विद्यालंकार, 'कौटिल्य अर्थशास्त्र' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.473131 • kiranjit kaur, 'Kautilya: Saptanga theory of state' https://www.jstor.org/stable/42748368?seq=1/subjects • P.V.Kane, 'The Arthsahstra of Kautilya' https://www.jstor.org/stable/44082683?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kautilya&searchUri=%2Faction% • अत्रिदेव जी गुप्त. 'चरक संहिता' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487454 • नरेन्द्रनाथ सेन गुप्ता 'चरक संहिता'	

				https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273032/page/n77 • भाष्यं स्वामी, 'शास्त्रसंजीविनी' https://archive.org/details/ShastraSanjiviniBhashyamSwamiSamskritaBharathiSanskritArticles/page/n1	

प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग 1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 405**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • मेघदूत के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक झलक एवं भौगोलिक परिवेश का ज्ञान। • 2 कादम्बरी के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ संस्कृत गद्य लेखक बाणभट्ट एवं संस्कृत गद्य साहित्य का ज्ञान। • तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास	प्रथम खण्ड : मेघदूतम् ;(कालिदास) श्लोकों की व्याख्या (अ) पूर्वमेघ (ब) उत्तरमेघ द्वितीय खण्ड : कादम्बरीः (बाणभट्ट) गद्य अंश का अनुवाद (अ) कादम्बरी के कथामुख मंगलाचरण के पद्यों से लेकर शबरचरितवर्णनम् के शनैशनैरभिमतम् दिगन्तरमयासीत् तक का अंश पठनीय। तृतीय खण्ड : 1. 'मेघदूतम्' एवं 'कादम्बरी' के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध (समीक्षात्मक प्रश्न 2. 'कादम्बरी' कथामुख भाग – बाणभट्ट **सहायक पुस्तकें :–** 1. मेघदूत का अध्ययन – वासुदेवशरण अग्रवाल 2. संस्डुत के संदेश–काव्य – डॉ. रामकुमार आचार्य 3. बाणभट्ट और कादम्बरी : एक आलोचनात्मक अध्ययन – महेशचन्द्र भारतीय 4. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन – अमरनाथ पाण्डेय 5. संस्कृत सुकवि समीक्षा – बलदेव उपाध्याय	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. बाणभटट् *कादम्बरी,* व्या. श्रीकृष्णमोहन शास्त्री, (1999), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान 2. कालिदास *मेघदूत,* व्या. आर.बी.शास्त्री, (2017), जयपुर, हंसा प्रकाशन 3. अग्रवाल वासुदेवशरण, (1959), *मेघदूत एक अध्ययन,* दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 4. अग्रवाल वासुदेवशरण, (1957), *कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन 5. आचार्य रामकुमार, (1963), *संस्कृत के सन्देश काव्य,* अजमेर, आदर्श प्रेस 6. भारतीय महेशचन्द, (1973), *बाणभट्ट और कादम्बरी : एक आलोचनात्मक अध्ययन,* गाजियाबाद, विमला प्रकाशन 7. पाण्डेय, अमरनाथ, (1972), *बाणभटट का साहित्यिक अनुशीलन,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास 8. उपाध्याय बलदेव, (2008), *संस्कृत सुकवि समीक्षा,* वाराणसी, चोखम्बा विद्याभवन 9. शर्मा, नीता, (1968), *बाण ए स्टडी,* दिल्ली, मुन्शीराम मनोहरलाल 10. कृष्णमूर्ति, (1976), *बाणभटट*–दिल्ली, साहित्य अकादमी E- Resources राजेन्द्र मिश्र– कादम्बरी कथामुखम् https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485230 2. J. Tilakasiri, 'Kalidasa's poetic art and erotic traits'	

			6. बाण ए स्टडी – नीता शर्मा 7. बाणभट्ट – डॉ. कृष्णमूर्ति	https://www.jstor.org/stable/41691706?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kalidasa&searchUri=%2Faction 1. Arvind Sharma, 'A city in a Khandtoakavya: Ujjain in the meghduta of kalidasa' https://www.jstor.org/stable/40873117?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kalidasa&searchUri=% 4. Induprakash pandey, 'Reviewed Work: The Cloud Messenger by Kalidasa, Franklin Edgerton, Eleanor Edgerton https://www.jstor.org/stable/40119500?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=meghdut&searchUri=% 5. श्री कृष्णमोहन, कादम्बरी https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.272851 6. Review by: H. W. Bailey, Reviewed Work: Bana's Kadambari by A. A. M. Scharpe https://www.jstor.org/stable/607988?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kadambari&searchUri=%2 7. मनमोहन लाल शर्मा, महाकवि माघ https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.478474/page/n1 8. केशवराव मुसलगॉवकर, शिशुपालवधम् महाकाव्यम् https://archive.org/details/SisupalavadhaMahakavyamGSMusalgaonkar1998_201802 9. Richard salomon, 'magha, mahabharta nad bhagavata: The source and legacy of the sisupalavadha' https://www.jstor.org/stable/10.7817/jameroriesoci.134.2.225?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=magha&searchUri=%2	

वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 407**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • भारतीय संस्कृति की ऐतिहासिक समझ का विकास। • वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति के तथ्यों एवं वैशिष्ट्य को जानने की क्षमता का विकास।	प्रथम खण्ड : (अ) ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त अध्ययन के लिए निर्धारित हैं ;व्याख्या सहित अग्नि ;1/1 नदी ;3/33, अश्विनौ;, 7/7, वागाम्भृणी, 10/125 (ब) ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त – कितव ;10/34, ज्ञान, 10/71, पुरुष ;10/90, नासदीय ;10/129 द्वितीय खण्ड : पदपाठ, श्रषि, देवता एवं छन्द का परिचय – (अ) निर्धारित सूक्तों से सम्बद्ध (पदपाठ (ब) निर्धारित सूक्तों से सम्बद्ध ( )षि के विषय में प्रश्न (स) निर्धारित सूक्तों के छन्द से सम्बद्ध (प्रश्न (द) निर्धारित सूक्तों की देवता से सम्बद्ध (प्रश्न। तृतीय खण्ड : भारतीय संस्कृति का इतिहास (अ) ऋग्वेद काल से लेकर 400 ई. पूर्व तक का भारतीय सांस्कृतिक इतिहास। (ब) मौर्य काल से लेकर 12वीं शताब्दी तक का भारतीय सांस्कृतिक इतिहास।	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. पाण्डेय, देवेन्द्र नाथ, (2006), *वैदिक 'सूक्त संग्रह* ,जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय। 2. मैक्समूलर (1966) *ऋग्वेद संहिता सायण भाष्य सहित,* वाराणसी, चौखम्बा 3. त्रिपाठी गयाचरण (1980 *वैदिक देवता उद्भव और विकास,* नई दिल्ली, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, 4. मैक्डोनल. ए.ए. (1972) *वैदिक माइथोलॉजी,* वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, । 5. चौबे, बी.बी. (1981), *न्यू वैदिक सेलेक्शन,* दिल्ली, भारतीय विद्या प्रकाशन । 6. मिश्र श्रीकिशोर (1989), *मधुपर्कपर्यालोचनम्* वाराणसी, विजयप्रेस । 7. मिश्रश्री धर्मकिशोर (1988) *वेदशाखा पर्यालोचनम्,* वाराणसी, विजयप्रेस । 8. मुखर्जी राधाकुमुद (1990) *हिन्दू सभ्यता,* दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। E- Resources-	यथावत्

			(स) भारत के औपनिवेशिक तथा सांस्कृतिक विस्तार का इतिहास। **सहायक पुस्तकें :–** 1. ऋग्भाष्य संग्रह – देवराज चानना 2. वैदिक देवता – प्रभुदयाल अग्निहोत्री 3. ऋग्सूक्त सुधाकर – कृष्णकुमार 4. वैदिक स्वरबोध – ब्रजबिहारी चौबे 5. वैदिक एवं वेदोत्तर भारतीय संस्कृति – पं. गंगाधर मिश्र 6. वैदिक देवता : एक ऐतिहासिक विवेचन – कमलप्रसाद सिंह 7. वैदिक देवता : उद्भव और विकास – गयाचरण त्रिपाठी 8. The Seers of the Rigveda - V.G. Rahulkar 9. वैदिक माइथोलॉजी – ए. ए. मैक्डोनल 10. न्यू वदिक सेलेक्शन – बी. बी. चौबे 11. वैदिक संग्रह – श्री कृष्ण लाल शर्मा 12. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास – प्रथम खण्ड ;वेद खण्ड – सं. बी.बी. चौबे प्रकाशक : उत्तरप्रदेश संस्ड्डत अकादमी ;लखनऊद्ध उ. प्र. 13. वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति – पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी	• वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress/page/n3 • बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816 • गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.346569/page/n3 • दुर्गाचार्य, निरुक्त https://archive.org/details/NiruktaDurgacharya • Johannes rbonkhorst, *'nirukta and a□□ādhyāyī: their shared presuppositions* https://www.jstor.org/stable/24653425?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=nirukta&searchUri=%2	

			14. मधुपर्क–पर्यालोचनम् – श्रीकिशोर मिश्र 15. हिन्दु–सभ्यता ;अध्याय 4, 5, 6 व 7 – राधाकुमुद मुखर्जी 16. भारत की सांस्कृतिक साधना – रामजी उपाध्याय, हरिदत्त वेदालंकार 17. प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन–वासुदेव शरण अग्रवाल ;प्रथम भाग 18. भारतीय अभिलेख – ए. एन. राणा		

द्वितीय समसत्र

भारतीय दर्शन, भाग II

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 402**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • दर्शन की विविध शाखाओं के स्वरूप का ज्ञान। • 2. मौलिक चिन्तन पूर्वक तात्त्विक विश्लेषण की योग्यता का विकास। • तार्किक क्षमता का विकास।	प्रथम खण्ड :वेदान्तसारः (सदानन्द योगी) – व्याख्या (अ) प्रारम्भ से तत्त्वमसि के पूर्व तक (ब) ''तत्त्वमसि'' – से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त द्वितीय खण्ड : तर्कभाषा; (केशव मिश्र) – व्याख्या (अ) ग्रन्थारम्भ से अनुमान प्रमाण तक (ब) ''हेतु'' से प्रामाण्यवाद तक तृतीय खण्ड : (1) जैन दर्शन; (प्रथम अध्याय) चैनसुखदास (2) वेदान्तसार एवं तर्कभाषा के निर्धारित प्रतिपाद्य से सम्बद्ध(सैमीक्षात्मक प्रश्न **सहायक पुस्तकें :–** 1. वेदान्त दर्शन का इतिहास – उदयवीर शास्त्री 2. जन तत्व ज्ञानमीमांसा – दरबारी लाल कोठिया 3. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय 4. भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र 5. भारतीय दर्शन – नन्दकिशोर देवराज 6- Introduction to Indian Philosophy : Dutta & Chatterji 7. भारतीय दर्शन की रूपरेखा : एम. हिरियन्ना – अनु.	**संस्तुत पंस्तके–** 1. सदानन्द, *वेदान्तसार,* व्या. लम्बोदर मिश्र, (2010), जयपुर, राष्ट्रीय संस्कृत साहित्य केन्द्र। 2. सदानन्द, *वेदान्तसार,* राममूर्ति शर्मा, (2007), दिल्ली, चौखम्बा पब्लिशर्स। 3. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा,* विश्वेश्वर आचार्य, (1953), वृन्दावन, गुरूकुल विश्वविद्यालय। 4. दास चैनसुख, *जैनदर्शनसार,* नरेन्द्रकुमार शर्मा (2008), जयपुर, हंसा प्रकाशन। 5. शास्त्री, उदयवीर, (1970), *वेदान्त दर्शन का इतिहास,* गाजियाबाद, विरजानन्द वैदिक संस्थान। 6. शेखावत, महेन्द्र, (1971), *वेदान्त का स्वरूप एवं विकास,* भोपाल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी। 7. गुप्त, सुरेन्द्रनाथ दास (1989), *भारतीय दर्शन का इतिहास,* जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी। 8. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा* व्या. आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त, (2009), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत भवन 9. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा* व्या.एच. एन यादव (2015), नई दिल्ली, हरीश प्रकाशन मन्दिर 10. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा,* व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2003) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय	यथावत्

			गोवर्धन भट्ट 8. दर्शनशास्त्रस्येतिहासः – शशिबाला गाड़ 9. अैद्वत वेदान्त में आभासवाद – प्रो. सत्यदेव मिश्र	11. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा* , व्या. बद्रीनाथ शुक्ल, (2011) वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन *12.* शुक्ल, दीनानाथ (2009) *भारतीय दर्शन परिभाषा कोश,* दिल्ली, प्रतिभा प्रकाशन *E- Resources-* नन्दकिशोर देवराज– भारतीय दर्शन(ऐतिहासिक और समीक्षात्मक विवेचन) https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273682/page/n1 • एन.के.देवराज– भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास https://archive.org/details/Bhartiya.Darshan.Sastra.Ka.Itihas_201801 • प. रामस्वरुप, 'वेदान्तसारः' https://archive.org/details/VedantasaraOfSadanandaHindiTikaRamSwarupSharmaVenkateswaraSteamPress1900 • S. Radhakrishnan, 'the vedanta philosophy and the doctrine of maya' https://www.jstor.org/stable/2376777?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=upanishad&searchUri=%2F	

				• p.chenna reddy, 'kundakundacharya and his contribution to jain philosophy' https://www.jstor.org/stable/44144074?seq=1#page_scan_tab_contents • Y. Krishan, ' Nitya and naimittika karmas in the purva mimamsa' https://www.jstor.org/stable/41694413?seq=1#page_scan_tab_contents • J.L. Shaw, 'conditions for understanding the meaning of a sentence: the nyaya and the advaita vedanta' https://www.jstor.org/stable/23493454?seq=1/subjects • Krishna S. Arjunwadkar, 'A rational approach to vedanta' https://www.jstor.org/stable/41702172?seq=1/subjects	

प्राचीन संस्कृत साहित्य भाग II

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 406**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • दूत काव्य परम्परा का अवबोध। • राजनैतिक विश्लेषण की क्षमता का विकास। • अध्ययन के प्रति तुलनात्मक दृष्टि का विकास	प्रथम खण्ड :शिशुपालवधम्– द्वितीय सर्ग (माघः)– व्याख्या 1. 1 से 80 वें पद्य पर्यन्त 2. 81 वें पद्य से सर्ग समाप्ति पर्यन्त द्वितीय खण्ड : नैषधीयचरितम् – तृतीय सर्गः – (श्रीहर्षः) – व्याख्या 1. एक से 100 वें पद्य पर्यन्त 2. 101 वें पद्य से सर्ग समाप्ति पर्यन्त तृतीय खण्ड : 'शिशुपालवधम्' एवं 'नैषधीयचरितम्' के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न **संस्तुत पुस्तकें :–** 1. शिशुपालवधम् – माघः (द्वितीय सर्गः)	**संस्तुत पुस्तके–** 1. माघ, *शिशुपाल वध,* व्या. हरगोविन्द शास्त्री (2010) वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन। 2. श्री हर्ष, *नैषधीयचरितम्,* व्या.. प्रभाकर शास्त्री, रूपनारायण त्रिपाठी, (2001), जयपुर हंसा प्रकाशन, 3. श्री हर्ष, *नैषधीय चरितम्,* व्या. केशवराव मुसलगाँवकर, (2013), चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी 4. उपाध्याय बलदेव, (2008), *संस्कृत सुकवि समीक्षा,* वाराणसी, चोखम्बा विद्याभवन 5. आचार्य रामकुमार, (1963), *संस्कृत के सन्देश काव्य,* अजमेर, आदर्श *प्रेस*	यथावत्

			2. नैषधीयचरितम् – श्रीहर्षः (तृतीय सर्गः) **सहायक पुस्तकें :–** 1. महाकवि माघ–उनका जीवन तथा कृतियाँ– मनमोहन लाल शर्मा 2. नषध परिशीलन में रसयोजना– चण्डिका प्रसाद शुक्ल 3. नैषधीयचरित में रसयोजना– रविदत्त पाण्डेय 4. संस्कृत सुकवि समीक्षा– बलदेव उपाध्याय	E- Resources मनमोहन लाल शर्मा, *महाकवि माघ* https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.478474/page/n1 • केशवराव मुसलगॉवकर, शिशुपालवधम् महाकाव्यम् https://archive.org/details/SisupalavadhaMahakavyamGSMusalgaonkar1998_201802 • Richard salomon, 'magha, mahabharta nad bhagavata: The source and legacy of the sisupalavadha' https://www.jstor.org/stable/10.7817/jamerorientsoci.134.2.225?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=magha&searchUri=%2	

वैदिक साहित्य एवं उसका इतिहास

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 408**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद के अंशों के अध्ययन द्वारा वैदिक सभ्यता, संस्कृत एवं दर्शन का ज्ञान। • निरुक्त के द्वारा वैदिक शब्दों के अर्थ निर्धारिण के कौशल का विकास। • वैदिक साहित्य का ऐतिहासिक परिचय • वेद–वेदांग में निहित ज्ञानसम्पदा का प्रायोगिक कौशल का विकास।	प्रथम खण्ड : यजुर्वेद – (व्याख्या) यजुर्वेद के निम्नलिखित अंश अध्ययन के लिए निर्धारित है :– अध्याय – 32/1–16 मन्त्र (परमात्मा) अध्याय – 34/1–5 मन्त्र (शिवसंकल्प सूक्त) द्वितीय खण्ड : सामवेद एवं अथर्ववेद के निम्ननिर्दिष्ट अंश अध्ययन के लिए निर्धारित है :– (व्याख्या) (अ) सामवेद – पूर्वार्चिक ऐन्द्र प./अ. 3, खण्ड 1/(233–242) इन्द्र पूर्वार्चिक ऐन्द्र पा. प. अ. 5/ख–6/;523–532 (ब) अथर्ववेद – काण्ड – 12/1–15 – मन्त्र तक ;पृथिवी सूक्त अथर्ववेद – काण्ड – 7/12, 13, राष्ट्र सूक्त अथर्ववेद – काण्ड – 19/53 ;काल, सूक्त तृतीय खण्ड : (अ) निरुक्त का प्रथम अध्याय ;आचार्य यास्क – व्याख्या एवं निर्वचन (ब) निरुक्त का द्वितीय अध्याय ;आचार्य यास्क – व्याख्या एवं निर्वचन	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. पाण्डेय, देवेन्द्र नाथ, (2006), *वैदिकसूक्तसंग्रह,* जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, 2. *माध्यन्दिनसंहिता महीधर भाष्य सहित* डॉ. राधाकृष्ण शास्त्री, (1992), वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन 3. *अथर्ववेदसंहिता सायण भाष्य सहित,* विश्वबन्धु (1961), विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान। 1. यास्क *निरुक्त* छज्जूराम शास्त्री, ( ) 2. 5. शर्मा, उमाशंकर (2006*) ऋक्सूक्त निकटः वाराणसी,* चौखम्बा ओरियण्टालिया 6. शर्मा, उमाशंकर, (2010), *निरुक्त* वाराणसी चौखम्बा सुरभारती, 7. यास्क, *कृतनिरुक्त,* व्या. मुकुन्द बख्शी झा (2010) *3.* मिश्र जगदीशचन्द्र (2010) *वैदिक वाङ्मयस्येतिहासः* वाराणसी चौखम्बा सुरभारती 9. गैरोला वाचस्पति (2010) *वैदिक साहित्य और संस्कृति,* चौखम्बा सुरभारती वाराणसी। 10. शर्मा, रामस्वरूप (2010) *सामवेद संहिता* वाराणसी चौखम्बा सुरभारती वाराणसी।	यथावत्

			(स) वैदिक साहित्य का इतिहास ;संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं सूत्रग्रन्थ **सहायक पुस्तकें :–** 1. वैदिक वाङ्मयस्येतिहास : जगदीश चन्द्र मिश्र 2. Vedic Reader - A.A. Macdonell 3. वैदिक वाङ्मय का इतिहास – श्री भगवद्दत्त 4. वैदिक वाङ्मय – एक परिशीलन – ब्रज बिहारी चौबे 5. वैदिक साहित्य का इतिहास – राममूर्ति शर्मा 6. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय 7. वैदिक साहित्य आर संस्कृति – वाचस्पति गैरोला 8. Vedic History : Govind Krishna Pillai 9. History of Indian Literature : Part Ist - Maurice Winternitz 10. Cambridge History of India : Part Ist (Chapter 2 to 10 & 26) 11. निरूक्त – आ. विश्वेश्वर 12. वैदिक साहित्य और संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी	11. उपाध्याय, बलदेव (1998) *वैदिक साहित्य और संस्कृति,* वाराणसी शारदा संस्थान, E- Resources--- बलदेव उपाध्याय, *वैदिक साहित्य और संस्कृति* https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816 • गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.346569/page/n3 • दुर्गाचार्य, निरुक्त https://archive.org/details/NiruktaDurgacharya • Johannes Rbonkhorst,'Nirukta and Astadhyayi:Their Shared Presuppositions https://www.jstor.org/stable/24653425?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=nirukta&searchUri=%2	

व्याकरण शास्त्र एवं अनुवाद

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 409**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • व्याकरण की दार्शनिक अवधारणाओं का ज्ञान • भाषा संरचना के विश्लेषण की क्षमता का विकास • वाक्य संरचना की प्रक्रिया का अवबोध। • संस्कृत साहित्य को पढ़ने व समझने हेतु कौशल में अभिवृद्धि होगी। • साधु एवं असाधु शब्दों का ज्ञान।	प्रथम खण्ड : वाक्यपदीयम् ;भर्तृहरिःद्ध ब्रह्मकाण्ड – 1 से 50 वीं कारिका तक (क) व्याख्या (ख) प्रश्न (ग) टिप्पणी द्वितीय खण्ड : महाभाष्यम् ;पतञजलिः पश्पशाह्निक (क) व्याख्या (ख) प्रश्न (ग) टिप्पणी तृतीय खण्ड : अनुवाद (हिन्दी से संस्ड्डत में) पाठ्य पुस्तकें : 1. वाक्यपदीयम् (भर्तृहरि) 2. महाभाष्यम् (पतञजलि) **संस्तुत पुस्तकें :** 1. वाक्यपदीयम् – पद्मश्री पण्डित रघुनाथ शर्मा 2. वाक्यपदीयम् – सूर्य नारायण मिश्र 3. वाक्यपदीयम् – रामकिशोर त्रिपाठी 4. महाभाष्यम् – युधिष्ठिर मीमांसक	संस्तुत पुस्तकें– 1. भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या.पं. रघुनाथ शर्मा, (1975) वाराणसी, चौखम्भा, संस्कृत संस्थान, 2. भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या. शिवशंकर अवस्थी, (2006) वाराणसी, चौखम्भा विद्या भवन, 3. पतंजलि, *व्याकरण–महाभाष्यम्*, व्या. जयशंकरलाल त्रिपाठी (2013) वाराणसी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी 4. पतुजलि, व्याकरणमहाभाष्य, व्या॰ चारुदेव शास्त्री (2017) दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास E- Resources वेदानन्द झा, वाक्यपदीयम् https://archive.org/details/VakyapadiyamBrahmakandamVedanandaJha • नरेन्द्र शर्मा, वाक्यपदीयम् https://archive.org/details/BhartrihariSVakyapadiyamBrahmaKandamRaghunathSharma_201801 • चक्रधर शर्मा शास्त्री, अनुवाद चन्द्रिका https://archive.org/details/AnuvadChandrikaChakradharsharmaShastri1954_201802/page/n1	यथावत्

			5. महाभाष्यम् – चारुदेव शास्त्री 6. संस्कृत निबन्ध–पथ–प्रदर्शक–वामन शिवराम आप्टे 7. प्रौढ़–रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी 8. संस्कृत शिक्षण सरणी – आचार्य राम शास्त्री	• कपिलदेव द्विवेदी, प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी https://archive.org/details/PrarambhikRachanaAnuvadKaumudiKDDwivedi1978_20180228 • कपिलदेव द्विवेदी, प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी https://archive.org/details/PraudhaRachanaAnuvadKaumudiKDDwivedi1955	

तृतीय समसत्र

संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 504**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • संस्कृत काव्यशास्त्र के विशेष सिद्धान्तों का अवबोध। • श्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का परिचय । • सौन्दर्य शास्त्रीय तत्वों व मूल्यांकन एवं विश्लेषण की अभिक्षमता का विकास। • संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के स्वरूपगत अन्तर व वैशिष्टय को पहचानने की क्षमता का विकास।	प्रथम खण्ड : रसगंगाधर (प्रथम आनन) (क) मंगलाचरण (स्मृतापि तरूणातपं .....) से आरम्भ कर काव्यत्रयभेदपद्धति के निराकरण (तुल्यस्कन्धत्वात्) तक (ख)रसस्वरूप (अथ ध्वनिलक्षणाय समासेन) से आरम्भ कर रस दोष (अनयासुधीभिरन्यदप्यूह्यम) (ग) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न द्वितीय खण्ड : (क) गुण निरूपण (अथ प्रसंगसंगत्या गुणान् निरूपयति) से आरम्भकर – शब्दगुण (ऐतेदा शब्दगुणाः) तक (ख)अर्थगुण (अथार्थागुणेषु प्रथमं श्लेष निरूपयंल्लक्षयति) से आरम्भ कर वर्जनीय रचना (इतिसंक्षेपेण निरूपिता रसाः) तक (ग) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न तक तृतीय खण्ड : काव्यमीमांश एवं पाश्चात्य	**संस्तुत पुस्तकें–** 1. जगन्नाथ, *पण्डितराज, रसगंगाधर,* बदरीनाथ झा,, (2001), वाराणसी, चौखम्बा प्रकाशन। 2. राजशेखर, *काव्यमीमांसा,* रमाकान्त पाण्डेय, (2008), जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय। 3. माहेश्वरी, चिन्मयी, (1974), रसगंगाधर : *एक समीक्षात्मक अध्ययन,* जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी 4. बाली, तारकनाथ, (1974), *पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास,* दिल्ली, मैकमिलन। 5. मिश्र, भागीरथ, (1993), *पाश्चात्य काव्यशास्त्रः इतिहास सिद्धान्त और वाद,* वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन। E- Resources रसगंगाधर– चिन्मयी, "रसगंगाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन " https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.478623/page/n17 • रसगंगाधर, पण्डित राज जगन्नाथ– पाण्डुलिपि	यथावत्

			काव्यशास्त्र (क) चतुर्थ अध्याय एवं पंचम अध्याय (ख)पाश्चात्य काव्यशास्त्र (विरेचन, उदात्तीरकण एवं अभिव्यंजनावाद) (ग) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न तक **निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें–** 1. रसगंगाधर– पण्डितराज जगन्नाथ 2. काव्यमीमांसा– राजशेखर संस्तुत पुस्तकें– 1. रसगंगाधर–एक समीक्षात्मक अध्ययन, डॉ. चिन्मयी माहेश्वरी 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास–तारकनाथ बाली 3. पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्त– भागीरथ मिश्र	https://archive.org/details/RasGangaDharPanditRajJagannathAlm2Shlf2254KhDevanagariAlankarShastra/page/n1 • काव्यमीमांसा–किरन श्रीवास्तव, "आचार्य राजशेखर कृत 'काव्यमीमांसा' का आलोचनात्मक अध्ययन " https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.481074 • श्यामा वर्मा–"आचार्य राजशेखर" https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406632 • सी.डी दलाल– "राजशेखर विरचित काव्यमीमांसा" https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.405279/page/n5 • सी.डी दलाल– "राजशेखर विरचित काव्यमीमांसा" https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.405279/page/n5 • पी.वी.काणे– "संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास" https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320814/page/n1 • vidya niwas mishra, 'sanskrit rhetoric and poetic' *https://www.jstor.org/stable/40874432?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetic&searchUri=%2Faction*	

संस्कृत काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 505**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • संस्कृत काव्यशास्त्र से सम्बद्ध विशिष्ट ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का ज्ञान । • संस्कृत काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों का ज्ञान। • काव्यशास्त्र का ऐतिहासिक बोध • साहित्यिक ग्रन्थों	प्रथम खण्ड : काव्यप्रकाश (मम्मट) (1) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय उल्लास (2) चतुर्थ एवं पंचम उल्लास (चतुर्थ उल्लास में कारिका संख्या 38–44 तक केवल कारिका भाग) (4) ,काव्यप्रकाश के प्रथम से पंचम उल्लास के निर्धारित प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न। द्वितीय खण्ड : ध्वन्यालोक : (आनन्दवर्धन) (1) प्रथम उद्योत (1–12 कारिका) (2) प्रथम उद्योत (13–19 कारिका) (3) ध्वन्यालोक के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न तृतीय खण्ड : संस्कृत काव्यशास्त्र एवं इतिहास (1) ग्रन्थ परिचय (2) ग्रन्थकार परिचय (3) काव्य समीक्षा के छह सिद्धान्त (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य) **संस्तुत पुस्तकें–** 1. काव्यप्रकाशः (मम्मट) 2. ध्वन्यालोकः (आनन्दवर्धन)	संस्तुत पुस्तके– 1. मम्मट , *काव्यप्रकाश* व्या. आचार्य विश्वेश्वर (2009), वाराणसी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड 2. मम्मट, *काव्यप्रकाश* व्या. श्री निवास शर्मा, (2003) वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन, 3. आनन्दवर्द्धन, *ध्वन्यालोक* व्या. डॉ. कृष्णकुमार, (1988) मेरठ साहित्य भण्डार, 4. आनन्दवर्द्धन,, *ध्वन्यालोक*, व्या. आचार्य जगन्नाथ पाठक (2003), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 5 द्विवेदी रामचन्द्र, *अलंकार मीमांसा,* 1965, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास. 6 श्रीवास्तव आनन्द प्रकाश, 2012, *आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र* 7 उपाध्याय बलदेव, (2012 संवत्), *भारतीय साहित्यशास्त्र,*	यथावत्

		के विश्लेषण की क्षमता का विकास।	सहायक पुस्तकें– 1. भारतीय साहित्शास्त्र– बलदेव उपाध्याय 2. भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश त्रयम्बक पाण्डेय 3. काव्यात्म मीमांसा– जयमन्त मिश्रा 4. काव्यतत्व समीक्षा– नरेन्द्रनाथ चौधरी 5. ध्वनि प्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान–जगदीश चन्द्र शास्त्री 6. आनन्द वर्धन– रेवाप्रसाद द्विवेदी 7. History of Sanskrit Poetics- P.V. Kane 8. Sankrit Poetics- S. K. De 9. Principal of Literary Criticsm in Sanskrit- R. C. Dwivedi 10. Dhvanyalok and its critis- K.Krishnamoorthy	काशी प्रसाद परिषद् 8 पाण्डेय त्रयम्बक गणेश, 1960, *भारतीय साहित्य शास्त्र,* बम्बई पापुलर बुक डिपो E- Resources- काव्यप्रकाश– गंगानाथ झा "काव्यप्रकाश" https://archive.org/details/KavyaPrakash • ध्वन्यालोक– रामसागर त्रिपाठी, "ध्वन्यालोकः" https://archive.org/details/DhvanyalokaHindi/page/n1 • आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, "ध्वन्यालोकः" https://archive.org/details/Dhvanyalokah/page/n1 • K. krishnamoorthy, 'Germs of the theory of 'Dhvani'' *https://www.jstor.org/stable/44028064?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=grammer&searchUri=%2Faction* • J. C. Wright, Sanskrit Poetics: A Critical and Comparative Study by Krishna	

				Chaitanya *https://www.jstor.org/stable/611535?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetics&searchUri=%2Faction* • E. B, The Vakrokti-Jīvitam by Rajānāka Kuntaka by Sushil Kumar De, Rajānāka Kuntaka https://www.jstor.org/stable/598409?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetics&searchUri=%2Faction • राधावल्लभ त्रिपाठी.'संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्यपरम्परा' https://archive.org/details/SanskritKavyaShastraAurKavyaParamparaRadhaVallabhTripathi_201801	

संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग 1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 506**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • संस्कृत नाट्यशास्त्र का बोध । • नाट्य रचनाओं द्वारा नाट्य कौशल का विकास कर व्यावहारिक प्रयोग क्षमता का विकास। • शब्दों एवं वाक्य सम्बन्धी विश्लेषणात्मक कौशल में अभिवृद्धि।	प्रथम खण्ड : उत्तररामचरितम् (भवभूतिः) (1) प्रथम, से चतुर्थ अंक तक (2) पंचम से सप्तम अंक तक द्वितीय खण्ड : नाट्यशास्त्रम् (भरतमुनिः) (1) द्वितीय अध्याय (2) षष्ठ अध्याय तृतीय खण्ड : (1)उत्तररामचरितम् के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न (2)नाट्यशास्त्र के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न **संस्तुत पुस्तकें–** 1. भवभूति– आर. डी. कमरकर 2. भवभूति– वासुदेव विष्णु मिराषी 3. भवभूति–एण्ड हिज प्लेस इन संस्कृति लिटरेचर– ए बरूआ 4. भवभूति और उनकी नाट्यकला– अयोध्या प्रसाद सिंह 5. भवभूति के नाटक– ब्रजवल्लभ शर्मा	संस्तुत पुस्तके– 1. करमकर, आर.डी. *भवभूति,* (1971), धारवार, कर्नाटक विश्वविद्यालय, 2. भवभूति, *उत्तररामचरितम्,* व्या. रमाशंकर त्रिपाठी, (2013), वाराणसी, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, 3. भवभूति, *उत्तररामचरितम्,* व्या. कपिलदेव गिरी, (2013) वाराणसी, चौखम्भा संस्कृत भवन, 4. भरतमुनि, *नाट्यशास्त्रम्* व्या. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, (2004) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान 5. त्रिपाठी राधावल्लभ (2004) *नाट्यशास्त्र विश्वकोश* (4 भाग) नई दिल्ली, प्रतिभा प्रकाशन E- Resources **उत्तररामचरितम–** तारिणीश झा, "उत्तररामचरितम् " https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403218/page/n1 • **राजलक्ष्मी वर्मा, 'भवभूति की कृतियों का नाट्यशास्त्रीय विवेचन'**	यथावत्

			6. अभिनव नाट्यशास्त्रम्– सीताराम चतुर्वेदी 7. प्राचीन संस्कृत नाटक– डॉ. रामजी उपाध्याय 8. संस्कृत नाटक– ए बी. कीथ, अनु. उदयभानु सिंह 9. संस्कृत नाटक – डॉ. इन्द्रपाल सिंह 10. अभिनव भारतीय (नाट्यशास्त्र) – अभिनव गुप्त 11. भरतनाट्यशास्त्र तथा आधुनिक प्रासंगिकता– डॉ. भानुशंकर मेहता 12. भरतनाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप – डा. रायगोविन्द्र चन्द 13. Studies in Natya Shastra- H.G.Tarlankar 14. Sanskrit Drama & Dramaturgy- Vishvanath Bhattacharya 15. Indian Theatre- C. B. Gupta 16. मध्यकालीन संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय 17. संस्कृत नाटक सिद्धान्त– रमाकान्त त्रिपाठी 18. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्– रामजी उपाध्याय	https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.475675 • T.G Mainkar- 'The delineation of love by bhavbhuti' *https://www.jstor.org/stable/41692380?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=bhavbhuti&searchUri=%2Faction* • **नाट्यशास्त्र–** **मनमोहन 'दि नाट्यशास्त्र'** https://archive.org/details/NatyaShastra/page/n1 • **पारसनाथ द्विवेदी, 'नाट्यशास्त्रम्'** https://archive.org/details/BharatMuniSNatyaShastraIParasNathDwivedi03/page/n5 • **नाट्य–** k.p kulkarni, 'sanskrit drama nd dramatists' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.264529/page/n5 • V.Raghavan, 'sanskrit drama: theory and performance'	

				https://www.jstor.org/stable/41152424?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2 • S.s. janaki, 'Abhinavgupta's contribution to Sanskrit drama tradition' *https://www.jstor.org/stable/41693343?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2Faction* • Herman Tieken, 'On the use of 'rasa' in studies of Sanskrit drama' *https://www.jstor.org/stable/24663435?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2Faction*	

संस्कृत व्याकरणम्

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 510**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • शब्द–निर्माण एवं वाक्य निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान। • प्रत्यय व कारकों का व्यावहारिक भाषा में प्रयोग कर मौलिक विचारों की सरल एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास। • अर्थ निर्धारण की	**प्रथम खण्ड :** सिद्धान्तकोमुद्याः कारकप्रकरणम् । **द्वितीय खण्ड :**लघुसिद्धान्तकौमुद्याः कृत्य प्रक्रिया पूर्वकृदन्तप्रकरणंच **तृतीयखण्ड–**लघुसिद्धान्तकौमुद्याः उत्तरकृदन्तप्रकरणंच **संस्तुत पुस्तकानि :** 1. लघु सिद्धान्त कौमुदी– भैमी व्याख्या भाग–3 2. संस्कृत व्याकरण एवं लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री 4. लघुसिद्धान्तकौमुदी– भाग 1–2, श्री महेश सिंह कुशवाहा 5. सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरणम्) – श्री धरानन्द शास्त्री 6. सिद्धान्मतकौमुदी (कारकप्रकरणम्)–श्री वासुदेव दीक्षित, श्री ज्ञानेन्द्र सरस्वती	संस्तुत पुस्तकें– 1. दीक्षित, भट्टोजि *वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी,* (बालमनोरमा व्याख्या), व्या. गोपालदत्तपाण्डेय (2013), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 2. दीक्षित, भट्टोजि *वैयाकरण–सिद्धात–कौमुदी,* (व्या.) बालकृष्ण पंचोली (2007), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान। 3. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी* (2007), व्या. शास्त्री भीमसेन दिल्ली, भैमी प्रकाशन 4. वरदराज, *लघु सिद्धान्त कौमुदी,* व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2010) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय E- Resources *लघुसिद्धान्त कौमुदी–* भीमसेन शास्त्री, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/in.ernet.dli	यथावत्

		प्रक्रिया का ज्ञान		.2015.485702/page/n1 • नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1	

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		पाठ्यक्रम के निर्गम पाठ्याधारित चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम	पाठ्याधारित चयनित समुह की सूची षष्ठ समसत्र के बाद दी गई है।

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम के निर्गम चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 1	स्वाध्यायाधारित चयनित समुह की सूची षष्ठ चतुर्थ समसत्र के बाद दी गई है।

चतुर्थ समसत्र

संस्कृत काव्यशास्त्र एवं अलंकार

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 503**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • काव्य में अलंकार पहचानने की क्षमता का विकास। • काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का काव्य में अनुप्रयोगात्मक कौशल।	प्रथम खण्ड : काव्यप्रकाश : (मम्मट) (1) षष्ठ एवं सप्तम् उल्लास (सप्तम् उल्लास से केवल रस दोष पठनीय है।) (2) अष्टम् उल्लास (3) षष्ठ, सप्तम् एवं अष्टम् उल्लास के निर्धारित प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न द्वितीय खण्ड : काव्यप्रकाश : (मम्मट) (1) नवम् उल्लास (निर्धारित अलंकारों के भेदोपभेदरहित लक्षण–उदाहरण मात्र) (2) दशम् उल्लास (निर्धारित अलंकारों के भेदोपभेदरहित लक्षण – उदाहरण मात्र) (3) नवम एवं दशम उल्लास के निर्धरित अलंकारों में परस्पर भेद निम्नांकित अलंकार– शास्त्रीय विवेचन व भेदोपभेदरहित केवल लक्षणोदाहरण (1) अनुप्रास (2) यमक (3) श्लेष (4) पुनरूक्तवदाभास (5) वक्रोक्ति (6) उपमा ((7)अनन्वय (8) उपमेयोपमा	संस्तुत पुस्तके– 1. कुन्तक, *वक्रोक्तिजीवितम्* रमाकान्त पाण्डेय, (2012) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय 2. मम्मट *काव्यप्रकाश*, व्या. आचार्य विश्वेश्वर (2009), वाराणसी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड 3. मम्मट, *काव्यप्रकाश*, व्या. आचार्य श्री निवास शर्मा, (2003) वाराणसी भारतीय विद्या प्रकाशन, 4. मम्मट आचार्य *विश्वेश्वर काव्यप्रकाश– 2009 ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी* 5. आचार्य श्री निवास शर्मा, *काव्यप्रकाश, 2003 (भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी* 6. मम्मटाचार्यविरचित *: काव्यप्रकाशः, व्या. झलकीकर रामभट्ट वामनाचार्य, 2013, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान* 7. पाण्डेय . उमाकान्त *वक्रोक्तिजीवितम्– 2012 (जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर*	यथावत्

			(9) उत्प्रेक्षा (10) सन्देह (11)रूपक (12) अपहनुति (13)समासोक्ति (14) निदर्शना (15)अप्रस्तुतप्रशंसा (16) अतिशयोक्ति (17) भ्रान्तिमान् (18) प्रतिवस्तूपमा (19) दृष्टान्त (20) दीपक (21) तुल्योगिता (22) व्यतिरेक (23) आक्षेप (24)विभावना (25) विशेषोक्ति (26) अर्थान्तरन्यास (27) विरोध (28) स्वभावोक्ति (29) भाविक पया (30) पर्यायोक्त (31) काव्यलिंग (32) परिसंख्या (33) कारणमाला (34) असंगति (35) विषम (36) एकावली तृतीय खण्ड : वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तक) 1. प्रथम उन्मेष के मंगलाचरण की कारिका से लेकर 23वीं कारिका (वाच्यवाचकवक्रोक्ति तक 2. 24वीं कारिका(सम्प्रति तत्र ये मार्गा) से लेकर प्रथम उन्मेष की समाप्ति तक 3. वक्रोक्तिजीवितम् के प्रथम उन्मेष के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न **संस्तुत पुस्तके–** 1. काव्यप्रकाश – (मम्मट) 2. वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम उन्मेष (कुन्तक) सहायक पुस्तकें– 1. संस्कृत में सादृश्यमूलक अलंकारों का विकास–डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा	8. *कुन्तक वक्रोक्तिजीवितम्, पाण्डेय रमाकान्त, 2012, जयपुर, जगदीशसंस्कृत पुस्तकालय* 9. *द्विवेदी रामचन्द्र, अलंकार मीमांसा, 1965, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास.* 10. *श्रीवास्तव आनन्द प्रकाश, 2012, आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र* 11. *उपाध्याय बलदेव, (2012 संवत्), भारतीय साहित्यशास्त्र, काशी प्रसाद परिषद्* 12. *पाण्डेय त्रयम्बक गणेश, 1960, भारतीय साहित्य शास्त्र, बम्बई पापुलर बुक डिपो* 13. *Richards 1:A, Principal of Literary Criticism, 1925, Delhi Allied Publishers Ltd* E- Resources- *काव्यप्रकाश–* गंगानाथ झा "काव्यप्रकाश" https://archive.org/details/KavyaPrakash • वक्रोक्तिजीवित– सुशील कुमार डे, ' वक्रोक्तिजीवितम् ' https://archive.org/details/vakroktijivit	

			2. अलंकार मीमांषा– डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी 3. The Poetic Light Pt. I & II - R. C. Dwivedi 4. Principal of Literary Criticism- I.A.Rechards 5. Critical Study of Indian kPoetics- Brhahamanand Sharma 6. आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र– आनन्द प्रकाश श्री वास्तव 7. साहित्यशास्त्रीय तत्वों का आधुनिक समालोचनात्मक अध्ययन– मधुसूदन शास्त्री	a • पी.वी.काणे– "संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास" *https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320814/page/n1*	

संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग 2

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 507**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • नाट्य साहित्य (नाटकादि) के विश्लेषण की क्षमता का विकास • नाट्यकौशल का विकास कर मौलिक अभिव्यक्ति के प्रकाशन की क्षमता मे वृद्धि	**प्रथम खण्ड** : वेणीसंहारम् (भटनारायणः) 1. प्रथम से तृतीय अंक तक 2. चतुर्थ से षष्ठ अंक तक **द्वितीय खण्ड** : दशरूपकम् (कारिका भाग) धनंजय : 1. प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश 2. तृतीय एवं चतुर्थ प्रकाश **तृतीय खण्ड :** 1. वेणीसंहार के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न 2. दशरूपक के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न **संस्तुतपुस्तकानि–** 1. वेणीसंहार की शास्त्रीय समीक्षा– डॉ. शान्ति जैन 2. प्राचीन संस्कृत नाटक– डॉ. रामजी उपाध्याय 3. संस्कृत नाटक– ए बी. कीथ, अनु. उदयभ्झानु सिंह 4. संस्कृत नाटक–समीक्षा– डॉ. इन्द्रपाल सिंह 5. दशरूपकतत्वदर्शनम्– डॉ. रामजी उपाध्याय 6. Studies in Sanskrit Dramatic Criticism- T.C. Mainkar	संस्तुत पुस्तकें– 1 धनंजय, *दशरूपकम्* (2000) व्या. रामजी उपाध्याय, वाराणसी, भारतीय विद्या संस्थान 2. धनंजय, *दशरूपकम्* (2015) व्या. बैजनाथ पाण्डेय, नई दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास E- Resources- *V.Raghavan, 'sanskrit drama: theory and performance'* *https://www.jstor.org/stable/41152424?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2* • S.s. janaki, 'Abhinavgupta's contribution to Sanskrit drama tradition' *https://www.jstor.org/stable/41693343?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2*	यथावत्

			7. Types of Sanskrit Drama- Mankad 8. मध्यकालीन संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय 9. संस्कृत नाट्यसिद्धान्त– रमाकान्त त्रिपाठी 10. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्– रामजी उपाध्याय	*Faction* • Herman Tieken, 'On the use of 'rasa' in studies of Sanskrit drama' *https://www.jstor.org/stable/24663435?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2Faction*	

संस्कृत निबन्धो व्याकरणंच

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 508**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • व्यवहारोपयोगी शब्द भण्डार में वृद्धि कर शब्दों के प्रसंगानुकूल प्रयोग की क्षमता का विकास। • व्याकरणणिक दृष्टि से शब्दों के यथोचित प्रयोग की योग्यता का विकास।	**प्रथम खण्ड** : प्रश्नपत्रे साहित्याास्त्रसमबद्धाः पंचष्ज्ञा निबन्ध–विषयाः तथैव चाधुनिक–संस्कृत–साहित्यं, वैदिक–साहित्य–प्राचीन–संस्कृत–साहित्यं, भ्ज्ञारतीदर्शन–सम्बद्धाःनिबन्धविषयाः प्रस्तोष्यन्ते तेषु दशसु विशयेषु कमप्येकमधिकृत्य–परीक्षार्थियोनीभिः निबन्धो लेखनीयः। (निबन्धः विकल्पसहितः प्रष्टव्यः) **द्वितीय खण्ड** : दशरूपकम् (कारिका भाग) धनंजय : 1. लघुसिद्धान्तकौमुद्यास्तद्धितप्रत्ययकरणम् **तृतीय खण्ड :** 1. लघुसिद्धान्तकौमुद्या समासप्रकरणम् 2. लघुसिद्धान्तकौमुद्या स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम् **निबन्धलेखनाभ्यासार्थ–संस्तुतपुस्तकानि– –** 1. प्रबन्धप्रकाश : डॉ. मंगलदेव शास्त्री 2. निबन्धमंजरी– श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी 3. प्रबन्धप्रदीप : हंसराज अग्रवाल 4. संस्कृत निबन्धनवनीतम् – डॉ. द्विवेदी चतुर्वेदी 5. प्रबन्धकरन्द– श्री नवलकिशोर कांकर 6. प्रस्तावतरंगिणी– श्री चारूदेव शास्त्री	संस्तुत पुस्तकें– 1. दीक्षित, भट्टोजि *वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, बालमनोरमा व्याख्या,* व्या. गोपालदत्तपाण्डेय (2013), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 2. दीक्षित, भट्टोजि *वैयाकरण–सिद्धात–कौमुदी,* (व्या.) बालकृष्ण पंचोली (2007) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान। 3. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी* (2007), व्या. भीमसेन शास्त्री दिल्ली, भैमी प्रकाशन 4. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी* (2010), व्या. अर्कनाथ चौधरी, जयपुर, जगदीश प्रकाशन 5 द्विवेदी, कपिल देव, (2003), प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन 6 द्विवेदी, कपिल देव (2008), संस्कृत निबन्ध शतकम्, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशक।'	

			7. प्रबन्धरत्नाकर– श्री रमेशचन्द्र शुक्ल 8. लघुसिद्धान्तकौमुदी–भैमी व्याख्या 4–6 भागाः– भीमसेन शास्त्री 9. संस्कृत व्याकरण एवं लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी	E-Resourses *लघुसिद्धान्त कौमुदी*– भीमसेन शास्त्री, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485702/page/n1 • नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1	

संस्कृत परियोजना

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 509**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • विद्यार्थियों में शोधात्मक अभिरुचि विकसित करना। • संस्कृत साहित्य की नवीन प्रवृत्तियों के प्रति विद्यार्थियों में रुचि विकसित करना। • विद्यार्थियों में संस्कृत नवाचारमूलक प्रवृत्तियों का विकास करना। • विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल	**संस्कृत वाक् प्रयोग परीक्षा** प्रथम खण्ड– साहित्यविषयमधिकृत्य (कालिदासः, माघः, बाणभट्टः, भवभूतिश्च) द्वितीय खण्ड– साहित्यशास्त्रमधिकृत्य साहित्यशास्त्रम/काव्यम/नाट्यम्, काव्यप्रयोजनानि, काव्यहेतुः काव्यलक्षणज्ञम् काव्यवेदाः, रससूत्रस्य व्याख्याकाराः – उन्पत्तिवादः, अनुमितिवदः, भुक्तिवादः, अभिव्यक्तिवादश्च तृतीय खण्ड– दैनिकव्यवहारमधिकृत्य – वक्तिगतम् दैनिकव्यवहारमधिकृत्य – परिवारगतम्	"संस्कृत परियोजना "– प्रत्येक विद्यार्थी को किसी एक विषय का चुनाव कर शोध–निर्देशक के साथ मिलकर परियोजना कार्य को पूर्ण करना होगा। परियोजना कार्य समसत्रीय परीक्षा से तीन सप्ताह पूर्व जमा किया जाना आवश्यक होगा। परियोजना की अन्तःपरीक्षा सेमिनार एवं साक्षात्कार आधारित होगी एवं बाह्य परीक्षा के लिए परियोजना कार्य को मूल्यांकन हेतु बाह्यय परीक्षक के पास भेजा जाएगा। 60 अंक – परियोजना कार्य का मूल्यांकन – (बाह्य परीक्षक द्वारा) 40 अंक – सेमिनार एवं साक्षात्कार – (अन्तःपरीक्षकों द्वारा)	एम. ए. पाठ्यक्रम में चल रहे "संस्कृतवाक्प्रयोगपरीक्षा" प्रश्न–पत्र के स्थान पर "परियोजना कार्य" का निर्धारित किया गया। जिसके क्रैडिट (अंकभार) हटाए गये प्रश्न–पत्र (संस्कृत वाक्प्रयोगपरीक्षा) के अंक भार के समान होंगे। समिति ने 'परियोजना कार्य' का अनुमोदन किया। शेष पाठ्यक्रम यथावत।

		विकसित करना।	दैनिकव्यवहारगतम् – समाजगतम् टिप्पणीः– संस्कृत वाक्प्रयोग परीक्षा कक्षा में ही क्रियान्वित होगी तथा परीक्षण, कुलपति के आदेशानुसार विश्व विद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षकों द्वारा ही किया जायेगा। सामयिक परीक्षा के रूप में आन्तरिक मूल्याकंन होगा। संस्तुत पुस्तकें– 1 अनुवादकला अथवा वाग्यवहारादश – चारूदेव शास्त्री 2 संस्कृत स्वयंसेवक – श्री सातवलेकर 3 संस्कृत वाक्यप्रबोधः श्रीमत् स्वामिदयानन्दविरिचितः (दयानन्दाश्रम, अजमेर)		

चयनित पाठ्यक्रम (मुक्त चयनित)

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		चयनित पाठ्यक्रम (मुक्त चयनित) के निर्गम चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		चयनित पाठ्यक्रम (मुक्त चयनित)	चयनित पाठ्यक्रम (मुक्त चयनित) समुह की सूची षष्ठ चतुर्थ समसत्र के बाद दी गई है।

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 2

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम के निर्गम चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 2	स्वाध्यायाधारित चयनित समुह की सूची चतुर्थ समसत्र के बाद दी गई है।

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह

आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग 1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 501**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • संस्कृत साहित्य की आधुनिक पद्धतियों का ज्ञान । • आधुनिक संस्कृत साहित्य की गद्य–पद्य विधा से परिचय। • भाव सौन्दर्य एवं कल्पना सौन्दर्य को अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास।	प्रथम खण्ड : शुम्भवधमहाकाव्यम्. त्रयोदश सर्ग–वसन्ततत्रयम्बक शेवडे (1) प्रारम्भ से 30 वें पद्य तक (2) 31वें पद्य से सर्ग समाप्ति पर्यन्त (3) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न द्वितीय खण्ड : शिवराज विजय : (उपन्यास) अम्बिकादत्त व्यासः (1) प्रथम निःश्वास मात्र (2) द्वितीय निःश्वास मात्र (3) शिवराजविजय के प्रथम एवं द्वितय निःश्वास के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न तृतीय खण्ड : आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, महाकाव्य, गीतिकाव्य, उपन्यास के समबद्ध में सामान्य	संस्तुत पुस्तकें– 1. शेवडे, वसन्त त्र्यम्बक (2010), *शुम्भवधमहाकाव्य,* वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, 2. व्यास, अम्बिकादत्त (2017), *शिवराज विजय* , वाराणसी, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, 3. भार्गव, दयानन्द (2015), *आधुनिक संस्कृत साहित्य,* जयपुर, हंसा प्रकाशन 4. उपाध्याय, रामजी (2015–16) *आधुनिक संस्कृत नाट्य* 1–2 वाराणसी,चौखम्बा सुरभारती, E- Resources- शिवराज विजय– देव नारायण मिश्र," *शिवराज विजय"* https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.402748/page/n1 • हीरालाल तिवारी– " शिवराज विजय" https://archive.org/details/Shivarajavijayam/page	यथावत्

			परिचयात्मक प्रश्न या टिप्पणी **संस्तुत पुस्तके–** 1. अम्बिकादत्तव्यास एक अध्ययन– डॉ. कृष्णकुमार अग्रवाल 2. आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ. दयानन्द भार्गव 3. आधुनिक संस्कृत साहित्यानुशीलन– डॉ. रामजी उपाध्याय	/n13	

आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग – 2

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS 502**	1. पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • आधुनिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान • 'विवेकानन्द विजयम्' महानाटक के माध्यम से युवाओं का चारित्रिक विकास। • कथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों का विकास।	प्रथम खण्ड : विवेकानन्दविजम् (नाटकम्) श्रीधर भास्करवर्णेकर (1) 1 से 6 अंक पर्यन्त (2) 7 वे अंक से अन्त तक (3) विवेकानन्दविजयम् नाटक के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न द्वितीय खण्ड : अभिनवकथानिकुंज– कथा संग्रह– सम्पादक– श्री शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदः (1) 1 से 6 कथाएँ (समीक्षात्मक प्रश्न) (2) 7 से 12 तक कथाएँ (समीक्षात्मक प्रश्न) तृतीय खण्ड : आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, नाटक तथा कथा साहित्य के सम्बन्ध में सामान्य परिचयात्मक प्रश्न या टिप्पणी संस्तुत पुस्तके– 1. आधुनिक संस्कृत–साहित्य– डॉ. दयानन्द भार्गव	संस्तुत पुस्तकें– 1. भार्गव दयानन्द, (2015), *आधुनिक संस्कृत साहित्य,* जयपुर, हंसा प्रकाशन। वर्णेकर भास्कर श्रीधर (2017), *विवेकानन्दविजयम्,* जयपुर हंसा प्रकाशन, 2. उपाध्याय, रामजी, (2015–16), आधुनिक संस्कृत नाटक 1–2 भाग वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती, 3. शर्मा, शिवदत्त, *अभिनवकथानिकुन्ज* (संस्कृत कथा संग्रह),(1978), वाराणसी भारतीय विद्या प्रकाशन, 4. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास E- Resources- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • निन्दी पुंज, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81	

			2. आधुनिक संस्कृत साहित्य– हीरालाल शुक्ल 3. आधुनिक संस्कृत साहित्यानुशीलन– डॉ. रामजी उपाध्याय 4. आधुनिक संस्कृत नाट्य भाग 1 व 2 – डॉ. रामजी उपाध्याय	• ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1	

अभिनव काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • प्राचीन एवं अर्वाचीन काव्यशास्त्रीय चिन्तन में तुलनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता का विकास। • संस्कृत साहित्यिक–ग्रन्थों में काव्यशास्त्रीय अनुप्रयोगात्मक दृष्टि का विकास।		**निर्देश :** • यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। • परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से अधिकतम दो व कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। • किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा। **काव्यासत्यलोक – ब्रह्मानन्द शर्मा** प्रथम खण्ड – प्रकृतिगतं सत्यं, प्राणगतं सत्यं, हृदयगतं सत्यं, संस्कृतकाव्यशास्त्रे काव्यस्य लोकसत्येन सह सम्बन्धः, शब्दार्थसाहित्यस्य विवेचनं, काव्ये सूक्ष्मधर्माणामुपादानं, काव्ये सादृश्यविधानं, काव्ये समर्थनोपादानं, काव्ये हेतुप पादनं, काव्ये विरोपधोपादानं अलंकारविवेचनं, व्यापारसूक्ष्मता द्वितीय खण्ड– भावविवेचनं, भावियोगविवेचनं, व्यक्तिगतभावाश्रितस्य	नवीन चयनित प्रश्न पत्र जोड़े गये।

				रसविवेचनस्य समीक्षणं, गुणविवेचनं, काव्यस्य स्वरूपं, काव्यस्य भेदाः, काव्यहेतवः, काव्यप्रयोजनानि कर्मवादस्य विवेचनम्। तृतीय खण्ड – आधुनिक काव्यशास्त्रीय प्रमुख ग्रन्थों का सामान्य परिचय (काव्यालंकारकारिका, अभिनवकाव्यालंकारसूत्र, काव्यसत्यालोक, वागीश्वरीकण्ठसूत्रम् काव्यचमत्कार आदि) **संस्तुत पुस्तकें –** द्विवेदी, रेवा प्रसाद, (1977) *काव्यालंकारकारिका,* वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन त्रिपाठी, राधावल्लभ, (2009) *अभिनवकाव्यालांकरसूत्र,* (व्या.) रमाकांत पाण्डेय, जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय माधव, हर्षदेव, (2011) *वागीश्वरीकण्ठसूत्र* (अनु.) प्रवीण पण्डया, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मिश्र, अभिराजराजेन्द्र, (2006) *अभिराजयशोभूषण,* इलाहाबाद, बैजयन्त प्रकाशन, रामप्रताप, (2012), *काव्यचमत्कार,* Jammu, Highbrow Publications Bari Brahmana	

				E-Resources राधावल्लभ त्रिपाठी.'संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्यपरम्परा' *Shttps://archive.org/details/SanskritKavyaShastraAurKavyaParamparaRadhaVallabhTripathi_201801*	

उपनिषद् –साहित्य

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • आध्यात्मिक व व्यावहारिक समझ विकास । • जीवन मूल्यों का ज्ञान।		**निर्देश :** • यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। • परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से अधिकतम दो व कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। • किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा। **उपनिषद् साहित्य** प्रथम खण्ड – ईशावास्योपनिषद्, केनोपनिषद् द्वितीय खण्ड – कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) तृतीय खण्ड – तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षा वल्ली)	नवीन चयनित प्रश्न पत्र जोड़े गये।

				संस्तुत पुस्तकें – 1. *ईशादि नौ उपनिषद्* (2013) गोरखपुर, गीता प्रेस 2. शंकराचार्य ईशादिनौउपनिषद्शांकरभाष्य (2007), गोरखपुर गीता प्रेस, 3. *कल्याण उपनिषद्* अंक (2015) – गोरखपुर, गीता प्रेस 4. शर्मा, रघुनन्दन (2004) *वैदिकसम्पत्ति,* हिन्डौनसिटी, घूड़मल आर्य, प्रहलाद कुमार धर्मार्थ ट्रस्ट 5. पाण्डेय, गोविन्द्र चन्द्र (2008) *वैदिकसंस्कृति,* इलाहबाद लोकभारती प्रकाशन 6. श्री अरविन्द, (2015) *वेदरहस्य,* पॉण्डिचेरी, श्री अरविन्दाश्रम 7. Das Gupta, Surendranath (1961) *History of Indian Philosophy,* London Combridge University Press 8. Radhakrishanan, S. (1997) *The Principles Upnishads* , Newyork, Harper 9. भगवद्दत्त (1931) *वैदिक वाङ्मय का इतिहास,* नई	

				दिल्ली प्रणय प्रकाशन **E-Resources-** **उपनिषद् साहित्य** राम शर्मा आचार्य, 108 उपनिषद् https://archive.org/details/HindiBook108UpanishadsPart1brahmaVidyaKhanadaPt.ShriramSharmaAcharya ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.343456/page/n1 रामरंग शर्मा, कठोपनिषद् https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487479 केनोपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320432/page/n1 बद्रीदत्त शर्मा, प्रश्नोपनिषद् https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345429 राजवीर शास्त्री, उपनिषद भाष्य https://archive.org/details/UpanishadBhasya देवदत्त शास्त्री, उपनिषद् मन्दाकिनी	

संस्कृत साहित्य की आधुनिक विधाएँ

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • काव्यसर्जना के सौन्दर्यबोध एवं भाव को जाग्रत कर मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास ।		**प्रथम खण्ड़ – आधुनिक पद्य काव्य** • चरितप्रधान काव्य • प्रतीकात्मक काव्य • अनूदित काव्य • व्यंग्य काव्य • समस्यापूर्ति **द्वितीय खण्ड़ – आधुनिक गद्य काव्य** • उपन्यास • लघुकथा • यात्रावृत्त • जीवनी • आत्मकथा • संस्मरण • रेडियोरूपक • रिपोर्ताज • डायरी **तृतीय खण्ड– आधुनिक चम्पू एवं नाट्य** • आर्षकाव्याधारित चम्पू • समसामयिक विषयधारित चम्पू • एकांकी नाटक • छाया नाटक • रेडियोरूपक	

				संस्तुत पुस्तकें– • उपाध्याय, बलदेव, (2000), संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास, (सप्तम खण्ड, लखनऊ, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान। • भार्गव, दयानन्द, (1988), आधुनिक संस्कृत साहित्य, जोधपुर, राजस्थानी, ग्रन्थागार। • शास्त्री, कलानाथ, (1995), आधुनिक काल का गद्य साहित्य, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान। • शुक्ल, हीरालाल, (1971), आधुनिक संस्कृत साहित्य इलाहाबाद, रचना प्रकाशन। E- Resources- • संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81 • ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1	

संस्कृत रेडियो रूपक

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • छात्राएँ संस्कृत साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित होंगी। • संस्कृत रेडियों रूपकों के माध्यम से छात्राओं में संस्कृत साहित्य के अभिनव प्रयोग की दृष्टि प्राप्त होगी। • संस्कृत साहित्य एवं संचार तकनीक के साधनों के उपयोग की समझ का विकास।		**प्रथम खण्ड़:** आधुनिक संस्कृत विधाएँ संस्कृत रेडियो रूपक का इतिहास **द्वितीय खण्ड़** पूर्वशाकुन्तलम् गंगा लहरी न हि भोजसमो नृपः **तृतीय खण्ड़** सत्यमेव जयते वेताल–कथा **सन्दर्भ पुस्तकें–** • आचार्य, डॉ हरिराम, (2002), पूर्वशाकुन्तलम्, जयपुर, हंसा प्रकासन। • कुमार, सिद्धनाथ, रेडियो नाटक की कला, • सिंह, इन्द्रपाल, संस्कृत नाटक समीक्षा, कानपुर, साहित्य निकेतन। • पाण्डेय, डॉ रामजी, भारतीय नाटय सिद्धान्तः उद्भव और विकास (संस्कृत एवं हिन्दी नाटकों के विशेष सन्दर्भ में), पटना, बिहार राजभाषा परिषद्। • भरतमुनि, नाट्यशास्त्रम् व्या. प्रो. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन। • Mehta Tarla, (1999), Delhi, Sanskrit Play Production in Ancient India, Motilal Banarsidas Publishers. E- Resources- • Abhigyan Shakuntam https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485570 • Bhartiya Natya Siddhant https://archive.org/details/BhartiyaNatyaSiddhantaUdbhavaAurVikasDr.RamjiPandeyPart2	

संस्कृत भाषा चिन्तन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • छात्राएँ संस्कृत भाषा चिन्तन (व्याकरणादि) के उद्भव एवं विकास से परिचित होंगी। • सस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण का ज्ञान होगा। • संस्कृत भाषा चिन्तन के विकास क्रम, समकालीन भाषा एवं व्याख्या पद्धतियों का ज्ञान।		**प्रथम खण्ड– संस्कृत भाषा चिन्तन का परिचय** • उच्चारण • पद – रूप • शाब्दबोध **द्वितीय खण्ड़– संस्कृत भाषा चिन्तन का उद्भव–** इन्द्र से पाणिनि तक विभिन्न व्याकरणिक कोटियाँ **तृतीय खण्ड.– पाणिन्युत्तर संस्कृत भाषा चिन्तन का सामान्य अध्ययन** • कात्यायन • पतंजलि • जयादित्य • भर्तृहरि • धर्मकीर्ति • रामचन्द्र • नारायण भट्ट • भट्टोजि दीक्षित • वरदराज • कौण्ड भट्ट • नागेश भट्ट • वामन शिवराम आप्टे • चारूदेव शास्त्री	

				• ब्रह्मदत्त जिज्ञासु • पुष्पा दीक्षित **संस्तृत पुस्तकें–** • मीमांसक, युधिष्ठिर, (1973), संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास, सोनीपत, रामलाल कपूर ट्रस्ट प्रेस। • भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या.पं. रघुनाथ शर्मा, (1975) वाराणसी, चौखम्भा, संस्कृत संस्थान, • भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या. शिवशंकर अवस्थी, (2006) वाराणसी, चौखम्भा विद्या भवन, • पतंजलि, *व्याकरण–महाभाष्यम्,* व्या. जयशंकरलाल त्रिपाठी (2013) वाराणसी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी • पतुजलि, व्याकरणमहाभाष्य, व्या॰ चारुदेव शास्त्री (2017) दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास • Sharma,Rama Nath (2002) *The Ashtadhyayi of Panini*, New Delhi, Munshiram Manoharlal • Dikshit , Pushpa , (2018) *Ashtadhyayi Sahajbodh* Delhi , Pratibha Prakashan • Shastri , Charudev Shastri (1969) *Vyakaranchandrodaya* , Delhi , Motilal Banarasidas • Kapoor, Kapil, (2005) *Text and Interpretation : The Indian Tradition,* D.K.Printworld, New Delhi • Kapoor , Kapil ,(2005) *Dimensions of Panini Grammar (The Indian Grammatical System)* , Delhi , D.K. Printworld	

				E- Resources- ***Vyakarana chndrodya*** https://archive.org/details/vyakarana_chandrodaya_1 ***The Ashtadhyayi of panini*** https://archive.org/details/TheAshtadhyayiOfPanini-RamNathSharma ***Ashtadhyayi Sahajbodh*** https://www.exoticindiaart.com/book/details/ashtadhyayi-sahajabodha-paniniya-pauspi-prakriya-approach-to-paniniya-ashtadhyayi-set-of-5-volumes-NZL081/ ***Sanskrit Vyakaranshastra ka itihaas*** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.308409	

संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण विज्ञान

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • वैदिक एवं लौकिक साहित्य सम्बन्धी ज्ञानावबोध में वृद्धि। • पर्यावरण चेतन का विकास। • शोध प्रवृत्ति का रूचिपूर्वक विकास। • संस्कृत साहित्य को अन्तर्वैषयिक सम्बन्धों को समझने की क्षमता का विकास।		**प्रथम खण्ड़– पर्यावरण का स्वरूप** पर्यावरणः परिचय और परिभाषा, पारिस्थितिकी तंत्र, पर्यावरण के कारक – भूतलीय कारक– पर्वत, वनस्पति, जलीय कारक–ताप, नदियाँ, मानसून, वर्षा, पवन, ऋतुएँ, जलवायु जैविक कारक– जीव–जन्तु, मानव–पर्यावरण सम्बन्ध, पर्यावरण समस्याः समाधान, पर्यावरण संरक्षणः महत्व एवं दायित्व प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न **द्वितीय खण्ड़– वैदिक साहित्य में पर्यावरण विज्ञान** प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न **तृतीय खण्ड़– कालिदास के साहित्य मे पर्यावरण विज्ञान** प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न **संस्तुत पुस्तकें** • ऋग्वेद संहिता (1977), नई दिल्ली वेद प्रतिष्ठान। • अथर्ववेद (1961), होशियारपुर, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान। • कालिदास, रघुवंशम् व्या. हरगोविन्द शास्त्री (1953), वाराणसी चौखम्बा संस्कृत सीरीज। • कालिदास, कुमारसंभवम्, संपा. सूर्यकान्त (1966), दिल्ली, साहित्य अकादमी। • कालिदास, ऋतुसंहारम्, (1962), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज। • कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, संपा. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल	

				बेनीमाधव, (1968), इलाहबाद। • मालविकाग्निमित्रम संपा. माहनदेव पन्त, संसारचन्द्र, (1968), दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास। • मेघदूतम्, व्या. शेषराजरेग्मी, (1987), वाराणसी, चौखम्बा विश्वभवन। • चतुर्वेदी सीताराम (2014), कालिदास ग्रन्थावली, लखनऊ, उत्तरप्रदेश, संस्कृत संस्थान। • रस्तोगी वन्दना (2000), प्राचीन भारत में पर्यावरण चिन्तन, जयपुर, पब्लिकेशन स्कीम। • कुलश्रेष्ठ सुषमा, शुक्ल लक्ष्मी, कुलश्रेष्ठ आभा (2011), संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण, दिल्ली, ईस्टर्न बुक लिंकर्स। • द्विवेदी, कैलाशनाथ, (2015), कालिदास भूगोल, जयपुर, रचना प्रकाशन। E- Resources • Sanskrit Sahitya ka Itihaas https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677 • Environmental Studiess https://books.google.co.in/books?id=Fhl-EJMGLfcC&printsec=frontcover#v=onepage&q&f=false	

प्राचीन भारत में स्त्री शिक्षा

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • भारतीय संस्कृति का ज्ञान। • प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य में निहित स्त्री शिक्षा विषयक ज्ञान की प्राप्ति। • निर्धारित साहित्य में विद्यमान शिक्षा – सम्बन्धी मूल्यों का बोध होगा।		**प्रथम खण्ड** • वैदिक साहित्य परम्परा में स्त्री शिक्षा **द्वितीय खण्ड** • जैन एवं बौद्ध साहित्य परम्परा में स्त्री शिक्षा **तृतीय खण्ड** • आर्षकाव्य एवं कालिदासपर्यन्त साहित्य में स्त्री शिक्षा **संस्तुत पुस्तकें–** • उपाध्याय भरतसिंह, (1950), *थेरी गाथाएँ : भिक्षुणियों के भावनापूर्ण उद्गार,* सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन। • कुमार, कृष्ण, (1950), *प्राचीन भारत की शिक्षा पद्धति,* नईदिल्ली, श्री सरस्वती सदन, । • काणे पी. वी.,(1990), *धर्मशास्त्र का इतिहास,* (अनु.) अर्जुन चौबे कश्यप, लखनऊ, हिन्दी समिति सूचना विभाग, । • गुप्ता राजेशचन्द्र, (1950), *बौद्ध दर्शन का प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति पर प्रभाव(वर्तमान शिक्षा के सन्दर्भ में इसकी उपादेयता),* नई दिल्ली, राधा पब्लिकेशन्स। • घोष इला, (2007), *ऋग्वैदिक ऋषिका,* , दिल्ली , ईस्टर्न बुक लिंकर्स,। • घोष इला, (2012), *वैदिक संस्कृति संरचना(नारी योगदान विभूषित),* दिल्ली , ईस्टर्न बुकलिंकर्स	

- पोद्दार, हनुमान प्रसाद, (2009), *नारी शिक्षा,* गोरखपुर, मोतीलाल जलान, गीताप्रेस।
- मिश्र बाबूलाल, (2003), *महाभारतकालीन शिक्षा ,प्रणाली,* प्रतिभा प्रकाशन,।
- सफाया, रघुनाथ, (2011), *संस्कृत शिक्षण* ,पंचकूला, हरियाणा साहित्य अकादमी।
- मुकर्जी राधाकुमुद, (1971), *हिन्दू सभ्यता,* (अनु.) वासुदेवशरण अग्रवाल, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- Altekar A.S Altekar, (1944), *Education in Ancient India*, Nand kishore & Bros. Banaras
- Altekar A.S, (1938), *The Position of Women in Hindu Civilisation (From Prehistoric times to the Present Day)*, Banaras, The Culture Publication House.
- Bhawalkar, Vanmala, (1999), *Women in the Mahabharata*, Delhi, sharda publishing house.
- Chaturvedi Badrinath, (2008), *The Women of the Mahabharata The Question of Truth*, Delhi, Orient Longman Private Limited.
- Das S.K, (1930), Calcutta *The Educational System of the ancient Hindus*.
- Dharampal, (2007), *The Beautiful Tree:Indigenous indian Education in the Eighteenth Century*,Goa, Other India Press.
- Idaykidath v.s, (2000), *Upnishads on Education*, Thiruvananth puram-34.
- Keay F.E, (1960), *Ancient Indian Education : an enquiry into its origin development and ideas*, New delhi Cosmo Publication.
- Mazumder Nogendra Nath, (1916), *A History of Education in ancient india*, Calcutta, Macmillian & Co., Ltd.
- Mookerji, Radha Kumud, (1947), *Ancient Indian Education (Brahmanical and Buddhist)*, London Macmillan and Co., Limited,.

E- Resources-

				History of Dharmashastra https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.37698 https://archive.org/details/historyofdharmas029210mbp/page/n8 https://archive.org/details/HistoryOfDharmasastraancientAndMediaevalReligiousAndCivilLawV.4/page/n2 https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.49709 ***The Position of Women in Hindu Civilisation*** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.100033/page/n3 ***Education in Ancient India*** https://archive.org/details/educationinancie032398mbp	

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह सूची

संस्कृत नाट्य व सिनेमा

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • नाट्य के सामान्य स्वरूप व प्रमुख सिद्धांतों का अवबोध। • नाट्य साहित्य की शास्त्रीय (तात्विक) समीक्षा दृष्टि का विकास। • नाट्य के सिद्धांतों का विभिन्न भाषाई सिनेमा में अनुप्रयोग संबंधी समझ का विकास। • शास्त्रीय अभिनय कौशल का विकास। • नाट्य सिद्धांतों का नाटक व		• नाट्य का स्वरूप एवं प्रकार, इतिवृत्त विधान, पात्र–योजना नायक के प्रकार व गुण, नायक के सहायक, नायिका के भेद व गुण नायिका की सहायिकाएँ, वृत्ति व प्रवृत्ति–विचार, नाट्य प्रयोग विज्ञान (अभिनय का स्वरूप व उसके प्रकार), रसविमर्श (रस व भाव विवेचन) • समीक्ष्य नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम् (वस्तु, नेता, वृत्ति, अभिनय व रसादि नाट्य तत्वों के आधार पर) • नाट्यसिद्धांत आधारित समीक्ष्य फिल्म शंकराचार्य (संस्कृत फिल्म) मदर इण्डिया (हिन्दी फिल्म) गाँधी (अंग्रेजी फिल्म) संस्तुत पुस्तके– 1. अभिनवगुप्तपादाचार्य, *अभिनवभारती,* भाग 1–4, गायकवाड़	स्वाध्यायाधारित नवीन प्रश्न पत्र जोड़े गये।

		सिनेमा में अनुप्रयोगात्मक दक्षता का विकास।		ओरियण्टल सीरिज, बड़ौदा, 1934, मुद्रित 2. अभिनवगुप्तपादाचार्य, *अभिनवभारती,* (व्या.) विश्वेश्वर, (1973) हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,, मुद्रित 3. गोस्वामी, रूप, *नाटकचन्द्रिका* (व्या., सं.) बाबूलाल शुक्ल (1964), चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी,, मुद्रित 4. जगन्नाथ, *रसगंगाधर,* (सं.) मथुरानाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास (1983), दिल्ली,, मुद्रित 5. धनंजय, *दशरूपक,* (सं.) श्री निवास शास्त्री, (1994) साहित्य भंडार, मेरठ,, मुद्रित 6. नन्दिकेश्वर, *अभिनयदर्पण,* (अनु.) देवदत्त शास्त्री, (1956) इलाहाबाद,, मुद्रित 7. नन्दिकेश्वर, *भरतार्णव,* (1957) साहित्य अकादमी, दिल्ली,, मुद्रित 8. भरत, *नाट्यशास्त्र,* (व्या.) ब्रजमोहन चतुर्वेदी, (1998) विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली,, मुद्रित 9. भरत, *नाट्यशास्त्र (अभिनवभारती, भाग–1),* (सं.) जी.एच भट्ट, (1956) गायकवाड़ ओरियण्टल सीरिज, बड़ौदा,, मुद्रित 10. भरत, *नाट्यशास्त्रम् (अभिनवभारती सहित),* रामचन्द्र कवि, (1964) गायकवाड़ ओरियण्टल सीरिज, बड़ौदा, मुद्रित 11. प्रवीर प्रचण्ड अभिनव सिनेमा, (2018) दिल्ली वाणी प्रकाशन 12. भारद्वाज विनोद, सिनेमाः कल, आज कल (2018) दिल्ली वाणी प्रकाशन 13. रजा मासूम राही, सिनेमा, और संस्कृति , दिल्ली वाणी	

प्रकाशन

E- Resources-

- Hawaii, Adjunct Fellow East-West Center, WimalDissanayake, and Anthony Guneratne, eds. *Rethinking Third Cinema*. Routledge, 2004.

https://books.google.com.gi/books?id=aEaFAgAAQBAJ&printsec=frontcover#v=onepage&q&f=false

- Pauwels, Heidi RM. *The Goddess as Role Model: Sita and Radha in Scripture and on Screen*. Oxford University Press, 2008.

http://www.theenglishfaculty.org/ex92caaaqbaj

- Wundt, Wilhelm. *The language of gestures*. Vol. 6. Walter de Gruyter, 2010.Retrived from

https://books.google.nl/books?id=dyv4ORT4k6kC&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwjWvIjxpeffAhVIsKQKHWMjB_Q4ZBDoAQhYMAk#v=onepage&q&f=false

- Gerould, Daniel Charles, ed. *Theatre, theory, theatre: the major critical texts from Aristotle and Zeami to Soyinka and Havel*. Hal Leonard Corporation, 2000.

https://books.google.nl/books?id=pENMAgAAQBAJ&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwjbweuqpeffAhWrsaQKHWWNAOk4RhDoAQhXMAg#v=o

				nepage&q&f=false • Richmond, Farley P., Darius L. Swann, and Phillip B. Zarrilli, eds. *Indian theatre: traditions of performance*. Vol. 1. MotilalBanarsidass Publ., 1993. https://books.google.nl/books?id=OroCOEqkVg4C&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwiS3pOOpOffAhXDCewKHf5fAXQ4KBDoAQhBMAU#v=onepage&q&f=false • Devy, G. N., ed. *Indian literary criticism: theory and interpretation*. Orient Blackswan, 2002. https://books.google.nl/books?id=FMF2PL7HgeEC&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwi-iZaao-ffAhXRzaQKHSVmAg44FBDoAQg6MAM#v=onepage&q&f=false • Pollock, Sheldon. *A Rasa Reader: Classical Indian Aesthetics*. Columbia University Press, 2016. https://books.google.nl/books?id=ub51CwAAQBAJ&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwi-iZaao-ffAhXRzaQKHSVmAg44FBDoAQgpMAA#v=onepage&q&f=false • Schuyler, Montgomery. *A bibliography of the Sanskrit drama: with an introductory sketch of the dramatic literature of India*. Vol. 3. Columbia University Press, 1906.	

				https://books.google.nl/books?id=_tb_tuSDBEoC&pg=PA16&dq=sanskrit+natya+and+drama&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwi28fC0oufAhXFCOwKHQa2CnA4FBDoAQgpMAA#v=onepage&q&f=false • Mishra, Hari Ram. *The theory of rasa in Sanskrit drama, with a comparative study of general dramatic literature*. VindhyachalPrakashan, 1964. • INDIAN DRAMATIC TRADITION AND NEW FORMS http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/152405/4/08_chapter_1.pdf • Partrayal of Society in Sanskrit Natya Literature https://www.exoticindiaart.com/book/details/partrayal-of-society-in-sanskrit-natya-literature-NZC104/ Patnaik, Priyadarshi. *Rasa in Aesthetics: An Application of Rasa Theory to Modern Western Literature*. New Delhi: DK Printworld, 1997. • राधावल्लभ त्रिपाठी.'संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्यपरम्परा' https://archive.org/details/SanskritKavyaShastraAurKavyaParamparaRadha • Sensible Cinema and Natyashastra http://indiafacts.org/sensible-cinema-natyashastra	

संस्कृत पत्रकारिता

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	**SANS**	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • पत्रकारिता के महत्व और प्रासंगिकता के प्रति समझ का विकास। • शैक्षिक, भाषाई, साहित्यिक व सांस्कृतिक पत्रकारिता आदि की वर्गीकरण की क्षमता व उनकी मूल अवधारणा का अवबोध। • संस्कृत समाचार लेखन–कौशल का विकास। • पत्रकारिता के स्वरूप व उसके विविध आयामों की सामाजिक भूमिका के प्रति समन्वयात्मक दृष्टिकोण का विकास। • संस्कृत पत्रकारिता के सामने व्याप्त चुनौतियों एवं संभावनाओं को समझने एवं विश्लेषण करने की अवबोध क्षमता का विकास		**<u>संस्कृत पत्रकारिता</u>** **पत्रकारिता का स्वरूप और विकास** • पत्रकारिता का अर्थ और स्वरूप • पत्रकारिता के विभिन्न रूप व क्षेत्र • विश्व व भारतीय पत्रकारिता का परिचय • पत्रकारिता के विभिन्न माध्यम • पत्रकारिता के सिद्धान्त **संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास** • संस्कृत पत्रकारिता का प्रारम्भ • संस्कृत पत्रकारिता के माध्यम व क्षेत्र • संस्कृत पत्र–पत्रिकाएँ एवं पत्रकार व्यक्तित्व परिचय • संस्कृत पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियॉ	स्वाध्यायाधारित नवीन प्रश्न पत्र जोड़े गये।

				• संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का वितरण **संस्कृत पत्रकारिता एवं समकालीन सन्दर्भ** • संस्कृत पत्रकारिता व प्रौद्योगिकी • संस्कृत पत्रकारिता और समाज • संस्कृत पत्रकारिता के विभिन्न आयाम ▪ भाषा साहित्य ▪ शिक्षा ▪ महिला संस्तुत पुस्तके– 1 जयचन्द्रन आर॰ साहित्यिक पत्रकारिता का यागदान, (2012) वाणी प्रकाशन 2 मालवीय सौरभ, रास्टवादी पत्रकारिता क श्चिार पुरुष अठल बिहारी वाजपंयी (208) दिल्ली , वाणी प्रकाशन ▪ मिश्र रामगोपाल (1976) *संस्कृत पत्रकरिता का इतिहास,* दिल्ली, विवेक प्रकाशन ▪ **Suggested E-Resources** संस्कृत पत्रकरिता का इतिहास ▪ https://archive.org/details/SanskritPatrakaritaKaItihasRamGopalMishra1976/page/n15	

				संस्कृत पत्रकरिता पर विशिष्ट व्याख्यान ▪ https://sanskritaprasruti.wordpress.com/2016/11/27/ ▪ https://www.youtube.com/watch?v=KWWLrYsqTWI&t=347s ▪ https://www.youtube.com/watch?v=ufPvgYfqu94&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy&index=24 ▪ https://www.youtube.com/watch?v=7MUL9SBcWuU&index=26&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy ▪ https://www.youtube.com/watch?v=Y6YpA8khi2E&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy&index=27 ▪ https://www.youtube.com/watch?v=dTlKGxi49SE&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy&index	

				=28 ▪ https://www.youtube.com/watch?v=GfUpmZkhJ3A&index=29&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy ▪ https://www.youtube.com/watch?v=WQR9nN9MCRc&index=1&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy	

संस्कृत में कला चिन्तन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • कलात्मक अभिरूचि का विकास। • कला परक सिद्धान्दतों के प्रति सौन्दर्य द ृष्टि का विकास		• कला का अर्थ एवं स्वरूप संस्कृत कला शास्त्रीय ग्रन्थों का सामान्य परिचय • नाट्यशास्त्र, ललित विस्तर, अग्नि पुराण, विष्णु धर्मोत्तरपुराण, समरांगण सूत्रधार, मानसार , विश्वकर्मा प्रकाश, संगीतरत्नाकर, अभिनव भारती, आदि • कला का स्वरूप भेद एवं अन्तः सम्बन्ध • ललित कलाओं का सौन्दर्य शास्त्रीय चिन्तन **संस्तुत पुस्तकें–** • *दीक्षित, सुरेन्द्रनाथ, (1989) भरत और भारतीय नाट्यकला, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।* • *पाण्डेय, के.सी. ;1967द्ध स्वतन्त्र कलाशास्त्र, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरिज।* • झारी, कृष्णदेव, (1985) *भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत,* नई दिल्ली, शारदा प्रकाशन। • दीक्षित, हरिनारायण, (1995) *भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा,* दिल्ली, ईस्टर्न बुक लिंकर्स। • पाण्डेय, रमाकांत, (2009) *आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र समीखणम्,* जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय। • शुक्ल, रामलखन, (1973) *भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांत,* गाजियाबाद, अमित प्रकाशन।. • त्रिपाठी, राममूर्ति, (2009)*भारतीय काव्य विमर्श,* वाणी प्रकाशन।	

				• अज्ञेय, सच्चिदानंद हीरानंद, वात्स्यायन, (2010) भारतीय कला दृष्टि नई दिल्ली, सस्ता साहित्य मण्डल। • coomarswamy, anand k. (2012) The Dance of Shiva New Delhi. Munsiram manoharlalA • coomarswamy, anand k. (1956) Introduction to Indian Art Adyar the theosophical Publication house. E- Resources- Dance of Shiva https://archive.org/details/in.gov.ignca.23032/page/n7 Abhinavagupta An Historical And Philosophical Study K C Pandey https://archive.org/details/AbhinavaguptaAnHistoricalAndPhilosophicalStudyKCPandey Comparative Aesthetics K. C. Pandey 1. https://archive.org/details/ComparativeAestheticsVol.1IndianAestheticsK.C.Pandey	

पौराणिक भौगोलिक चिन्तन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • भौगोलिक तत्त्वों का छात्राओं को ज्ञान होगा। • पुराणों में भौगोलिक तत्त्वों का अन्वेषण करने में सक्षम होंगी।		• पुराण शब्द की व्युपत्ति, अर्थ एवं लक्षण • पुराणों के अष्टादश भेद एवं परिचय • भूगोल का स्वरूप, प्रमुख भौगोलिक तत्त्व • अष्टादश पुराणों में भौगोलिक तत्त्व **सन्दर्भ पुस्तकें –** • वेदव्यास, अग्नि पुराण, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज। • वेदव्यास, कूर्म पुराण, वाराणसी, इण्डोलॉजिकल, बुक हाउस। • वेदव्यास, गरूड पुराण, देहली, नाग प्रकाशन। • वेदव्यास, पद्म पुराण, देहली, नाग प्रकाशन। • वेदव्यास, बृह्म पुराण, देहली, नाग प्रकाशन। • वेदव्यास, बृह्मवैवर्त पुराण, कलकत्ता, अरूणोदय प्रकाशन। • वेदव्यास, ब्रह्माण्ड पुराण, वाराणसी, कृष्णदास अकादमी। • वेदव्यास, भविष्यपुराण, देहली, नाग प्रकाशन। • वेदव्यास, मत्स्य पुराण, देहली, मेहरचन्द लक्ष्मणदास। • वेदव्यास, मार्कण्डेय पुराण, देहली, संस्कृति संस्थान। • वेदव्यास, लिंग पुराण, देहली, अरूणोदय प्रकाशन। • वेदव्यास, वराह पुराण, देहली, नाग प्रकाशन। • वेदव्यास, वामन पुराण, वाराणसी, सर्वभारतीय काशीराजन्यास। • वेदव्यास, वायु पुराण, गोरखपुर, गीता प्रेस। • वेदव्यास, विष्णु पुराण, गोरखपुर, गीता प्रेस। • वेदव्यास, शिव पुराण, काशी, पण्डित पुस्तकालय। • वेदव्यास, श्रीमद्भागवत् पुराण, कलकत्ता, गोपाल प्रिटिंग वर्क्स। • वेदव्यास, स्कन्द पुराण, देहली, नाग प्रकाशन।	

				• सिंह सविन्द्र, पर्यावरण भूगोल, इलाहबाद, प्रयाग पुस्तक भवन। • सिंह, कृष्ण चन्द, (2005), पुराणों में सृष्टि एवं प्रलय, दिल्ली, सत्यम पब्लिशिंग हाउस। • शर्मा विष्णु दत्त, पर्यावरणीय भूगोल, दिल्ली, आर्य प्रकासन मण्डल। • उपाध्याय बलदेव, पुराण विमर्श, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन। • उपैति, थानेशचन्द्र, (1986), पुराण तत्त्व विमर्श, दिल्ली, परिमल पब्लिकेशन्स। E- Resources- • Puran vimarsh(Baldev Upadhyaya) https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.545478/page/n11 • Agni Puran https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/agni-puran.pdf • Bhagavat Puran https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/bhagwat-puran.pdf • Bhavishya Puran https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/bavishya-puran.pdf • Brahm Puran https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/bramha.pdf • Skand Puran https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/sakand-puran.pdf	

भारतीय लिपि विज्ञान

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
		पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • छात्राओं को प्राचीन भारतीय लिपियों के ज्ञान का बोध होगा। • भारतीय इतिहास के प्राचीन स्रोतों को पढ़ने एवं समझने की योग्यता का विकास होगा।		• लिपि पद से अभिप्राय एवं परिभाषाएँ • लिपि का स्वरूप एवं भेद, • लिपि का इतिहास • सैन्धव लिपि • ब्राह्मी लिपि • खरोष्ठी लिपि • देवनागरी लिपि **सन्दर्भ पुस्तकें–** • पाठक, रघुवंश मणि, भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा तथा लिपि, लखनऊ, संवेदना प्रकाशन। • सत्येन्द्र, संस्कृत पाण्डुलिपि विज्ञान, इलाहबाद, हिन्दी प्रचारणी सभा। • ओझा, गौरीशंकर हीराचन्द, राम बहादुर, (1971), भारतीय प्राचीन लिपिमाला, नई दिल्ली, मुंशीराम मनोहरलाल। E- Resources- • Bhartiya pracheen lipimala https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.483822/page/n3 • Hindi Bhasha evam Naagri Lipi ka itihaas https://epustakalay.com/wp-content/uploads/2018/05/hindi-bhasha-aur-nagari-lipi-ka-vikas-by-baal-govind-mishra.jpg	

एम.फिल. (संस्कृत)

प्रथम समसत्र

संस्कृत शोध प्रविधि एवं शोध सर्वेक्षण

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	SANS 604	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • संस्कृत शोध सर्वेक्षण कौशल विकास। • संस्कृत शोध प्रविधि का अधिगम।	**शोध प्रविधि –** शोध की परिभाषा, संस्कृत शोध की विशेषताएँ, शोध का उद्देश्य एवं क्षेत्र, संस्कृत शोध का स्वरूप। संस्कृताध्ययन की शाखाएँ तथा उनमें किए गए शोध के विविध रूप एवं पद्धतियाँ। **शोध प्रविधि –** संस्कृत शोध का विषय चयन, शोध–योजना का निर्माण, शोध विषयक संक्षिप्त रूपरेखा। सामग्री संकलन के स्रोत तथा सिद्धान्त। अनुबन्ध योजना – पूर्वानुबन्ध– प्राक्कथन, विषयानुक्रमणी, भूमिका, सन्दर्भग्रन्थ–संकेतसूची, पश्चानुबन्ध– परिशिष्ट, सन्दर्भग्रन्थ सूची, नामानुक्रमणी, शोध का सारांश, सन्दर्भोल्लेखन, सामग्री वर्गीकरण, विश्लेषण एवं विभाजन, प्रबन्ध–लेखन **संस्कृत पाण्डुलिपि विज्ञान –** पाण्डुलिपि विज्ञान परिचय, पाण्डुलिपि के पर्याय – हस्तलिखित, मातृका, पाण्डुलिपि, पाण्डुलिपि का स्वरूप, लिपि का इतिहास, पाण्डुलिपि में पाठ भ्रष्टता के कारण, पाण्डुलिपियों के शत्रु एवं उपचार, भारत के प्रमुख शोधागारों का परिचय, सम्पादन पद्धति एवं काल निर्धारण, आलोचनात्मक संस्करणों का अध्ययन, महाभारत (पूना सं.), लिखित रामायण (बड़ौदा सं.) **वैदिक साहित्य एवं संस्कृत व्याकरण शास्त्र के प्रमुख**	**शोध प्रविधि –** शोध की परिभाषा, संस्कृत शोध की विशेषताएँ, शोध का उद्देश्य एवं क्षेत्र, संस्कृत शोध का स्वरूप। संस्कृताध्ययन की शाखाएँ तथा उनमें किए गए शोध के विविध रूप एवं पद्धतियाँ। **शोध प्रविधि –** संस्कृत शोध का विषय चयन, शोध–योजना का निर्माण, शोध विषयक संक्षिप्त रूपरेखा। सामग्री संकलन के स्रोत तथा सिद्धान्त। अनुबन्ध योजना – पूर्वानुबन्ध– प्राक्कथन, विषयानुक्रमणी, भूमिका, सन्दर्भग्रन्थ–संकेतसूची, पश्चानुबन्ध– परिशिष्ट, सन्दर्भग्रन्थ सूची, नामानुक्रमणी, शोध का सारांश, सन्दर्भोल्लेखन, सामग्री वर्गीकरण, विश्लेषण एवं विभाजन, प्रबन्ध–लेखन **संस्कृत पाण्डुलिपि विज्ञान –** पाण्डुलिपि विज्ञान परिचय, पाण्डुलिपि के पर्याय – हस्तलिखित, मातृका, पाण्डुलिपि, पाण्डुलिपि का स्वरूप, लिपि का इतिहास, पाण्डुलिपि में पाठ भ्रष्टता के कारण, पाण्डुलिपियों के शत्रु एवं उपचार, भारत के प्रमुख शोधागारों का परिचय, सम्पादन पद्धति एवं काल निर्धारण, आलोचनात्मक संस्करणों का अध्ययन, महाभारत (पूना सं.), लिखित रामायण (बड़ौदा सं.)	यथावत

			शोध–कार्यों का सर्वेक्षण – वैदिक साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद पर हुए प्रमुख शोध कार्यों का सर्वेक्षण, संस्कृत व्याकरण के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि एवं भर्तृहरि पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण, पाणिनि भिन्न व्याकरण सम्प्रदायों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण **संस्कृत साहित्य व साहित्य शास्त्र के प्रमुख शोध–कार्यों का सर्वेक्षण –** लौकिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, बृहत्त्रयी एवं लघुत्रयी पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण, आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, आधुनिक पद्य, गद्य एवं नाट्य साहित्य। संस्कृत साहित्यशास्त्र के प्रमुख शोध–कार्यों का सर्वेक्षण – रस, अलंकार, रीति, गुण, ध्वनि, औचित्य और वक्रोक्ति पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण, संस्कृत नाट्यशास्त्रीय प्रमुख इतिहास ग्रन्थ। **संस्तुत पुस्तकें –** 1. अनुसन्धान - डॉ. सत्येन्द्र 2. अनुसन्धान प्रक्रिया - डॉ. सावित्री सिन्हा 3. Anusandhan Ki Prakriya- Udai Bhanu Singh 4. शोधतन्त्र और सिद्धान्त - डॉ. शैल कुमारी 5. शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि- डॉ.बैजनाथ सिंह 6. अक्षर अमर रहें - वाचस्पति गैरोला 7. पाठ सम्पादन के सिद्धान्त- कन्हैयासिंह, महामनाप्रकाशन मन्दिर – इलाहाबाद	**वैदिक साहित्य एवं संस्कृत व्याकरण शास्त्र के प्रमुख** **शोध–कार्यों का सर्वेक्षण –** वैदिक साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद पर हुए प्रमुख शोध कार्यों का सर्वेक्षण, संस्कृत व्याकरण के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि एवं भर्तृहरि पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण, पाणिनि भिन्न व्याकरण सम्प्रदायों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण **संस्कृत साहित्य व साहित्य शास्त्र के प्रमुख शोध–कार्यों का सर्वेक्षण –** लौकिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, बृहत्त्रयी एवं लघुत्रयी पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण, आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, आधुनिक पद्य, गद्य एवं नाट्य साहित्य। **संस्कृत साहित्यशास्त्र के प्रमुख शोध–कार्यों का सर्वेक्षण –** रस, अलंकार, रीति, गुण, ध्वनि, औचित्य और वक्रोक्ति पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण, संस्कृत नाट्यशास्त्रीय प्रमुख इतिहास ग्रन्थ। **संस्तुत पुस्तकें –** 1. सत्येन्द्र, *अनुसंधान स्वरूप और आयाम,* सम्पा. गुप्त माकान्त, जोशी ब्रजरतन, 2016, दिल्ली, वाणी प्रकाशन 2. सत्येन्द्र, *पाण्डुलिपि विज्ञान,* 1954, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी 3. सिन्हा सावित्री, *अनुसन्धान का स्वरूप,* दिल्ली, हिन्दी अनुसंधान परिषद् 4. सिंहल बैजनाथ, *शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, 1980,* दिल्ली, मैकमिलन कं. ऑफ इण्डिया	

			8. भारतीय सम्पादन शास्त्र- मूलराज जैन 9. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त - लीलाधर गुप्त 10. पाठानुसंधान - डॉ. सियाराम तिवारी 11. भारतीय पाठालोचन की भूमिका–अनुवादक - उदयनारायण तिवारी–मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 12. Vedic Bibliography - III -R.N. Dandekar 13. Bibliography Vedic- L. Renou 14. History of Indian Literature - Winternitz 15. History of Classical Sanskrit Literature - M.Krishanamacharier 16. History of Sanskrit Literature - Dasgupta & S.K. De 17. Kalidas Bibliography- S.P. Narang 18. History of Sanskrit Poetics - P.V. Kane 19. Sanskrit Poeties- S.K. De 20. Systems of Sanskrit Grammer - S.K. Belvalkar 21. Oriental Studies - R.N. Dandekar & V.Raghvan	लि. 5. सिंह उदयभानु, *अनुसंधान का विवेचन,* 1962 6. कन्हैयासिंह, *पाठ सम्पादन के सिद्धान्त,* इलाहाबाद, महामना प्रकाशन मन्दिर, 7. Dandekara R.N .N. *Vedic Bibliography-II,* 1961, University of Poona, New Delhi 8. Rensu.L. *Bibiliography*, 1931, Akshaya Prakashan 9. Winternitz. M. *History of Indian Literature*, 1991 10. M. Krishnamachariar, *History of Classical Sanskrit Literature*, 1937, Tirumala Tirupati Devasthanams Press, Madrass. 11. Dasgupta S.N. De Sushil Kumar, *A History of Sanskrit Literature Classical Period*, 1942 University of Calcutta *12.* Narang. S.P. *Kalidasaa Bibliography*, 1976, New Delhi 13. Kana P.V. *History of Sanskrit Poetics*, 1971, Delhi Motilal Banasrsidass 14. De S.K., *Sanskrit Poetics as a study of Aesthetic*, University of California Press 15. Balvalkar S.K. *Systems of Sanskrit grammer*, 1995, digital republisher : Digital Literary of India.	

			22. Survey of Indian Studies - R.N. Dandekar 23. 75 Years of Indology - V.V. Mirashi 24. Mahabhasys- S.D. Joshi 25. Vakyapadiya (Appendices) - S. Abhyankar 26. Introduction to the Natya Sastra- S.K. Bhatt 27. The Modern Manuscrip Library & Board in R.B. and Warner R.M. 28. Sukthankar, V.S. & Introduction to the Criticfal Edition of The Mahabharata (Poona ed.) 29. Raghan, V. : Introduction to new Catalogus Catalogorum 30. Bhatt, G.H. Introduction to the Critical Edition of the Ramayan (Baroda ed.)	*16.* Dandekar R..N. V. Raghvan, *Oriented Studies, 1964, 26th International Congress of Orintalists.* *17.* Dandekar R.N. *Survey of Indian Studies*, 1964, International Congress of Orintalists. 18. Raghvan V. Ed., *New Catalogs calalogorum; an alphabetical register of Sanskrit and allied works and authors*, University of Madras, 1966 19. *Mirashi V.V. Studies in Indology* Vol-I 1960, Nagpur, The vidrabha Samshodhana Mandel. 20. *Palanyali's Vyakarana, Mahabhasy*, Ed., Joshi S.D., 1968, Poona, University of Poona *21.* तिवारी उदयनारायण, *भारतीय पाठालोचन की भूमिका,* मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 22. Vatsyayan Kapila, *Bharata. The Natyashastra,* 1996, New Delhi, Sahitya Academi 23. *The Modern main scrip Literary Board* in R.B. and warner R.M. 24. Chattergee Asim Kumar. *Historical Introduction to the critical edition of the*	

				Ramayana, 2007, R.N.Bhallacharya, Kolkatta 25. Bishnupada Bhattachara, *Bharhari's vakyapadlya and lenguiestue monism*, 1985, Poona Bhadarkar oriental Research Institute 26. *Abhyankar. V. Vakyapadiya* of shri Bharthari, 1965, Poona **E-Resources** • शोध प्रविधि, विनयमोहन शर्मा https://archive.org/search.php?query=shodh%20pravidhi • पाण्डुलिपि विज्ञान, सत्येन्द्र https://archive.org/details/PandulipiVigyanDr.Satyendar	

शिक्षक, शिक्षण एवं उच्च शिक्षा

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	SANS 608	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • संस्कृत शिक्षण का अवबोध। • प्राचीन एवं आधुनिक संस्कृत शिक्षण संस्थानों की कार्य पद्धति का ज्ञान। • प्रभावी शिक्षण कौशल का विकास।	**संस्कृत शिक्षक एवं संस्कृत भाषा का स्वरूप** – संस्कृत शिक्षक का स्वरूप, विशेषताएँ व कर्त्तव्य, संस्कृत भाषा का अर्थ, प्रकृति एवं महत्त्व, संस्कृत भाषा के रूप, संस्कृत भाषा का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध। **संस्कृत शिक्षण** – संस्कृत शिक्षण का स्वरूप, संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व, काव्य शिक्षण : अर्थ, महत्त्व एवं विधियाँ, शास्त्र शिक्षण : अर्थ, महत्त्व एवं विधियाँ, अनुवाद शिक्षण : अर्थ, महत्त्व एवं विधियाँ, संस्कृत शिक्षण में शोध। **इकाई योजना** – इकाई योजना : अर्थ, महत्त्व एवं विशेषताएँ, पाठ योजना : अर्थ, महत्त्व एवं विशेषताएँ, इकाई योजना का निर्माण। **पाठ योजना** – पाठ योजना का निर्माण, इकाई प्रश्नपत्र निर्माण, पाठान्तर्गत एवं पाठोपरान्त मूल्यांकन। **उच्च शिक्षा** – उच्च शिक्षा का स्वरूप आयाम एवं उद्देश्य, उच्च शिक्षा की शिक्षण प्रणाली, प्राचीन भारत के उच्च शैक्षिक संस्थान, वर्तमान में उच्च शैक्षिक संस्थान, संस्कृत अकादमियों एवं अन्य संस्थाएँ। **संस्तुत पुस्तकें –** 1. संस्कृत शिक्षण – सन्तोष मित्तल	**संस्कृत शिक्षक एवं संस्कृत भाषा का स्वरूप** – संस्कृत शिक्षक का स्वरूप, विशेषताएँ व कर्त्तव्य, संस्कृत भाषा का अर्थ, प्रकृति एवं महत्त्व, संस्कृत भाषा के रूप, संस्कृत भाषा का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध। **संस्कृत शिक्षण** – संस्कृत शिक्षण का स्वरूप, संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व, काव्य शिक्षण : अर्थ, महत्त्व एवं विधियाँ, शास्त्र शिक्षण : अर्थ, महत्त्व एवं विधियाँ, अनुवाद शिक्षण : अर्थ, महत्त्व एवं विधियाँ, संस्कृत शिक्षण में शोध। **इकाई योजना** – इकाई योजना : अर्थ, महत्त्व एवं विशेषताएँ, पाठ योजना : अर्थ, महत्त्व एवं विशेषताएँ, इकाई योजना का निर्माण। **पाठ योजना** – पाठ योजना का निर्माण, इकाई प्रश्नपत्र निर्माण, पाठान्तर्गत एवं पाठोपरान्त मूल्यांकन। **उच्च शिक्षा** – उच्च शिक्षा का स्वरूप आयाम एवं उद्देश्य, उच्च शिक्षा की शिक्षण प्रणाली, प्राचीन भारत के उच्च शैक्षिक संस्थान, वर्तमान में उच्च शैक्षिक संस्थान, संस्कृत अकादमियों एवं अन्य संस्थाएँ। **प्रायोगिक** निर्देश– छात्रा को अभ्यास शिक्षण हेतु आठ कालांशों	यथावत

			2. संस्कृत शिक्षण – एन.के. शर्मा 3. संस्कृत शिक्षण – रघुनाथ सफाया 4. संस्कृत शिक्षण – प्रभा गुप्ता 5. मातृभाषा शिक्षण – के. क्षत्रिया 6. संस्कृत शिक्षण विधि – कर्ण सिंह, एच.पी. भार्गव 7. संस्कृत शिक्षण – नन्दराम शर्मा 8. संस्कृत शिक्षण – रमा शर्मा, एम.के. मिश्रा 9. राजस्थान की संस्कृत सम्पदा – शंकरलाल शास्त्री 10. संस्कृत आयोग प्रतिवेदन 1956 – शिक्षा विभाग, भारत सरकार 11. ब्राह्मण एवं बौद्ध शिक्षा पद्धति – डॉ. नमिता सिंह, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 12. शिक्षा के दार्शनिक आधार – योगेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली	में शिक्षण करना होगा। सत्रीय मूलयांकन बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा। **संस्तुत पुस्तकें–** 1. मित्तल संतोष (2013) *संस्कृत शिक्षण,* मेरठ आर लाल डिपो 2. सफाया रधुनाथ, (1996) *संस्कृत शिक्षण* जालंधर, पंजाब किताब घर 3. सिंह नमिता 2012 ब्राह्मण एवं बौद्ध शिक्षा. पद्धति दिल्ली रू प्रतिभा प्रकाशन 4. शर्मा, रमा, सिंह, एम.के. (2012) *संस्कृत शिक्षण* नई दिल्ली, के.के. पब्लिकेशन 5. शास्त्री शंकर लाल (2010) *राजास्थान की संस्कृत संपदा,* जयपुर हंसा प्रकाशन 6. संस्कृत आयोग प्रतिवेदन, 1956 *शिक्षा विभाग* भारत सरकार 7. शर्मा, विनोद (2012) *संस्कृत शिक्षण,* नई दिल्ली, के.के.पब्लिकशेन **E-Resources** **संस्कृत शिक्षण विधि, विजय नारायण चौबे** **https://archive.org/details/SanskritShikshanVidhiVijayNarayanChaube**	

धर्म, दर्शन और संस्कृति

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	SANS 601	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • विभिन्न धर्मों के स्वरूप का अवबोध • धर्म, दर्शन एवं संस्कृति के प्रति समन्वयात्मक दृष्टिकोण का विकास।	प्राचीन धर्मो का सर्वेक्षण–बौद्ध, जैन, वैष्णव, शैव, शाक्त धर्मों का उद्भव एवं विकास। भारतीय दर्शन की प्रमुख समस्याएँ–भारतीय दर्शन में आत्मा, परमात्मा, ईश्वर, ब्रह्म, कार्यकारण सिद्धान्त, प्रमाण– मीमांसा, मोक्ष और मोक्ष के साधन। वैदिक संस्कृति – वैदिक संस्कृति, बहुदेववाद, एकेश्वरवाद महाकाव्यकालीन संस्कृति – रामायणकालीन, महाभारतकालीन संस्कृति पौराणिककालीन संस्कृति – आदि पुराण, अग्नि पुराण, विष्णु पुराण, शिव पुराण एवं श्रीमद्भागवत पुराण, पुराणों में वर्णित संस्कृति। **संस्तुत पुस्तकें –** 1. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, आर.जी. भण्डारकर (अनुवादक), डॉ. महेश्वरी प्रसाद, दिल्ली। 2. शैव मत, यदुवंशी।	प्राचीन धर्मो का सर्वेक्षण–बौद्ध, जैन, वैष्णव, शैव, शाक्त धर्मों का उद्भव एवं विकास। भारतीय दर्शन की प्रमुख समस्याएँ–भारतीय दर्शन में आत्मा, परमात्मा, ईश्वर, ब्रह्म, कार्यकारण सिद्धान्त, प्रमाण– मीमांसा, मोक्ष और मोक्ष के साधन। वैदिक संस्कृति – वैदिक संस्कृति, बहुदेववाद, एकेश्वरवाद महाकाव्यकालीन संस्कृति – रामायणकालीन, महाभारतकालीन संस्कृति पौराणिककालीन संस्कृति – आदि पुराण, अग्नि पुराण, विष्णु पुराण, शिव पुराण एवं श्रीमद्भागवत पुराण, पुराणों में वर्णित संस्कृति। **संस्तुत पुस्तकें–** 1.उपाध्याय, भरत सिंह (2015) *बौद्ध दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन (दो भागों* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2. उपाध्याय, बलदेव (2013) *भारतीय धर्म और दर्शन,* दिल्ली,चौखम्भा ओरियन्टालिया। 3.मणिवर, ले, भानु विजय, (2015) *जैन धर्म का सरल परिचय,* नई दिल्ली, मे	यथावत

			3. Religions of India - Barth 4. Encyclopedia of Religion and Ethics, James Hastings 5. भारतीय दार्शनिक समस्याएँ–डॉ. नन्दकिशोर शर्मा, जयपुर 6. Indian Philosophy, J.N. Sinha 7. Vedic Age - A.D. Pusalkar 8. Studies in Epics and Puransas - A.D. Pusalkar	बनारसीदास। 4.सहाय, शिवस्वरूप (2015), *प्राचीन भारतीय धर्म और दर्शन*, दिल्ली, मे बनारसीदास। 5.Dasgupta, S.N. *History of Indian Philosophy*, Motilal Banarasi **E-Resources** • एन.के.देवराज– भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास https://archive.org/details/Bhartiya.Darshan.Sastra.Ka.Itihas_201801 • **धर्म और दर्शन, बलदेव उपाध्याय** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.538449/page/n1 • **जैन धर्म और दर्शन, मुनि नथमल** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.404186/page/n1 • **भारतीय धर्म और दर्शन, मिश्र बन्धु** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.550895	

सत्रावधि पत्र

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
	SANS 607P	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • शोधपत्र लेखन एवं अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास। • मौलिक चिन्तन एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास।	**निर्देश–** प्रस्तुत प्रश्नपत्र में छात्रा को संस्कृत वाङ्मय के निम्नलिखित क्षेत्रों में से किसी एक के आधार पर विभागीय सदस्य के निर्देशन में शोध पत्र लेखन करना होगा। छात्रा को परीक्षक मण्डल के सम्मुख शोध पत्र का प्रस्तुतकरण करना होगा। सत्र के अन्त में परीक्षक मण्डल द्वारा इसका मूल्यांकन किया जाएगा। • वेद–वेदांग • व्याकरण • दर्शन • साहित्य व साहित्यशास्त्र • धर्मशास्त्र इत्यादि	• वेद–वेदांग • व्याकरण • दर्शन • साहित्य व साहित्यशास्त्र • धर्मशास्त्र इत्यादि	**निर्देश–** प्रस्तुत प्रश्नपत्र में छात्रा को संस्कृत वाङ्मय के निम्नलिखित क्षेत्रों में से किसी एक के आधार पर विभागीय सदस्य के निर्देशन में शोध पत्र लेखन करना होगा। छात्रा को परीक्षक मण्डल के सम्मुख शोध पत्र का प्रस्तुतकरण करना होगा। सत्र के अन्त में परीक्षक मण्डल द्वारा इसका मूल्यांकन किया जाएगा।

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 1

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम के निर्गम चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 1	स्वाध्यायाधारित चयनित समुह की सूची द्वितीय समसत्र के बाद दी गई है।

द्वितीय समसत्र

लघु शोध–प्रबन्ध

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	SANS 701D	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • तथ्यात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास। • सांदर्भिक अर्थग्रहण एवं सम्प्रेषणात्मक क्षमता का विकास। • शोधात्मक दृष्टि का विकास। • विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास। • संस्कृत साहित्य की नवीन प्रवृत्तियों के प्रति विद्यार्थियों में रुचि का विकास। • विद्यार्थियों में संस्कृत	निर्देश : छात्रा कम से कम 100 पृष्ठों का लघु शोध–प्रबन्ध जमा करायेंगी। इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। प्रथम चरण–नवम्बर के अंतिम सप्ताह तक (प्रथम समसत्र) सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापकों के समक्ष चयनित विषय का स्पष्टीकरण द्वितीय चरण – अप्रेल के द्वितीय सप्ताह तक (द्वितीय समसत्र) सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापकों के समक्ष लघु शोधप्रबन्ध की रूपरेखा का प्रस्तुतीकरण तृतीय चरण – 30 नवम्बर तक (तृतीय समसत्र) लघुशोधप्रबन्ध जमा करना एवं	निर्देश : छात्रा कम से कम 100 पृष्ठों का लघु शोध–प्रबन्ध जमा करायेंगी। इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। प्रथम चरण –नवम्बर के अंतिम सप्ताह तक (प्रथम समसत्र) सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापकों के समक्ष चयनित विषय का स्पष्टीकरण द्वितीय चरण –अप्रेल के द्वितीय सप्ताह तक (द्वितीय समसत्र)सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापकों के समक्ष लघु शोधप्रबन्ध की रूपरेखा का प्रस्तुतीकरण तृतीय चरण –30 नवम्बर तक (तृतीय समसत्र) लघुशोधप्रबन्ध जमा करना एवं आन्तरिक मौखिकी परीक्षा	

		नवाचारमूलक प्रवृत्तियों का विकास।	आन्तरिक मौखिकी परीक्षा चतुर्थ चरण – (शोध प्रबन्ध जमा करने के उपरान्त)लघु शोध प्रबन्ध का बाह्म परीक्षक द्वारा मूल्यांकन	चतुर्थ चरण – (शोध प्रबन्ध जमा करने के उपरान्त)लघु शोध प्रबन्ध का बाह्म परीक्षक द्वारा मूल्यांकन	

सेमीनार

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	SANS 606S	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • शोधपत्र लेखन एवं अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास। • मौलिक चिन्तन एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास।	निर्देश– प्रत्येक छात्रा को एक शोध पत्र की प्रस्तुति सेमीनार में देनी होगी। सेमीनार का विषय वर्तमान सन्दर्भ में संस्कृत की प्रासंगिकता से समबद्ध होना चाहिए। सेमीनार का गठन विभाग/संकाय स्तर पर आयेजित किया जायेगा। इसी सेमीनार के आधार पर छात्रा का मूल्यांकन कर अंक प्रदान किये जायेंगे। विभाग के आन्तरिक सदस्यों के मण्डल द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा। • वेद एवं वेदांग • वास्तु एवं ज्योतिष • धर्म एवं दर्शन • योग एवं आयुर्वेद • व्याकरण एवं भाषाशास्त्र • साहित्य एवं साहित्यशास्त्र	• वेद एवं वेदांग • वास्तु एवं ज्योतिष • धर्म एवं दर्शन • योग एवं आयुर्वेद • व्याकरण एवं भाषाशास्त्र • साहित्य एवं साहित्यशास्त्र	निर्देश– प्रत्येक छात्रा को एक शोध पत्र की प्रस्तुति सेमीनार में देनी होगी। सेमीनार का विषय वर्तमान सन्दर्भ में संस्कृत की प्रासंगिकता से समबद्ध होना चाहिए। सेमीनार का गठन विभाग/संकाय स्तर पर आयेजित किया जायेगा। इसी सेमीनार के आधार पर छात्रा का मूल्यांकन कर अंक प्रदान किये जायेंगे। विभाग के आन्तरिक सदस्यों के मण्डल द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा।

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 2

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम के निर्गम चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 2	स्वाध्यायाधारित चयनित समुह की सूची द्वितीय समसत्र के बाद दी गई है।

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 3

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम के निर्गम चयनित समुह में निर्धारित प्रश्न पत्रों के साथ दिये गये हैं।		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम – 3	स्वाध्यायाधारित चयनित समुह की सूची द्वितीय समसत्र के बाद दी गई है।

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम सूची

उपनिषद् साहित्य का सामान्य अध्ययन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
	SANS	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • आध्यात्मिक व व्यावहारिक समझ विकास । • जीवन मूल्यों का ज्ञान।		• ईशावास्योपनिषद् • केनोपनिषद् • मुण्डकोनिषद् • माण्डुक्योपनिषद् • तैत्तिरीयोपनिषद् • प्रश्नोपनिषद् • छान्दोग्योपनिषद् • ऐतरेयोपनिषद् • वृहदारण्यकोपनिषद् • श्वेताश्वतरोपनिषद् **संस्तुत पुस्तकें–** 1. *ईशादि नौ उपनिषद्* (2013) गोरखपुर, गीता प्रेस 2. शंकराचार्य ईशादिनौउपनिषद्शांकरभाष्य (2007), गोरखपुर गीता प्रेस, 3. *कल्याण उपनिषद्* अंक (2015) – गोरखपुर, गीता प्रेस 4. शर्मा, रघुनन्दन (2004) *वैदिकसम्पत्ति,* हिन्डौनसिटी, घूड़मल आर्य, प्रहलाद कुमार धर्मार्थ ट्रस्ट 5. पाण्डेय, गोविन्द्र चन्द्र (2008) *वैदिकसंस्कृति,* इलाहबाद लोकभारती प्रकाशन 6. श्री अरविन्द, (2015) *वेदरहस्य,* पॉण्डिचेरी, श्री अरविन्दाश्रम 7. Das Gupta, Surendranath (1961) *History of*	

				Indian Philosophy, London Combridge University Press 8. Radhakrishanan, S. (1997) *The Principles Upnishads* , Newyork, Harper 9. भगवद्दत्त (1931) *वैदिक वाङ्मय का इतिहास,* नई दिल्ली प्रणय प्रकाशन **E-Resources-** राम शर्मा आचार्य, 108 उपनिषद् https://archive.org/details/HindiBook108UpanishadsPart1brahmaVidyaKhanadaPt.ShriramSharmaAcharya ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.343456/page/n1 रामरंग शर्मा, कठोपनिषद् https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487479 केनोपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320432/page/n1 बद्रीदत्त शर्मा, प्रश्नोपनिषद् https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345429 राजवीर शास्त्री, उपनिषद भाष्य https://archive.org/details/UpanishadBhasya	

संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
	SANS	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • प्राचीन संस्कृत साहित्य का ज्ञान • कथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों का विकास। • राजनैतिक विश्लेषण की क्षमता का विकास।		• कादम्बरी • पंचतन्त्र • बेतालपंचविंशतिका • भोज प्रबन्ध • जातकमाला • शुकसप्तति • कथा सरित्सागर • बृहत्कथामंजरी **संस्तुत पुस्तकें–** 1. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास 2. भटनागर, श्यामा, संस्कृत कथा साहित्य का अध्ययन, (2000), जयपुर, पब्लिकेशन स्कीम। 3. शर्मा, शिवदत्त, अ*भिनवकथानिकुंज* (संस्कृत कथा संग्रह),(1978), वाराणसी भारतीय विद्या प्रकाशन। 4. बाणभटट् *कादम्बरी,* व्या. श्रीकृष्णमोहन शास्त्री, (1999), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान। 5. अग्रवाल वासुदेवशरण, (1957), *कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन। 6. भारतीय महेशचन्द, (1973), *बाणभट्ट और कादम्बरी : एक आलोचनात्मक अध्ययन,* गाजियाबाद, विमला प्रकाशन।	

				7. पाण्डेय, अमरनाथ, (1972), *बाणभटट का साहित्यिक अनुशीलन,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास। 8. शर्मा, नीता, (1968), *बाण ए स्टडी,* दिल्ली, मुन्शीराम मनोहरलाल। 9. कृष्णमूर्ति, (1976), *बाणभटट*–दिल्ली, साहित्य अकादमी E- Resources- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5 • संस्कृत साहित्य का इतिहास https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81	

साहित्यशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
	SANS 603R	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • स्वाध्याय कौशल का विकास करना। • सांदर्भिक अर्थग्रहण एवं अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास।	• काव्यालंकार, काव्यालकारसूत्रवृत्ति • औचित्यविचारचर्चा, व्यक्तिविवेक • शब्दव्यापारविचार, अभिधावृत्तिमातृका • नाटकपरिभाषा, वृत्तरत्नाकर • काव्यसत्यालोक, काव्यालंकारकारिका **संस्तुत पुस्तकें–** 1. काव्यालंकार – भामह, देवेन्द्र नाथ शर्मा 2. काव्यालंकारसूत्रवृत्ति– वामन, विश्वेश्वर 3. औचित्यविचार चर्चा – क्षेमेन्द 4. व्यक्तिविवेक–महिमभट्ट, रेवा प्रसाद द्विवेदी 5. शब्दव्यापार विचार– मम्मट, रेवा प्रसाद द्विवेदी 6. अभिधावृत्तिमातृका– मुकुल भट्ट, रेवा प्रसाद द्विवेदी 7. नाटक परिभाषा– रूपगोस्वामी 8. वृत्तरत्नाकर–केदारनाथ भट्ट, बलदेव उपाध्याय 9. काव्यसत्यालोक–रचयिता एवं व्याख्याकार–ब्रह्मानन्द शर्मा,	• काव्यालंकार, काव्यालकारसूत्रवृत्ति • औचित्यविचारचर्चा, व्यक्तिविवेक • शब्दव्यापारविचार, अभिधावृत्तिमातृका • नाटकपरिभाषा, वृत्तरत्नाकर • काव्यसत्यालोक, काव्यालंकारकारिका संस्तुत पुस्तकें– 1. भट्टकेदार, *वृत्तरत्नाकर,* व्या॰ बलदेव उपाध्याय, (1996) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 2. वामन, *काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति* (व्या॰) आचार्य विश्वेश्वर (सं॰) नगेन्द्र, (1994) दिल्ली माध्यम कार्यान्वय निदेशालय 3. भामह, *काव्यालंकार,* भाष्य देवेन्द्रनाथ शर्मा (2019) वि॰ सं॰, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् 4. भट्ट महिम, *व्यक्तिविवेकः* व्या॰ रेवाप्रसाद द्विवेदी, (1964) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस	

			10.. काव्यालंकार कारिका – रचयिता एवं व्याख्याकार– रेवा प्रसाद द्विवेदीप	5. क्षेमेन्द्र, *औचित्यविचारचर्चा* (1964) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 6. भट्ट मुकुल, अभिधावृत्तिमातृका, (हि॰ भा॰) रेवाप्रसाद द्विवेदी, (1973) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 7. मम्मट, *शब्दव्यापार विचार चर्चा* (व्या॰) रेवाप्रसाद द्विवेदी **E-Resources** 1. बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816 2. वैदिक साहित्य का इतिहास, राम मूर्ति शर्मा https://archive.org/details/VaidikSahityaKaItihasRamMurthySharma 3. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.346569/page/n3	

वेद, व्याकरण एवं दर्शनशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
1	SANS 609R	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • स्वाध्याय कौशल का विकास करना। • सांदर्भिक अर्थग्रहण एवं अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास।	• निरुक्त, वृहद्देवता • पारस्करगृह्यसूत्र, याज्ञवल्क्य शिक्षा • परमलघुमंजूषा, वाक्यपदीयम् • ब्रह्मसूत्र, योगसूत्र • पंचदशी, न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	• निरुक्त, वृहद्देवता • पारस्करगृह्यसूत्र, याज्ञवल्क्य शिक्षा • परमलघुमंजूषा, वाक्यपदीयम् • ब्रह्मसूत्र, योगसूत्र • पंचदशी, न्यायसिद्धान्तमुक्तावली **संस्तुत पुस्तकें–** 1. यास्क, *निरुक्त,* (व्या॰) छज्जुराम शास्त्री, दिल्ली मेहरचन्द्र लक्ष्मणदास 2. हरिहर गदाधर *पारस्करगृह्ववूत्रम्* (हि॰ व्या॰) जगदीशचन्द्र मिश्र, (सं॰) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, 3. याज्ञवल्क्य, *याज्ञवल्क्यशिक्षा,* व्या॰ नरेश झा, (2014) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 4. भट्ट नागेश, *परमलघुमञ्जुषा* व्या॰ लोकमणिदहालः (2006) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 5. शौनक, *बृहत्देवता* (व्या॰) रामकुमार राय (2010) वाराणसी, चौखम्भा, संस्कृत संस्थान 6. त्रिवेदी. रामगोविन्द, (1968) *वैदिक साहित्य का इतिहास,* वाराणसी, भारतीय ज्ञान पीठ 7. उपाध्याय बलदेव, (1998), *वैदिक साहित्य और*	

				संस्कृति, वाराणसी, शारदा संस्थान, 8. पतञ्जलि, *योगसूत्र,(1982)* वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 9. विद्यारण्य *पञ्चदशी* (व्या॰) कृष्ण (2001) दिल्ली भारतीय प्रकाशन 10. व्यास, *ब्रह्मसूत्र,* (व्या॰) आनंद तीर्थ (सं) मनीष कुमार, (2004) दिल्ली भारतीय कला प्रकाशन 11. पञ्चाननविश्वनाथ,न्यायसिद्धान्तमुक्तावली व्या॰ गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, लोकमणि दाहाल, (2008) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन **E-Resources** 4. बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816 5. वैदिक साहित्य का इतिहास, राम मूर्ति शर्मा https://archive.org/details/VaidikSahityaKaItihasRamMurthySharma 6. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.346569/page/n3	

पुराण एवं धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
	SANS 702R	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • अर्थबोध की सामर्थ्य का विकास । • प्रस्तुतीकरण की क्षमता का विकास।	निर्देश – प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वाध्याय पर आधारित है। प्रस्तुत प्रश्नपत्र में छात्रा को निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम का चयन करना होगा। पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकों का मात्र परिचयात्मक अध्ययन ही अपेक्षित है। प्रश्नपत्र का निर्माण दोनों पाठ्यक्रमों के आधार पर पृथक–पृथक होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम से नौ–नौ प्रश्न पूछे जाने अनिवार्य है। परीक्षार्थी को चयनित पाठ्यक्रम में से कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। • मनुस्मृति, पाराशरस्मृतिः • याज्ञवल्क्यस्मृतिः, नारद स्मृतिः • विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवतपुराण • वायुपुराण, अग्निपुराण, भविष्यपुराण • मत्स्यपुराण, शिवपुराण	• मनुस्मृति, पाराशरस्मृतिः • याज्ञवल्क्यस्मृतिः, नारद स्मृतिः • विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवतपुराण • वायुपुराण, अग्निपुराण, भविष्यपुराण • मत्स्यपुराण, शिवपुराण **संस्तुत पुस्तके –** 1. चरक, *चरक संहिता* (2013) व्या. त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 2. सुश्रुत, सुश्रुतसंहिता, नारायण राम आचार्य, (2002) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 3. *मनु, मनुस्मृति* ( ) व्या. गजानन शास्त्री, मुसलगँवकर वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 4. *कौटिल्य, अर्थशास्त्र* (2009) व्या. वाचस्पति गैरोला, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 5. शुक्राचार्य शुक्रनीतिः (व्या॰) श्री ब्रह्मशङ्करमिश्रः, (2008) वाराणसी, चौखम्भा, संस्कृत संस्थान 6. याज्ञवल्क्य, याज्ञवल्क्यस्मृति, (हि॰ व्या॰) उमेशचन्द्र पाण्डेय (1983) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान 7. सवाई ब्रजकिशोर, नारदस्मृति, (2000) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान	

				8. व्यास शिवपुराण, विनय (2004) नई दिल्ली, डायमंड पॉकेट बुक्स 9. मत्सपुराण, (टी॰) कालीचरण गौड़ एवं बस्तीराम, (2006) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 10. वेदव्यास, अग्निपुराण, (2016) गोरखपुर गीता प्रेस 11. व्यास, वायुपुराण (अनु॰) रामप्रताप त्रिपाठी (1987) प्रयाग संस्कृत साहित्य सम्मेलन 12. व्यास, वायुपुराण (अनु॰) रामप्रताप त्रिपाठी (1987) प्रयाग संस्कृत साहित्य सम्मेलन 13. चाणक्य, चाणक्यनीतिदर्पणः भा॰ जगदीश्वरानन्द सरस्वती, (1994) दिल्ली 14. भास्कराचार्या, लीलावती, व्या॰ रेवाप्रसाद द्विवेदी, (1876) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 15. आर्यभट्ट आर्यभटीयम् (भाषा भाष्य॰) सत्यदेव शर्मा (2008) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 16. देवसूरि, नीतिवाक्यामृतम् (व्या॰) रामचन्द्र मालवीय, (1972) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 17. कामन्दक, कामन्दकीयनीतिसारः, (भा॰ टी॰) ज्वालाप्रसाद, (1874) बम्बई स्टीम् प्रेस 18. गोयल प्रीतिप्रभा, सम्पूर्ण विदुर नीति, (2014) जोधपुर राजस्थानी ग्रन्थागार 19. हरिहर गदाधर पारस्करगृह्ववूत्रम् (हि॰ व्या॰) जगदीशचन्द्र मिश्र, (सं॰) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, (2008) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन	

				E-Resources 1. **तुलसीराम स्वामिना, 'मनुस्मृति'** https://archive.org/details/HindiBookManusmriti 2. दर्शनानन्द सरस्वती, मनुस्मृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.407245 3- सुरेन्द्र कुमार, 'मनु और उनकी मनुस्मृति' https://archive.org/details/ManuAurUnkiManuSmritiSurendraKumar/page/n1 4. जीवानन्द विद्यासागर, 'धर्मशास्त्र संग्रह' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406530 5. पी.वी.काणे, 'धर्मशास्त्र का इतिहास' **https://archive.org/details/in.ernet.dli.** **https://archive.org/details/KautilyaKaArthshastra-Hindi-Kautilya** **1. प्राणनाथ विद्यालंकार, 'कौटिल्य अर्थशास्त्र'** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.473131 2. अत्रिदेव जी गुप्त. 'चरक संहिता' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487454 3. नरेन्द्रनाथ सेन गुप्ता 'चरक संहिता' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273032/page/n772015.496396/page/n5	

वैज्ञानिक एवं नीतिशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचयात्मक अध्ययन

S.No.	course code	Learning Outcome	Existing	Suggested	Remarks
	SANS 703R	पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे। • भरतीय वैज्ञानिक दृष्टि का ज्ञान। • राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास। • प्रस्तुतीकरण की क्षमता का विकास।	• चरक संहिता, सुश्रुत संहिता • आर्यभट्टीय, लीलावती • कौटिलीय अर्थशास्त्र • शुक्रनीति, चाणक्यनीतिदर्पणः • कामन्दकीयनीतिसार, • नीतिवाक्यामृतम्, विदुरनीतिः **संस्तुत पुस्तकें –** 1. मनुस्मृतिः – मनु, चमनलाल गौत्तम 2. पाराशरस्मृतिः – पाराशर, पं. मिहिरचन्द्र 3. याज्ञवल्क्यस्मृतिः – याज्ञवल्क्य, कमलनयन शर्मा 4. नारदस्मृतिः – नारद 5. विष्णु पुराण – व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर 6. श्रीमद्भागवतपुराण – व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर	• चरक संहिता, सुश्रुत संहिता • आर्यभट्टीय, लीलावती • कौटिलीय अर्थशास्त्र • शुक्रनीति, चाणक्यनीतिदर्पणः • कामन्दकीयनीतिसार, • नीतिवाक्यामृतम्, विदुरनीतिः **संस्तुत पुस्तके –** 1. चरक, *चरक संहिता* (2013) व्या. त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 2. सुश्रुत, सुश्रुतसंहिता, नारायण राम आचार्य, (2002) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 3. *मनु, मनुस्मृति* ( ) व्या. गजानन शास्त्री, मुसलगँवकर वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 4. *कौटिल्य, अर्थशास्त्र* (2009) व्या. वाचस्पति गैरोला, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 5. शुक्राचार्य शुक्रनीतिः (व्या॰) श्री ब्रह्मशङ्करमिश्रः, (2008) वाराणसी, चौखम्भा, संस्कृत संस्थान	

			7. वायुपुराण – व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर 8. अग्निपुराण – व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर 9. भविष्यपुराण– व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर 10. मत्स्यपुराण – व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर 11. शिवपुराण – व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर 12. लिगपुराण – व्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर 13. चरक संहिता– चरक 14. सुश्रुत संहिता– सुश्रुत 15. आर्यभट्टीय – आर्यभट्ट 16. लीलावती– भास्कराचार्य 17. कौटिलीय अर्थशास्त्र– कौटिल्य, वाचस्पति गैरोला 18. शुक्रनीति– शुक्र, ब्रह्मशंकर मिश्र 19. चाणक्यनीतिदर्पण– कौटिल्य, डा. रूपनारायण त्रिपाठी 20. कामन्दकीय नीतिसार– कामन्दक 21. नीतिवाक्यामृतम्– सोमदेव सूरि, रामचन्द्र मालवीय	6. याज्ञवल्क्य, याज्ञवल्क्यस्मृति, (हि॰ व्या॰) उमेशचन्द्र पाण्डेय (1983) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान 7. सवाई ब्रजकिशोर, नारदस्मृति, (2000) वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान 8. व्यास शिवपुराण, विनय (2004) नई दिल्ली, डायमंड पॉकेट बुक्स 9. मत्सपुराण, (टी॰) कालीचरण गौड़ एवं बस्तीराम, (2006) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 10. वेदव्यास, अग्निपुराण, (2016) गोरखपुर गीता प्रेस 11. व्यास, वायुपुराण (अनु॰) रामप्रताप त्रिपाठी (1987) प्रयाग संस्कृत साहित्य सम्मेलन 12. व्यास, वायुपुराण (अनु॰) रामप्रताप त्रिपाठी (1987) प्रयाग संस्कृत साहित्य सम्मेलन 13. चाणक्य, चाणक्यनीतिदर्पणः भा॰ जगदीश्वरानन्द सरस्वती, (1994) दिल्ली 14. भास्कराचार्या, लीलावती, व्या॰ रेवाप्रसाद द्विवेदी, (1876) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 15. आर्यभट्ट आर्यभटीयम् (भाषा भाष्य॰) सत्यदेव शर्मा	

			22. विदुरनीतिः – व्यास, प्रीतिप्रभा गोयल	(2008) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 16. देवसूरि, नीतिवाक्यामृतम् (व्या॰) रामचन्द्र मालवीय, (1972) वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन 17. कामन्दक, कामन्दकीयनीतिसारः, (भा॰ टी॰) ज्वालाप्रसाद, (1874) बम्बई स्टीम् प्रेस 18. गोयल प्रीतिप्रभा, सम्पूर्ण विदुर नीति, (2014) जोधपुर राजस्थानी ग्रन्थागार 19. हरिहर गदाधर पारस्करगृह्यवृत्रम् (हि॰ व्या॰) जगदीशचन्द्र मिश्र, (सं॰) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, (2008) वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन **E-Resources** 4. **तुलसीराम स्वामिना, 'मनुस्मृति'** https://archive.org/details/HindiBookManusmriti 5. दर्शनानन्द सरस्वती, मनुस्मृति https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.407245 6- सुरेन्द्र कुमार, 'मनु और उनकी मनुस्मृति' https://archive.org/details/ManuAurUnkiManuSmritiSurendraKumar/page/n1 6. जीवानन्द विद्यासागर, 'धर्मशास्त्र संग्रह'	

				https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406530 7. पी.वी.काणे, 'धर्मशास्त्र का इतिहास' **https://archive.org/details/in.ernet.dli.https://archive.org/details/KautilyaKaArthshastra-Hindi-Kautilya** **4. प्राणनाथ विद्यालंकार, 'कौटिल्य अर्थशास्त्र'** https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.473131 5. अत्रिदेव जी गुप्त. 'चरक संहिता' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487454 6. नरेन्द्रनाथ सेन गुप्ता 'चरक संहिता' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273032/page/n772015.496396/page/n5	

Verified

Offg. Secretary
Banasthali Vidyapith
P.O. Banasthali Vidyapith
Distt. Tonk (Raj.)-304022